कोटद्वार, शुक्रवार
24 अप्रैल 2026
वर्ष: 49
अंक: 6 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com

स्थापित 1979

संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

चुनावी रैली में पीएम मोदी बोले

झालमुड़ी मैंने खाई, झाल उन्हें लग रही

- 4 मई को परिणाम नहीं, परिवर्तन होगा, टीएमसी की हार ही भय की हार है

कोलकाता (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को बंगाल के मथुरापुर और कृष्णानगर में चुनावी रैली की। उन्होंने कहा- यहां पूरे बंगाल से उत्साही नागरिक आए हैं। जनता ने तय कर दिया है कि 4 मई को परिणाम नहीं, परिवर्तन आएगा। टीएमसी हारेगी और भाजपा का भरोसा जीतेगा। महिला आरक्षण पर बोलते हुए मोदी ने कहा कि बंगाल की धरती मां दुर्गा को पूजती है, लेकिन टीएमसी ने महिला आरक्षण के खिलाफ वोटिंग की। यह महिलाओं का अपमान है। टीएमसी की सरकार में गुंडों और बलात्कारियों को खुला संरक्षण मिला हुआ है। बंगाल की बेटियां ये अत्याचार कभी नहीं भूल सकतीं। चुनाव प्रचार के दौरान झालमुड़ी खाने पर उन्होंने कहा- झालमुड़ी मैंने खाई है और झाल उन्हें लग रही है। मैं चुनाव आयोग का अभिवादन करता हूं कि वह बंगाल में शांतिपूर्वक चुनाव करवा पा रहे हैं। अब का मतदान सभी पुराने रिकॉर्ड तोड़ रहा है। मैं यहां परिवर्तन की आंधी देख रहा हूं।

88 यात्री मिले अनफिट, 86 खुद के रिस्क पर चले चारधाम

ऋषिकेश। चारधाम यात्रा के लिए ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन को ऋषिकेश पहुंचे 88 यात्री हेल्थ स्क्रीनिंग में अनफिट घोषित किए गए हैं। इसमें 86 यात्री लिखित में चिकित्सकों को पत्र देकर खुद के रिस्क पर यात्रा को रवाना हुए हैं, जबकि दो यात्रियों ने चिकित्सकों की सलाह को मानते हुए पूरी तरह से स्वस्थ होने के बाद यात्रा करने का फैसला लिया है। अस्पताल के नोडल अधिकारी विजय गौड़ ने बताया कि 1,050 यात्रियों की अभी तक स्वास्थ्य जांच की जा चुकी है।

2006 मालेगांव ब्लास्ट केस

बॉम्बे हाईकोर्ट ने चार आरोपियों को किया बरी, जांच एजेंसियों पर उठाए गंभीर सवाल

मुंबई (एजेंसी)। बॉम्बे हाई कोर्ट ने 2006 मालेगांव बम धमाका मामले में अहम फैसला सुनाते हुए चार आरोपियों को आरोपमुक्त कर दिया है। अदालत ने मामले की जांच पर गंभीर टिप्पणी करते हुए कहा कि यह केस अब डेड एंड यानी ऐसे मोड़ पर पहुंच चुका है, जहां से सच्चाई तक पहुंचना मुश्किल नजर आता है। कोर्ट ने यह भी कहा कि जांच एजेंसियों की परस्पर विरोधी कहानियों ने पूरे मामले को उलझा दिया है।

कोर्ट ने आरोपों को रद्द करते समय क्या कहा?- हाईकोर्ट ने राजेंद्र चौधरी, धन सिंह, मनोहर राम सिंह नरवरिया और लोकेश शर्मा को राहत देते हुए कहा कि उनके खिलाफ मुकदमा चलाने लायक पर्याप्त सबूत नहीं हैं। अदालत ने सितंबर 2025 में विशेष अदालत द्वारा तय किए गए आरोपों को रद्द कर दिया। कोर्ट ने कहा कि विशेष अदालत ने आरोप तय करते समय उपलब्ध साक्ष्यों और विरोधाभासों पर सही ढंग से विचार नहीं किया।

बंगाल में बंपर मतदान

नईदिल्ली (एजेंसी)। लोकतंत्र के महापर्व में गुरुवार 23 अप्रैल को पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में वोट डाले गए। पश्चिम बंगाल में पहले चरण के तहत 152

- दोपहर 5 बजे तक बंगाल में 90 प्रतिशत तो तमिलनाडु में 82 प्रतिशत मतदान

सीटों पर मतदान हुआ। सभी पोलिंग बूथों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। वहीं तमिलनाडु में सभी 234 सीटों पर एक ही चरण में वोट डाले जा रहे थे। दोनों राज्यों में प्रमुख राजनीतिक दलों के बीच कड़ी टक्कर है। प्रशासन ने शांतिपूर्ण और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने के लिए व्यापक तैयारियां की थी। गुरुवार को बंगाल में पहले चरण के तहत 16 जिलों की 152 सीटों पर वोट पड़े ।

देश के दो प्रमुख राज्यों में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान जारी था। दोपहर 5 बजे तक के आंकड़ों के अनुसार, पश्चिम बंगाल में पहले चरण के तहत 89.9 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया है, जो भारी उत्साह को दर्शाता है। वहीं, तमिलनाडु की सभी 234 सीटों पर एक साथ हो रहे चुनाव में अब तक 82.4 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया है। कड़ी सुरक्षा के बीच दोनों राज्यों में मतदाता लंबी कतारों में खड़े अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं।

बंगाल के कुमारगंज में भाजपा प्रत्याशी सुवेंदु सरकार को दौड़ाकर पीटा

कोलकाता/चेन्नई (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के दक्षिण मिदनापुर में कुमारगंज सीट से भाजपा कैंडिडेट सुवेंदु सरकार पर हमला हुआ है। वीडियो में दिख रहा है कि सुवेंदु हमले से बचने के लिए भाग रहे हैं। उनका सिक्योरिटी गार्ड उनके साथ है। इसके बावजूद भीड़ सुवेंदु को पीटती है। इधर, बर्नपुर के रहमतनगर इलाके में आसनसोल साउथ सीट से भाजपा उम्मीदवार अग्निमित्रा पॉल की कार पर भी हमला हुआ। इससे गाड़ी के पीछे का शीशा टूट गया। अग्निमित्रा ने बताया कि एक मतदान केंद्र से बाहर निकलते समय उनकी कार पर पत्थर फेंके गए। अग्निमित्रा ने हीरापुर पुलिस स्टेशन जाकर शिकायत दर्ज कराई है। बंगाल में कई अन्य जगहों पर भाजपा और टीएमसी कार्यकर्ताओं के बीच झड़प की खबरें आ रही हैं।

बदरीनाथ धाम के कपाट भी खुले

- जय बदरीविशाल; मंदिर के कपाट खुलते ही गूंजे जयकारे

देहरादून/ बदरीनाथ (एजेंसी)। बदरीनाथ धाम में गुरुवार सुबह मंदिर के कपाट खुलने के साथ ही भक्ति और उल्लास का अद्भुत नजारा देखने को मिला। बैसाख मास के शुभ अवसर पर पुनर्वसु नक्षत्र और सर्वार्थ सिद्ध योग में ठीक सुबह 6 बजकर 15 मिनट पर श्रद्धालुओं के लिए मंदिर के द्वार खोले गए। इस दौरान जय बदरीविशाल के जयकारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी इस पावन अवसर पर मौजूद थे। कपाट खुलने से पहले निर्धारित परंपराओं का पालन किया गया। तड़के चार बजे भगवान कुबेर जी का दक्षिण द्वार से प्रवेश हुआ, जिसके बाद मंदिर परिसर में धार्मिक गतिविधियां शुरू हुईं।

रावल, धर्माधिकारी और वेदपाठियों ने उद्धव जी के साथ मंदिर में प्रवेश कर विधिवत द्वार पूजन संपन्न कराया। इसके बाद तय समय पर कपाट खोल दिए गए और पूर्वाह्न 11 बजे से गर्भगृह में पूजा-अर्चना आरंभ हुई।

सबरीमाला केस, जस्टिस नागरत्ना बोलीं

वॉट्सएप यूनिवर्सिटी से जानकारी नहीं चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरलम के सबरीमाला मंदिर सहित धार्मिक स्थलों में महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव से जुड़ी याचिकाओं पर गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हो रही है। सुनवाई के दौरान जस्टिस बी.वी. नागरत्ना ने कहा कि वॉट्सएप यूनिवर्सिटी से मिली जानकारी को स्वीकार नहीं किया जा सकता। जस्टिस नागरत्ना ने यह टिप्पणी दाउदी बोहरा समुदाय की ओर से पेश हुए सीनियर एडवोकेट नीरज किशन कौल की दलील के जवाब में की थी। कौल ने कहा था कि ज्ञान और समझ, चाहे वह किसी भी सोर्स से मिली हो, उसे स्वीकार करने में कोई बुराई नहीं है। कौल एक अखबार में कांग्रेस सांसद डॉ. शशि थरूर के लिखे लेख का हवाला दे रहे थे।

सबरीमाला मामले पर 7 अप्रैल से शुरू हुई सुनवाई

सबरीमाला मंदिर मामले पर 7 अप्रैल से सुनवाई शुरू हुई है। पहले 3 दिन, 9 अप्रैल तक सुनवाई हुई। इस दौरान केंद्र सरकार ने महिलाओं की एंट्री के विरोध में दलीलें रखीं। सरकार ने कहा था कि देश के कई देवी मंदिरों में पुरुषों की एंट्री भी बैन है, इसलिए धार्मिक परंपराओं का सम्मान किया जाना चाहिए।

थरूर के आर्टिकल के जिक्र पर सीजेआई ने कहा- लेख पर्सनल ओपिनियन

मंदिर में एंट्री बैन संप्रदाय की अपनी प्रथाओं पर आधारित होती है

गुरु कृष्ण कुमार- जब कोई संप्रदाय अपने रीति-रिवाजों या सिद्धांतों के हिस्से के रूप में मंदिर में एंट्री बैन करने का दावा करता है, तो वे जाति पर आधारित नहीं होते। वे उस संप्रदाय की अपनी प्रथाओं पर आधारित होते हैं, और वे सभी व्यक्तियों पर समान रूप से लागू होते हैं। यह बात महत्वपूर्ण है। इसलिए, सही नजरिया यह नहीं है कि इन्हें प्रतिबंधों के रूप में देखा जाए, बल्कि इन्हें उस संप्रदाय के सिद्धांतों या मतों से उत्पन्न होने वाले निर्देशों के रूप में समझा जाए।

अनुच्छेद 26 में धर्म से जुड़े मामलों का मैनेजमेंट संभालने का अधिकार शामिल

एडवोकेट कुमार : अब, यदि कोई अनुच्छेद 26 को बारीकी से देखे, तो उसमें साफ-साफ इंफास्ट्रक्चर का एक अंतर दिखाई देता है। खंड (ए) और (बी) धार्मिक पहलुओं से जुड़े हैं। इनमें धार्मिक और धर्मार्थ उद्देश्यों के लिए संस्थाएं बनाना, उनका रखरखाव और धर्म से जुड़े मामलों में अपने कार्यों का मैनेजमेंट संभालने का अधिकार शामिल है। खंड (सी) और (डी) संपत्ति से जुड़े हैं। इनमें संपत्ति का स्वामित्व रखने और उसे अर्जित करने, कानून के अनुसार ऐसी संपत्ति का प्रशासन करने का अधिकार शामिल है।

बंगाल सरकार बोली- भाजपा कोर्ट कार्यवाही को सोशल मीडिया पर हथियार की तरह इस्तेमाल कर रही

सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को लगातार दूसरे दिन पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ ईडी की याचिका पर सुनवाई जारी है। ईडी की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलीलें पेश कीं। बंगाल सरकार की ओर से सीनियर एडवोक्ट मेनका गुरुस्वामी पेश हुईं। उन्होंने आरोप लगाया कि एक राजनीतिक पार्टी कोर्ट की कार्यवाही को सोशल मीडिया पर हथियार की तरह इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने कोर्ट से इस पर रोक लगाने की मांग की। बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने ईडी की रेड के बीच सीएम ममता बनर्जी के दखल को गलत बताया था।

मिर्जापुर में दर्दनाक हादसा

11 की मौत, बोलेरो में 9 जिंदा जले

- बेटे का मुंडन कराकर लौट रहा था परिवार, कोई नहीं बचा

मिर्जापुर (एजेंसी)। यूपी के मिर्जापुर में सड़क हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई। इसमें बोलेरो सवार 9 लोग जिंदा जल गए। हादसा रात 9.30 बजे मिर्जापुर-रीवा नेशनल हाईवे पर हुआ।

पुलिस के मुताबिक, एक तेज रफ्तार ट्रक अचानक ब्रेक फेल होने से बेकाबू हो गया। ट्रक ने आगे चल रही बोलेरो और स्विफ्ट कार को टक्कर मार दी। दोनों गाड़ियां आगे चल रहे एक ट्रॉले से जा टकरा गईं।

रफ्तार तेज होने की वजह से टक्कर के बाद बोलेरो उछलकर अलग हो गई। तेज धमाके के साथ उसमें आग लग गई। जबकि, स्विफ्ट कार ट्रक और ट्राले के बीच में फंस गई।

आग इतनी भीषण थी कि बोलेरो सवार 9 लोगों को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला। इसमें एक ही परिवार के 8 लोग और एक ड्राइवर था। करीब ढाई घंटे तक बोलेरो धू-धू कर जलती रही। मौके पर चीख पुकार मच गई। आसपास के लोग मदद के लिए आए, लेकिन आग तेज होने की वजह से कोई पास नहीं जा पाया।

अंत्येष्टि कर लौट रहा वाहन दुर्घटनाग्रस्त, आठ लोगों की मौत

नई टिहरी। हरिद्वार अंत्येष्टि से घनसाली लौट रहा वाहन चंबा–कोटीकॉलोनी मोटर मार्ग पर नैल के पास अनियंत्रित होकर करीब 300 मीटर गहरी खाई में गिर गया जिससे वाहन में सवार 10 में से आठ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। दो घायलों को जिला अस्पताल बौराड़ी में भर्ती कराया गया है। दुर्घटना का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। भिलंगना ब्लॉक में नैलचामी क्षेत्र के चकरेड़ा गांव से 10 लोग हरिद्वार अंत्येष्टि में गए थे। लौटते समय दोपहर करीब 2.15 बजे वाहन चंबा–कोटीकॉलोनी मोटर मार्ग पर नैल गांव के पास अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गया। घटना का पता चलते ही चंबा थाना पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस टीम ने खाई में उतर कर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। दो घायलों को खाई से निकालकर जिला अस्पताल बौराड़ी पहुंचाया गया जबकि वाहन सवार आठ अन्य लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी। वाहन दुर्घटना की सूचना मिलने पर डीएम नितिका खंडेलवाल, विधायक किशोर उपाध्याय, एसएसपी श्वेता चौबे और सीएमओ डॉ. श्याम विजय ने मौके पर पहुंचकर घायलों को जिला अस्पताल बौराड़ी पहुंचवाया। एसएसपी ने बताया कि दुर्घटना में घायल उत्तम कुमार (36) पुत्र पुस्सू मास्टर निवासी ग्राम लोस्तू बडियारगढ़ कीर्तिनगर टिहरी गढ़वाल और अंकित लाल (22) पुत्र आशा लाल निवासी ग्राम ठेला नैलचामी भिलंगना टिहरी को जिला अस्पताल बौराड़ी में भर्ती कराया गया है। जबकि मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजे गए हैं। सीएमएस डॉ. अमित राय ने कहा कि प्राथमिक उपचार के बाद अंकित को हायर सेंटर रेफर किया जा रहा है जबकि उत्तम की स्थिति खतरे से बाहर है।

- बिहार में सम्राट सरकार का फैसला

11 शहरों में जमीन खरीद-बिक्री पर रोक!

पटना (एजेंसी)। बिहार सरकार ने अपनी पहली ही कैबिनेट बैठक में बड़ा फैसला लिया है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में 22 प्रस्तावों को मंजूरी मिली। इनमें सबसे अहम फैसला जमीन खरीद-फरोख्त पर रोक से जुड़ा है। राज्य के 11 प्रमुख शहरों में यह प्रतिबंध लागू किया गया है। सरकार का मकसद अनियंत्रित विकास पर रोक लगाना है। साथ ही योजनाबद्ध शहरी विस्तार को बढ़ावा देना भी है।

इन शहरों में लागू हुआ प्रतिबंध- पटना, गया, मुंगेर, दरभंगा, सहरसा और पूर्णिया जैसे बड़े शहर शामिल हैं। इसके अलावा सोनपुर, मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी, भागलपुर और छपरा भी सूची में हैं। इन शहरों के आसपास के इलाकों में जमीन की खरीद-बिक्री पर रोक लगी है।

अलग-अलग शहरों के लिए अलग समय सीमा

मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी, भागलपुर और छपरा में रोक 30 जून 2027 तक रहेगी। वहीं पटना समेत अन्य शहरों में यह 31 मार्च 2027 तक लागू है।समय सीमा तय कर सरकार ने स्पष्ट रोडमैप दिया है। इससे प्रशासनिक प्रक्रिया में पारदर्शिता आने की उम्मीद है।

मास्टर प्लान बनने तक पूरी तरह रोक

नगर विकास विभाग के अनुसार मास्टर प्लान बनने तक प्रतिबंध रहेगा। इस दौरान किसी भी तरह का निर्माण कार्य भी नहीं होगा। लैंड यूज, कोर एरिया और इंफ्रास्ट्रक्चर का खाका तैयार किया जाएगा। योजनाबद्ध तरीके से विकास सुनिश्चित किया जाएगा।

सैटेलाइट सिटी प्लान से बदलेगा खेल

सरकार इन शहरों के आसपास सैटेलाइट टाउनशिप विकसित करेगी। इससे भीड़भाड़ वाले शहरों का दबाव कम किया जाएगा।नए शहरों में बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर और सुविधाएं दी जाएंगी। यह कदम शहरीकरण को व्यवस्थित बनाने की दिशा में अहम है।

अनियंत्रित होकर खाई में गिरा वाहन, तीन युवकों की मौत

रुद्रप्रयाग। रुद्रप्रयाग जिले के भीरी–ककोला मार्ग पर बुधवार रात एक वाहन अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरा। वाहन में तीन युवा सवार थे। सूचना मिलने पर पुलिस व एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंचे और तीनों को खाई से निकालकर अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना 22 अप्रैल बुधवार देर रात की है। कोतवाली ऊखीमठ प्रभारी निरीक्षक मनोज नेगी ने बताया कि मध्यरात्रि में सूचना मिली कि भीरी से औरिंग जा रहा वाहन भीरी–ककोला मार्ग पर अनियंत्रित होकर 250 मीटर नीचे गहरी खाई में जा गिरा। सूचना पर ऊखीमठ से व एसडीआरएफ पोस्ट अगस्त्यमुनि से उपनिरीक्षक धर्मेंद्र पंवार के नेतृत्व में टीमें तत्काल मौके पर पहुंची। गहरी खाई और रात का समय होने के बाद भी पुलिस व एसडीआरएफ के जवान खाई में उतरे और कड़ी मशक्कत के बाद तीनों को खाई से बाहर निकालकर जिला अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित किया। प्रभारी निरीक्षक मनोज नेगी ने बताया कि वाहन में सवार तीन लोगों नवीन सिंह पुत्र सुरेन्द्र सिंह (30) निवासी औरिंग, अंशुल (28) पुत्र धनपाल, निवासी सुरसाल और अमित सिंह (35) पुत्र आनंद सिंह निवासी सुरसाल की मौके पर मौत हो गई। तीनों शव पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिए गए हैं। वाहन अनियंत्रित होने के कारणों का पता नही चल पाया है।

परिवारों पर टूटा दुखों का पहाड़: तीनों युवकों की मौत से परिवारों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। सुरसाल निवासी अमित सिंह गांव में दुकान चलाते थे। वह अपने पीछे दो बेटियां और पत्नी को छोड़ गए हैं।

- राजस्थान-यूपी में सड़कों पर पानी छिड़का जा रहा; मप्र में भी पारा हाई,देश के 16 शहरों में पारा 43 डिग्री के पार

देश के आधे से ज्यादा राज्यों में हीटवेव जारी

नई दिल्ली/ भोपाल/ जयपुर/ लखनऊ (एजेंसी)। देश के आधे से ज्यादा राज्यों में हीटवेव जारी है। बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, ओडिशा, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के कई शहरों में पारा 40 डिग्री से 45 डिग्री के बीच बना हुआ है। महाराष्ट्र का वर्धा और ओडिशा का झारसुगुड़ा बुधवार को 44.6 डिग्री तापमान के साथ देश का सबसे गर्म शहर रहा। वहीं देश के 16 शहरों में पारा 43 डिग्री से ज्यादा रिकॉर्ड किया गया।

हीटवेव को देखते हुए ओडिशा सरकार ने दोपहर के समय जनगणना प्रक्रिया पर रोक लगा दी है। यानी फील्ड स्टाफ सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे के दौरान सड़कों पर नहीं भटकेंगे। राजस्थान और यूपी में ठंडक के लिए सड़कों पर पानी छिड़का जा रहा है। बीकानेर, ग्वालियर के जू में जानवरों को गर्मी से बचाने के लिए कूलर लगाए गए हैं। इधर, दिल्ली के स्कूलों में वॉटर बेल सिस्टम लागू किया जाएगा। हर 45 से 60 मिनट में घंटी बजाई जाएगी, ताकि छात्रों को पानी पीने की याद दिलाई जा सके और डिहाइड्रेशन से बचाया जा सके। मौसम विभाग ने प्रदेश में 24 अप्रैल से हीटवेव का अलर्ट जारी किया है। मध्य प्रदेश में गर्म हवाओं के थपेड़े जारी थे। खजुराहो सबसे गर्म था, पारा 43.4 डिग्री था, 19 जिलों में आज लू का अलर्ट जारी किया। वहीं बिहार-बक्सर में 44.4 डिग्री पहुंचा तापमान पहुँच गया, 10 जिलों में हीटवेव का अलर्ट जारी किया।

दीक्षांत समारोह समाज और राष्ट्र के प्रति एक बड़ी जिम्मेदारी की शुरुआत : उपराष्ट्रपति

उपराष्ट्रपति ने एम्स ऋषिकेश के छठे दीक्षांत समारोह को संबोधित किया

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : भारत के उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने गुरूवार को ऋषिकेश स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के छठे दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। ऋषिकेश को चिंतन और उपचार का वैश्विक केंद्र होने के साथ-साथ हिमालय का प्रवेश द्वार के रूप में आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व देते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि ऐसा वातावरण दीक्षांत समारोह की गंभीरता को और भी गहरा कर देता है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि दीक्षांत समारोह न केवल वर्षों के अनुशासित प्रयासों और त्याग की परिणति है, बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति एक बड़ी जिम्मेदारी की शुरुआत भी है। उन्होंने स्नातकों से समर्पण और उद्देश्य की भावना के साथ अपने पेशेवर कर्तव्यों को निभाने का आग्रह किया। स्वास्थ्य सेवा अवसंरचना के विस्तार पर प्रकाश डालते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि पिछले एक दशक में देश भर में स्थापित नए एम्स संस्थानों ने गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा और चिकित्सा शिक्षा तक पहुंच को मजबूत किया है। कहा कि सुशासन लोगों की जरूरतों को समझने और उनकी सेवा करने में निहित है।

एम्स ऋषिकेश की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि यह संस्थान नैदानिक देखभाल, शैक्षणिक क्षमता, अनुसंधान, नवाचार और सामाजिक प्रतिबद्धता के क्षेत्र में उत्कृष्टता का एक आदर्श प्रस्तुत कर रहा है। उन्होंने विशेष रूप से टेलीमेडिसिन पहलों की सराहना करते हुए कहा कि स्वास्थ्य सेवा को अस्पताल परिसरों से आगे बढ़कर दूरस्थ और कम सुविधा प्राप्त आबादी तक पहुंचना चाहिए। उपराष्ट्रपति ने हेली एम्बुलेंस सेवाओं और चार धाम यात्रा के दौरान तथा दूरस्थ क्षेत्रों में दवा वितरण के लिए ड्रोन के उपयोग जैसी नवोन्मेषी स्वास्थ्य सेवाओं की भी प्रशंसा की और इन्हें स्वास्थ्य सेवा वितरण में लंबे समय से चली आ रही चुनौतियों का प्रभावी समाधान बताया। उपराष्ट्रपति ने इस बात पर जोर दिया कि स्वास्थ्य सेवा एक सार्वजनिक जिम्मेदारी है और राष्ट्र निर्माण में चिकित्सा पेशेवरों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

उन्होंने डिग्री प्राप्त करने वाले डॉक्टरों से निवारक देखभाल, ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंच, अनुसंधान और नवाचार के माध्यम से योगदान देने और सहानुभूति, ईमानदारी और सेवा के मूल्यों का पालन करने का आग्रह किया।

इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री एवं सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत, सांसद नरेश बंसल, महेंद्र भट्ट, एम्स ऋषिकेश के अध्यक्ष प्रो. राज बहादुर, एम्स ऋषिकेश की कार्यकारी निदेशक प्रो. मीनू सिंह, डीन (अकादमिक) प्रो. सौरभ, संकाय सदस्यों, छात्रों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों सहित कई गणमान्य लोगों ने प्रतिभाग किया।

चिकित्सा क्षेत्र मानवता की सेवा का सर्वोच्च माध्यम : धामी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उपाधि प्राप्त करने वाले सभी छात्र-छात्राओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह अवसर विद्यार्थियों के जीवन में एक नए अध्याय की शुरुआत है और चिकित्सा क्षेत्र में उनका योगदान समाज एवं राष्ट्र निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण रहेगा। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित देश के उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन का देवभूमि उत्तराखंड की जनता की ओर से स्वागत एवं अभिनंदन किया। उन्होंने उपराष्ट्रपति के सादगीपूर्ण व्यक्तित्व, जनसेवा के प्रति समर्पण और प्रेरणादायी जीवन यात्रा की सराहना करते हुए कहा कि उनका मार्गदर्शन युवा चिकित्सकों के लिए प्रेरणास्रोत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि चिकित्सा क्षेत्र केवल एक पेशा नहीं, बल्कि मानवता की सेवा का सर्वोच्च माध्यम है, जिसे निष्ठा, संवेदनशीलता और करुणा के साथ निभाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा स्थापित एम्स ऋषिकेश आज प्रदेश के लिए एक महत्वपूर्ण जीवन रक्षक संस्थान के रूप में स्थापित हो चुका है। यहां कैंसर उपचार, न्यूरोसर्जरी, रोबोटिक सर्जरी और जॉइंट रिप्लेसमेंट जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। साथ ही, हेली एम्बुलेंस सेवा राज्य के दुर्गम क्षेत्रों में आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऊधमसिंह नगर में एम्स ऋषिकेश के सैटेलाइट सेंटर का निर्माण कार्य प्रगति पर है, जिससे कुमाऊं क्षेत्र की जनता को भी उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधाओं का लाभ मिलेगा।

डॉक्टरों के लिए आजीवन सीखते रहना आवश्यक

समारोह केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल ने उपाधि प्राप्त कर रहे डॉक्टरों को संबोधित करते हुए कहा कि चिकित्सा पेशा केवल करियर नहीं, बल्कि मानव सेवा का सर्वोच्च माध्यम है। उन्होंने मरीजों के विश्वास को बनाएं रखने और हर परिस्थिति में उनके हित को सर्वोपरि रखने का आह्वान किया, साथ ही नैतिकता और ईमानदारी को अपने कार्य का आधार बनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि चिकित्सा क्षेत्र में निरंतर हो रहे बदलावों के बीच डॉक्टरों के लिए आजीवन सीखते रहना आवश्यक है, ताकि बेहतर उपचार सुनिश्चित किया जा सके।

संक्षिप्त समाचार

नगर निगम के ठेका कर्मी ने पंखे से लटककर दी जान

हल्द्वानी। हल्द्वानी नगर निगम के ठेका कर्मी ने संदिग्ध परिस्थितियों में पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली। ऐसा करने के कारणों का पता नहीं लग सका है। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है।पुलिस के मुताबिक मुखानी निवासी 35 वर्षीय कुंदन चंद्र यहां परिवार के साथ रहते थे। कुछ समय पहले ही वह नगर निगम में बतौर ठेका कर्मी उनकी ड्राइवर की नौकरी लगी थी। परिजनों का कहना था कि बुधवार रात सभी ने साथ खाना खाया। इसके बाद पत्नी अपने बेटे संग कमरे में सोने चली गई। कुंदन दूसरे कमरे में सोने चला गया। गुरुवार सुबह काफी देर होने तक कुंदन बाहर नहीं आया तो पत्नी ने खिड़की से झांका। अंदर देखा तो कुंदन दुपट्टे की मदद से पंखे से लटका था। दरवाजा तोड़कर परिजन अंदर घुसे और उसे नीचे उतारा। पुलिस को घटना की सूचना दी। तत्काल कुंदन को डॉ.सुशीला तिवारी अस्पताल ले जाया गया। जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। सीओ अमित सैनी ने बताया कि मामले में पूछताछ की जा रही है। आत्महत्या क्यों की इसकी पुख्ता जानकारी नहीं मिल सकी है। बताया कि कुंदन बीमार होने की वजह से अक्सर परेशान भी रहता था।

राजीव गांधी आवासीय विद्यालय का भवन अधर में

उत्तरकाशी। राजीव गांधी आवासीय विद्यालय की दिवारीखोल भवन परियोजना का निर्माण अधर में लटक गया है। 38.08 करोड़ रुपये की यह महत्वाकांक्षी परियोजना तय समयसीमा के भीतर पूरी नहीं हो सकी है। अब तक इसका मात्र 15 फीसदी कार्य ही पूरा हो पाया है। राज्य सरकार ने वर्ष 2024 में दिवारीखोल में नए आवासीय एवं शिक्षण भवन के निर्माण को स्वीकृति दी। निर्माण कार्य 20 अगस्त 2024 को शुरू हुआ था। इसे 19 फरवरी 2026 तक पूरा किया जाना था। इसके लिए 10.55 करोड़ रुपये का अग्रिम बजट भी जारी किया गया था। हालांकि निर्धारित समय के बावजूद कार्य प्रगति बेहद धीमी रही। कार्यदायी संस्था सिंचाई विभाग अवसंरचना उत्तरकाशी की अधिशासी अभियंता मंजू डैनी ने देरी का कारण बताया। उन्होंने स्वीकृत प्राक्कलन में संशोधन को इसकी वजह बताया। बदलावों के चलते कार्य प्रभावित हुआ। अब निर्माण को तेज गति से आगे बढ़ाया जा रहा है।

विद्यालय की पृष्ठभूमि और वर्तमान चुनौतियां: राजीव गांधी आवासीय विद्यालय की स्थापना वर्ष 2003 में चिन्यालीसौड़ में हुई थी। यह विद्यालय कक्षा 6 से 12 तक के जरूरतमंद छात्रों के लिए है। वर्ष 2009 से यह राजकीय इंटर कॉलेज चिन्यालीसौड़ के अतिरिक्त कमरों में संचालित हो रहा है। भवन और शैक्षणिक सुविधाओं की कमी से छात्रों व शिक्षकों को असुविधा हो रही है। प्रधानाचार्य डॉ. विनोद सेमवाल ने भी आधारभूत ढांचे की कमी पर चिंता जताई है।

वन विभाग और ग्रामीणों के सहयोग से बंजर भूमि में उगा हरा-भरा जंगल

उत्तरकाशी। मताड़ी गांव में जिस सिविल भूमि पर ग्रामीणों ने पहले चरान चुगान के लिए वनीकरण का प्रस्ताव ठुकराया था वही भूमि आज गांव की पहचान बन गई है। यह प्रयास ग्रामीणों और वन विभाग के सहयोग का परिणाम है। मताड़ी तोक में 3.25 हेक्टेयर भूमि पर लगे बांज, देवदार, कचनार जैसे पौधों से भविष्य में काफी फायदा मिलेगा। वर्ष 2020 में वन प्रभाग ने मातला गांव की बंजर भूमि पर वनीकरण की योजना बनाई। ग्रामीणों ने इसे मवेशियों की चरान चुगान भूमि बताकर प्रस्ताव ठुकराया। वन विभाग ने ग्रामीणों को भविष्य के फायदे समझाकर मनाने में सफलता पाई। फिर मताड़ी तोक में ग्रामीणों की मांग पर फलदार और चारापत्ती के पौधे रोपे गए। वनीकरण भूमि को बंधान घोषित कर एक महिला को चौकीदारी दी गई। महज छह साल में मताड़ी तोक एक लहलहाता छोटा जंगल बन गया है। यह जंगल अब पक्षियों के लिए भी सुरक्षित प्रजनन स्थान बन रहा है। उप प्रभागीय वनाधिकारी साधु लाल पलियाल ने आज पृथ्वी दिवस पर क्षेत्र का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि जिस भूमि पर ग्रामीणों ने वनीकरण से मना किया था वह आज गांव की पर्यावरणीय पहचान है। यह सफलता विभाग और ग्रामीणों के आपसी सहयोग से ही संभव हो पाई है। भविष्य में भी गांव को इस वनीकरण से कई तरह के फायदे मिलेंगे।

मानदेय बढ़ाने के लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन

हल्द्वानी। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने मानदेय बढ़ाने और अन्य मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन शुरू किया है। गुरुवार को कालाढूंगी के दीन दयाल पार्क में बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी वर्कर धरने पर बैठीं। कहा कि उन्हें मात्र 9 हजार 3 सौ रुपया मानदेय दिया जाता है, जो बहुत कम है। उन्होंने वेतन 24 हजार रुपए करने की मांग की है। इस दौरान अध्यक्ष गीता मोमी, रमा पांडे, गंगा बिष्ट, शबनम परवीन, पुष्पा राठौर, द्रोपदी कुंवर, निर्मला कार्की, सना परवीन, किरन, गीता बोरा, तनुजा, गीता देवी, विमला जोशी शामिल रहे।

यमुनोत्री की बदहाली पर भड़के विधायक टी राजा सिंह

उत्तरकाशी। यमुनोत्री धाम की व्यवस्थाओं को लेकर अब दूसरे राज्यों के जनप्रतिनिधि भी सवाल उठाने लगे हैं। तेलंगाना के विधायक टी राजा सिंह ने चारधाम यात्रा के दौरान यमुनोत्री पहुंचकर जमीनी हकीकत देखी और विकास कार्यों की धीमी रफ्तार पर नाराजगी जताई है। करीब तीन साल बाद दोबारा धाम पहुंचे राजा सिंह ने कहा कि जिस स्तर के विकास की उम्मीद थी वह धरातल पर नजर नहीं आ रहा।

यात्रा व्यवस्था में लगे कर्मचारी, अधिकारी अतिथि देवो भव: की भावना से कार्य करें : महाराज

वैकुंठ धाम भगवान बद्री विशाल के कपाट खुलने पर दी शुभारंभ

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : प्रदेश के पर्यटन, धर्मस्व, संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने श्री गंगोत्री, श्री यमुनोत्री, श्री केदारनाथ धाम के पश्चात देवभूमि उत्तराखंड स्थित भू-बैकुंठ श्री बद्रीनाथ धाम के कपाट खुलने पर शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने चारधाम यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं से अनुरोध करते हुए कहा कि उत्तराखंड देवी-देवताओं की पवित्र भूमि है। इसलिए इस बात का प्राथमिकता से ध्यान रखें कि यात्रा के दौरान कहीं भी प्लास्टिक, कचरा और शोर-शराबा न हो। धामों को साफ-सुथरा रखना ही सबसे बड़ी पूजा है। जिस होम स्टे या होटल में आप रुकें, जिस ढाबे पर खाएं, जो पिट्ठू आपका सामान उठाए उनसे प्रेम से बात करें।

प्रदेश के पर्यटन, धर्मस्व, संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि 6 माह के शीतकाल के बाद श्री गंगोत्री, श्री यमुनोत्री, श्री केदारनाथ धाम के पश्चात देवभूमि उत्तराखंड स्थित भू-बैकुंठ श्री बद्रीनाथ धाम के कपाट गुरुवार को ब्रह्म मुहूर्त में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच खुलने के साथ ही विधिवत् रुप से चारधाम यात्रा शुरू हो गई है। श्री महाराज ने चारधाम यात्रा के दौरान सेवा कार्य में लगे अधिकारियों, कर्मचारियों से कहा है कि आप देवभूमि के प्रहरी हैं। इसलिए ह्लअतिथि देवो भवःह्व की भावना से कार्य करते हुए देवभूमि उत्तराखंड का नाम रोशन करें। उन्होंने पंडा-पुरोहित समाज को भक्त और भगवान के बीच सेतु बताते हुए कहा कि आपके मंत्रों से ही धाम की दिव्यता जीवित है। 6 महीने बाद भगवान अपने भक्तों से मिल रहे हैं आप उनका विशेष ध्यान रखें। दर्शन व्यवस्था ऐसी हो कि गरीब, बुजुर्ग, दिव्यांग सबको सुलभ दर्शन मिले। श्री महाराज ने होटल-रेस्टोरेंट व्यवसायियों और यात्रा रुट पर पड़ने वाले सभी दुकानदारों से आग्रह किया है कि वह अपनी वस्तुओं और सेवाओं का यात्रियों से वाजिब दाम लें। लोकल को बढ़ावा देते हुए मंडुए की रोटी, गहत की दाल, पहाड़ी राजमा आदि यात्रियों को परोसें। उन्होंने कहा कि टूर-ट्रैवल संचालक यात्रा के सूत्रधार हैं। यात्री आप पर भरोसा करके घर से निकलता है। इसलिए यात्री को सही जानकारी दें। रजिस्ट्रेशन, मौसम, मेडिकल की जरूरत पहले बता दें और अपने पैकेज में 1-2 दिन का अतिरिक्त समय अवश्य रखें। गाड़ी में क्षमता से ज्यादा सवारी न बैठाएं। उन्होंने कहा कि चारधाम यात्रा हम सबकी साझी जिम्मेदारी है। श्रद्धालु नियम मानें, कर्मचारी सेवा करें, व्यापारी ईमानदारी बरतें तभी चारधाम यात्रा सफल होगी।

मंत्री कैड़ा ने महिला विधेयक के मुद्दे पर कांग्रेस को घेरा

हल्द्वानी। कैबिनेट मंत्री राम सिंह कैड़ा ने गुरुवार को महिला विधेयक को लेकर हल्द्वानी में रामपुर रोड स्थित होटल में पत्रकारों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि पिछले 27 सालों में कांग्रेस ने हमेशा महिला विधेयक का विरोध किया है। इसके चलते इस बार भी संसद में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण देने का विधेयक पास नहीं हो सका।

उत्तराखंड में होने वाले आगामी विधान सभा चुनावों में मातृशक्ति, कांग्रेस को सबक सिखाएगी।कैबिनेट मंत्री कैड़ा ने प्रेसवार्ता के दौरान कहा कि कांग्रेस व विपक्षी नेताओं ने हमेशा महिलाओं के अधिकारों को छीनने का काम किया। बावजूद इसके केन्द्र और राज्य की भाजपा सरकारें हमेशा महिला सशक्तिकरण के लिए आगे रही हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं को अधिकार दिलाने के लिए उल्लेखनीय कार्य किए हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश में महिलाओं को विकास की मुख्यधारा में शामिल करने के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं। उन्होंने कहा कि हरिद्वार में कुंभ को लेकर पिछले दिनों उन्होंने तैयारी बैठक की। इस बार सरकार का प्रयास रहेगा कि वहां पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मुहैया हों। शहरी विकास मंत्री होने के नाते अपने संघर्षों के शहर हल्द्वानी के लिए कुछ किए जाने के बारे में पूछे जाने पर कैड़ा ने कहा कि वह इस शहर के ऋणी हैं। उनका प्रयास रहेगा कि हल्द्वानी के विकास के लिए विभाग के माध्यम से हर संभव योजनाओं पर काम करें।

हिमाचली गायक अज्जू तोमर के गीतों पर झूमे छात्र

उत्तरकाशी। पीजी कॉलेज में छात्रसंघ वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान लोकगायक राज टाइगर और हिमाचली गायक अज्जू तोमर के गानों पर छात्र-छात्राएं जमकर झूमें। वहीं, शैक्षणिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। बृहस्पतिवार को पीजी कॉलेज में आयोजित वार्षिकोत्सव और छात्रसंघ वार्षिक समारोह का शुभारंभ राज्य मंत्री गीता राम गौड़, गंगोत्री विधायक सुरेश चौहान, विश्वनाथ मंदिर के महंत अजय पुरी, पुरोला नगरपालिका अध्यक्ष बिहारी लाल शाह ने संयुक्त रूप से किया। उन्होंने छात्रों को अनुशासन, समय प्रबंधन और शिक्षा के साथ राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। इसके बाद महा विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने नृत्य, गायन, नाटक, मेहंदी और रंगोली प्रतियोगिता के साथ काव्य पाठ की प्रस्तुतियों से अपनी प्रतिभा का प्रभाव-शाली प्रदर्शन किया। वहीं, देर सांय को लोकगायक राज टाइगर और हिमाचली गायक अज्जू तोमर ने एक से बढ़कर एक गानों की प्रस्तुति देकर छात्राओं को मनोरंजन किया। प्राचार्य प्रो. पंकज पंत ने बताया कि महाविद्यालय में छात्रसंघ वार्षिकोत्सव कार्यक्रम दो दिवसीय है। इसमें छात्र-छात्राओं की ओर से विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ ही प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। इस मौके पर नगरपालिका सभासद अमरीकन पुरी, जिला कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष मनीष राणा, डॉ. बचन लाल, डॉ. विनीता कोहली, डॉ. महेंद्र पाल सिंह परमार, डॉ. विश्वनाथ राणा, डॉ. जयलक्ष्मी रावत, छात्रसंघ अध्यक्ष विनय मोहन चौहान, शुभम चमोली, आयुष बिष्ट आदि मौजूद रहे।

बिंदुखत्ता राजस्व ग्राम के लिए छह को होगी जनसभा

हल्द्वानी। वन अधिकार संगठन बिंदुखत्ता ने राजस्व ग्राम की मांग को लेकर 'जन-जन की सरकार कब आएगी बिंदुखत्ता के द्वार' शीर्षक से चरणबद्ध आंदोलन का ऐलान किया है। इसके तहत चार और पांच मई को शहीद स्मारक पर क्रमिक अनशन और छह मई को जनसभा आयोजित की जाएगी।गुरुवार को संगठन के पदाधिकारियों ने प्रेसवार्ता कर बताया कि बिंदुखत्ता के लोग पीढ़ियों से यहां निवास कर रहे हैं। इसके बावजूद आज तक उन्हें राजस्व ग्राम का दर्जा नही मिल पाया है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र के निवासी वन अधिकार अधिनियम 2006 के तहत पात्रता पूरी करते हैं, लेकिन मामला लंबे समय से शासन स्तर पर लंबित है। उन्होंने बताया कि आंदोलन के दौरान दौरान बिंदुखत्ता को राजस्व ग्राम घोषित करने की मांग को जोरदार तरीके से उठाया जाएगा। संगठन अध्यक्ष उमेश चंद्र भट्ट, उपाध्यक्ष बसंत पांडे, वन अधिकार समिति के अध्यक्ष अर्जुन नाथ गोस्वामी, भरत सिंह नेगी, सुशील यादव आदि मौजूद रहे।

धामी सरकार का सख्त संदेश: चारधाम यात्रा पर फेक न्यूज फैलाने वालों की खैर नहीं

चारधाम यात्रा से खिलवाड़ पर सख्त कार्रवाई, भ्रामक वीडियो पर मुकदमा दर्ज

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड की चार धाम यात्रा सुव्यवस्थित, सुरक्षित और सफलता पूर्वक संचालित हो रही है। राज्य सरकार द्वारा यात्री सुविधाओं, स्वास्थ्य सेवाओं, ट्रैफिक प्रबंधन, आपदा सुरक्षा एवं डिजिटल मॉनीटरिंग को सुदृढ़ करते हुए प्रत्येक श्रद्धालु को सुगम एवं व्यवस्थित दर्शन सुनिश्चित किए जा रहे हैं। राज्य सरकार ने स्पष्ट किया है कि चार धाम यात्रा से जुड़ी व्यवस्थाएं पूर्णतः सुचारू हैं और श्रद्धालुओं को व्यवस्थित रूप से दर्शन कराए जा रहे हैं। किसी भी प्रकार की भ्रामक सूचना, अफवाह या दुष्प्रचार को शून्य सहनशीलता के तहत लिया जाएगा। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स की निगरानी की जा रही है और दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर चार धाम यात्रा के संबंध में भ्रामक, अपुष्ट एवं तथ्यहीन वीडियो/सामग्री प्रसारित कर आम जनमानस को भ्रमित करने तथा राज्य की छवि धूमिल करने का प्रयास किया जा रहा है। जनपद रुद्रप्रयाग में सोशल मीडिया मॉनीटरिंग के दौरान एक ऐसा वीडियो संज्ञान में आया, जिसमें केदारनाथ धाम में श्रद्धालुओं को दर्शन से वंचित किए जाने संबंधी गलत जानकारी प्रसारित की जा रही थी। उक्त प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए थाना सोनप्रयाग में संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर विधिक कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। मामले की जांच प्रचलित है। साथ ही, ऐसे अन्य 4-5 संदिग्ध वीडियो भी चिन्हित किए गए हैं, जिनकी गहन जांच की जा रही है और उनके विरुद्ध भी नियमानुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्पष्ट संदेश दिया है कि उत्तराखंड की आस्था, श्रद्धा एवं चार धाम यात्रा की गरिमा के साथ खिलवाड़ करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। प्रदेशवासियों, श्रद्धालुओं एवं सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं से अपील की जाती है कि वे केवल आधिकारिक स्रोतों से प्राप्त जानकारी पर ही विश्वास करें तथा किसी भी अपुष्ट, भ्रामक या संदिग्ध सामग्री को साझा करने से बचें।

मदरसा निरीक्षण में बच्चों की शिक्षा और रहन-सहन पर लापरवाही का खुलासा

देहरादून। उत्तराखण्ड बाल अधिकार संरक्षण आयोग की माननीय अध्यक्ष डॉ. गीता खन्ना ने आज मदरसा बोर्ड के समाप्त होने के बाद नए शैक्षणिक सत्र के प्रारम्भ पर आजाद कॉलोनी स्थित एक मदरसे का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान आयोग के सचिव डॉ. शिव कुमार बरनवाल, डॉ. निशात इकबाल और बाल मनोवैज्ञानिक भी उपस्थित रहे।निरीक्षण में बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी कई गंभीर अनियमितताएँ सामने आईं। बच्चों के लिए अस्वच्छ बिस्तरों की व्यवस्था पाई गई, जिन पर उन्हें मजबूरन सोना पड़ता है। भीषण गर्मी के बावजूद बच्चों को रजाई का प्रयोग करना पड़ा। पढ़ाई का समय होने पर भी कई बच्चे कमरों में सोते हुए मिले।

शैक्षिक स्तर का आंकलन करने पर पाया गया कि बड़ी उम्र के छात्र छोटी कक्षाओं में पढ़ रहे हैं। भवन और आधारभूत संरचना भी संतोषजनक नहीं थी। कक्षाओं में पर्याप्त वेंटिलेशन का अभाव था और स्वच्छता की स्थिति भी चिंताजनक रही। मदरसे में केवल दो शिक्षक नियुक्त बताए गए, जिनमें से एक अनुपस्थित थे ।

ढकरानी जलविद्युत के लंबित कार्यों को तेजी से पूरा करने के निर्देश

विकासनगर। ऊर्जा उत्पादन को मजबूत करने की दिशा में यूजेवीएनएल ने ढकरानी जलविद्युत परियोजना के लंबित कार्यों को लेकर सख्त रुख अपनाया है। प्रबंध निदेशक अजय कुमार सिंह ने परियोजना के विद्युत गृह का निरीक्षण कर निर्देश दिए हैं कि सभी कार्य 20 मई तक पूर्ण किए जाएं।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने परियोजना में चल रहे आधुनिकीकरण, नवीनीकरण एवं उच्चीकरण कार्यों की समीक्षा की। इसके बाद आयोजित बैठक में अधिकारियों और कार्यदायी संस्था को स्पष्ट किया कि अब किसी भी प्रकार की ढिलाई या देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रबंध निदेशक ने कहा कि निगम के लिए समयबद्धता और गुणवत्ता सवोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए, ताकि परियोजना तय समयसीमा में पूरी हो सके और ऊर्जा उत्पादन पर कोई असर न पड़े। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ढकरानी विद्युत गृह में नव-निर्मित आधुनिक सभा कक्ष का भी अवलोकन किया। इस सभागार में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग, डिजिटल डिस्प्ले, हाई-क्वालिटी ऑडियो सिस्टम और स्मार्ट प्रेजेंटेशन जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

ट्रैफिक से राहत के लिए दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर से 12 किमी ग्रीनफील्ड बाईपास का निर्माण तेज

देहरादून। क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करने तथा देहरादून शहर में यातायात दबाव कम करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा उत्तराखंड में 12 किलोमीटर लंबा ग्रीनफील्ड चार-लेन एक्सेस-कंट्रोल्ड बाईपास का निर्माण किया जा रहा है। यह बाईपास दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर से जुड़ते हुए देहरादून के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में एक वैकल्पिक मार्ग के रूप में कार्य करेगा। यह परियोजना झाझरा से प्रारंभ होकर पांवटा साहिब-बल्लूपुर (एनएच-7) सेक्शन को जोड़ते हुए देहरादून में आशारोड़ी चेक पोस्ट के निकट दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर से जुड़ती है। लगभग 716 करोड़ रुपये की लागत से विकसित हो रही इस परियोजना का करीब 44 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है और इसके अप्रैल 2027 तक पूर्ण होने की संभावना है। यह एक्सेस-कंट्रोल्ड राष्ट्रीय राजमार्ग देहरादून शहर के भीतर प्रवेश किए बिना ट्रांजिट ट्रैफिक को डायवर्ट करेगा, जिससे शहर के अंदर यातायात दबाव और वाहन प्रदूषण में कमी आएगी। इसके साथ ही यह मार्ग सेलाकुई औद्योगिक क्षेत्र, विकासनगर, हर्बर्टपुर (उत्तराखंड) तथा पांवटा साहिब (हिमाचल प्रदेश) की ओर जाने वाले यातायात को सुगम बनाएगा। यह परियोजना हरियाणा, पंजाब और हिमाचल प्रदेश सहित उत्तरी राज्यों के साथ अंतर-राज्यीय कनेक्टिविटी को भी मजबूत करेगी।

परियोजना को दीर्घकालिक स्थिरता को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है। सड़क की डिजाइन गति 100 किमी/घंटा निर्धारित की गई है, जबकि वन क्षेत्रों में प्रभाव कम करने हेतु कुछ हिस्सों में गति 80 किमी/घंटा रखी गई है। पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए सड़क की चौड़ाई (राइट ऑफ़ वे) को 30 मीटर तक सीमित रखा गया है, जिससे वन क्षेत्र और पेड़ों का संरक्षण सुनिश्चित हो सके। वन क्षेत्रों से गुजरने के कारण परियोजना में वन्यजीव संरक्षण के विशेष प्रावधान किए गए हैं।

दस सूत्रीय मांगों को लेकर राज्य कर्मचारी अधिकारी महासंघ ने दिया धरना

हल्द्वानी। राज्य निगम कर्मचारी-अधिकारी महासंघ ने नियमितीकरण समेत दस सूत्रीय मांगों को लेकर चरणबद्ध आंदोलन के तहत गुरुवार को रोडवेज स्टेशन पर धरना दिया। वक्ताओं ने कहा कि सार्वजनिक निगमों, निकायों और उपक्रमों में कार्यरत दैनिक वेतन, संविदा, आउटसोर्स और विशेष श्रेणी के कर्मचारियों की समस्याएं लंबे समय से लंबित हैं। शासन स्तर पर कोई ठोस समाधान नहीं किया जा रहा है। मजबूरन वह आंदोलन करने को बाध्य हो गए हैं।रोडवेज परिसर में दिए धरने में प्रदेश महासचिव श्याम सिंह नेगी ने कहा कि हमने बार-बार शासन के द्वार खटखटाए।

एक नजर

पृथ्वी का संरक्षण हर नागरिक का कर्तव्य

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : थिंक टैंक फ्रैंड्स ऑफ हिमालय और भलु लगदू (फील गुड) संस्था की ओर से पृथ्वी दिवस मनाया गया। उत्तराखंड हिमालयी क्षेत्र में सतत कृषि, बागवानी और जल संरक्षण पर विशेष चर्चा की गई। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण, सतत कृषि और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने का संदेश दिया। कहा कि पृथ्वी का संरक्षण हर नागरिक का कर्तव्य है।

पोखड़ा ब्लॉक के रायसेरा स्थित उम्मीद समन्वित कृषि बागवानी केंद्र में आयोजित संवाद कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि इस वर्ष पृथ्वी दिवस की थीम हमारी शक्ति, हमारा ग्रह रही। आयोजकों ने कहा कि वर्ष 2025 में दोनों संस्थाओं ने स्कूली बच्चों और महिला मंगल दलों को पारंपरिक जल स्रोतों के पुनर्जीवन एवं वनाग्नि नियंत्रण से संबंधित गतिविधियों में शामिल किया था। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। कहा कि पृथ्वी को बचाने के लिए प्राकृतिक खेती अपनाना और पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन बनाना आवश्यक है। इस मौके पर डॉ. प्रेम बहुखंडी, भलु लगदू संस्था के संस्थापक सुधीर सुंद्रियाल, ब्लॉक प्रमुख संजय गुसाईं, जिला पंचायत सदस्य पूनम कैंत्यूरा, पूर्व ग्राम प्रधान महिपाल सिंह नेगी आदि मौजूद रहे।

थराली के मुख्य बाजार में तीन बार लगा जाम, एसडीएम भी फंसे

चमोली। बृहस्पतिवार को थराली मुख्य बाजार में खनन सामग्री ले जा रहे डंपरों और शादियों के सीजन के कारण यहां तीन बार जाम लगा। जाम में उपजिलाधिकारी पंकज भट्ट भी फंस गए। बृहस्पतिवार को थराली–ग्वालदम तिराहे से सहकारी समिति थराली तक आधे घंटे तक जाम लगा रहा। एक जाम खुला ही था कि बीस मिनट बाद फिर से जाम लग गया। शादी के सीजन के कारण वाहनों की आवाजाही अधिक होने के कारण दिक्कतें बढ़ गईं। वहीं दोपहर में थराली पुल पर एक बस व डंपर आमने–सामने आने से सड़क बंद हो गई। इस दौरान एसडीएम का वाहन भी फंस गया। यहां आधा घंटे तक जाम लगा रहा। खनन पट्टे खुलने के बाद से थराली में जाम की समस्या रोजमर्रा हो गई है। बाद में उपजिलाधिकारी ने अधिकारियों और डंपर–ट्रक मालिकों के साथ बैठक कर खनन वाहनों की आवाजाही का समय तय करने की योजना बनाने के निर्देश दिए।

विद्यालयों में शुल्क का विवरण सार्वजनिक करें

चमोली। मुख्य शिक्षा अधिकारी आकाश सारस्वत ने गोपेश्वर में संचालित दो निजी विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने नर्सरी से कक्षा 12वीं तक लिया जाने वाला शुल्क अभिभावकों के साथ सार्वजनिक करने और एक प्रति विद्यालय के सूचना पट व गेट पर चस्पा करने के निर्देश दिए।सीईओ ने पीस पब्लिक स्कूल और सुबोध प्रेम विद्या मंदिर का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने शुल्क में पादर्शिता, शुल्क संरचना, शुल्क वृद्धि पर नियंत्रण, अभिभावकों से संवाद, अतिरिक्त या छिपाकर लिए जाने वाले शुल्क पर प्रतिबंध, अभिभावकों की शिकायतों का निराकरण आदि के निर्देश दिए। शुल्क की जानकारी वेबसाइट पर अपलोड करें। उन्होंने कहा कि पुनः प्रवेश और शुल्क वृद्धि प्रतिबंधित है। छात्रों का शुल्क व कर्मचारियों का वेतन बैंक के माध्यम से लिया व दिया जाए। उन्होंने सुरक्षा के लिहाज से महत्वपूर्ण जगहों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने, किताबों के लिए निश्चित दुकानदार की बाध्यता न रखने, सुझाव व शिकायत पेटिका का हर सप्ताह अवलोकन करने के निर्देश दिए। इस दौरान खंड शिक्षा अधिकारी पंकज उप्रेमी भी मौजूद रहे।

बुकिंग के बाद भी नहीं आ रहा डीएसी नंबर

चमोली। घरेलू गैस उपभोक्ताओं को डीएसी नंबर जारी नहीं होने से उन्हें गैस के सिलिंडर नहीं मिल पा रहे हैं। इससे उपभोक्ता परेशान हैं। किमोठा के ग्राम प्रधान हरिकृष्ण किमोठी ने जिलाधिकारी से इस व्यवस्था को सुधारने की मांग की। गैस एजेंसियां बुकिंग के बाद डीएसी नंबर जारी होने पर ही सिलिंडर दे रही हैं लेकिन एजेंसी की ओर से बुकिंग के कई दिनों बाद तक डीएसी नंबर जारी नहीं किया जा रहा है। उपभोक्ता वाहन बुक कराकर सिलिंडर भरवाने के लिए पोखरी आ रहे हैं लेकिन डीएसी नंबर नहीं होने पर उन्हें बैरंग लौटना पड़ रहा है।

आईटीबीपी ने बदरीनाथ में चलाया सफाई अभियान

चमोली। बदरीनाथ धाम के कपाट खुलने के अवसर पर स्कीइंग एवं पर्वतारोहण संस्थान आईटीबीपी औली की ओर से धाम में स्वच्छता अभियान चलाया गया। वहीं नगर पालिका ज्योतिर्मठ ने विष्णुप्रयाग में सफाई अभियान चलाया। आईटीबीपी के एसी नरेंद्र रावत ने बताया कि 30 जवानों ने तत्पकुंड से ब्रह्मकपाल तक अलकनंदा नदी किनारे सफाई की। आईजी अखिलेश रावत के निर्देश पर चले इस अभियान के तहत जवानों ने डेढ़ क्विंटल कूड़ा एकत्रित कर नगर पंचायत को सौंपा।

नगर पालिका ने बांटे जूट के बैगः ज्योतिर्मठ। नगर पालिका ज्योतिर्मठ की ओर से विष्णुप्रयाग में बदरीनाथ धाम आने वाले श्रद्धालुओं को जूट के बैग वितरित किए गए। नगर पालिका अध्यक्ष देवेश्वरी शाह के नेतृत्व में पालिका के कर्मचारियों ने श्रद्धालुओं से किसी भी तरह के प्लास्टिक बैग का उपयोग न करने की अपील की। उन्होंने कहा कि धाम की स्वच्छता, सुंदरता व पवित्रता की गरिमा बनाए रखने के लिए पर्यावरण अनुकूल विकल्प अपनाएं।

एसडीआरएफ ने दो बीमार यात्रियों को पहुंचाया अस्पताल

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ धाम में तैनात एसडीआरएफ ने तत्परता दिखाते हुए दो बीमार यात्रियों को समय पर उपचार उपलब्ध कराया। बृहस्पतिवार को सेक्टर मजिस्ट्रेट से सूचना मिली कि विवेकानंद अस्पताल में भर्ती एक यात्री की हालत गंभीर है और उसे तत्काल हेली सेवा से हायर सेंटर ले जाना है। उप निरीक्षक राजबर राणा के नेतृत्व में टीम मौके पर पहुंची। गुजरात निवासी 55 वर्षीय धनजी भाई (55) को सांस लेने में दिक्कत हो रही थी। उन्हें हेलिपैड तक पहुंचाया गया और वहां से उन्हें एयरलिफ्ट कर हायर सेंटर ले जाया गया। वहीं दूसरी घटना में पुलिस चौकी केदारनाथ से सूचना मिली कि आगरा भवन में ठहरी एक महिला यात्री की तबीयत अचानक बिगड़ गई। इस पर मुख्य आरक्षी जितेंद्र नेगी के नेतृत्व में एसडीआरएफ टीम मौके पर पहुंची।

सीओ ने किया कोतवाली लैंसडौन का अर्द्धवार्षिक निरीक्षण

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : सीओ कोटद्वार निहारिका सेमवाल ने गुरूवार को लैंसडौन कोतवाली का अर्द्धवार्षिक निरीक्षण किया। उन्होंने मालखाना के अलावा शस्त्रों की जांच की है। कोतवाल को शस्त्रों की बराबर साफ-सफाई के निर्देश दिए। उन्होंने प्रभारी कोतवाली लैंसडौन सहित सभी कर्मिकों को अनुशासन/टर्नआउट उच्च कोटि का बनाऐ रखने, बैरिकों व आवासीय परिसर को साफ-सुथरा रखने, सरकारी सम्पत्ति का रख-रखाव करने तथा अभिलेखों को अध्यावधिक करने व उच्चाधिकारियों से निर्गत दिशा निर्देशो का शत प्रतिशत पालन करने हेतु निर्देशित किया। गुरूवार को सीओ कोटद्वार निहारिका सेमवाल लैंसडौन कोतवाली पहुंची। उन्होंने थाना कार्यालय, भोजनालय, कर्मचारी बैरक तथा थाना परिसर का निरीक्षण किया। इस

सीओ कोटद्वार निहारिका सेमवाल निरीक्षण के दौरान कोतवाल को निर्देश देते हुए।

दौरान थाने को आवंटित सरकारी सम्पत्ति व मालखाने का निरीक्षण करते हुये मालखाने में रखे लम्बित मालों तथा थाना परिसर में खड़े वाहनों का निस्तारण किये जाने हेतु निर्देशित किया। सीओ ने थाना कार्यालय में संचालित सीसीटीएनएस पोर्टल एवं अन्य ऑनलाइन पोर्टलों एवं थाना अभिलेखों का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। साथ ही थाने को आवंटित शस्त्रों का निरीक्षण कर शस्त्रों की नियमित साफ-सफाई करने को कहा।

अंग्रेजी भाषा ज्ञान प्रतियोगिता में अयान सैफी, खुशी ने मारी बाजी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : शांति बल्लभ मेमोरियल इंटर कॉलेज मानपुर में गुरूवार को अंतर्राष्ट्रीय अंग्रेजी भाषा दिवस मनाया गया। इस मौके पर अंतर विद्यालयी अंग्रेजी भाषा ज्ञान प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता के उच्च प्राथमिक वर्ग में अयान सैफी, आशीष, अलीना, वरिष्ठ वर्ग में खुशी, जिया भट्ट, अमन ध्यानी क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान पर रहे।

इस अवसर पर प्रधानाचार्य ने कहा कि हर साल 23 अप्रैल को अंतर्राष्ट्रीय अंग्रेजी भाषा दिवस मनाया जाता है, जो अंग्रेजी के विकास, इतिहास और वैश्विक प्रभाव को सम्मानित करता है। यह दिन संयुक्त राष्ट्र द्वारा मनाया जाता है, जो प्रसिद्ध साहित्यकार विलियम शेक्सपियर की जन्म और पुण्यतिथि का प्रतीक है। इसका उद्देश्य बहुभाषावाद, सांस्कृतिक विविधता को बढ़ावा देना और अंग्रेजी को एक अंतरराष्ट्रीय संवाद सूत्र के रूप में प्रोत्साहित करना है। इस अवसर पर अंतर विद्यालयी अंग्रेजी भाषा ज्ञान प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें अंग्रेजी भाषा का इतिहास, अंग्रेजी भाष और व्याकरण से संबंधित 50 प्रश्न हल करने थे। प्रतियोगिता के उच्च प्राथमिक और वरिष्ठ वर्ग में 175 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका अंजलि केष्टवाल, पुष्पाजुयाल और नीतू बिष्ट ने निभाई। इस अवसर पर मधुमिता जखमोला, चंद्रशेखर, कमलेश रावत, विष्णु प्रताप, सुहानी रतूड़ी, पृथ्वी पाल सिंह, सोनू रावत, पूजा, स्नेहा रावत, प्रियंका चतुर्वेदी, पूजा रावत उपस्थित थे।

सीएमओ ने किये 32 अल्ट्रासाउंड

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : मरीजों को असुविधा न हो इसके लिए मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. शिवमोहन शुक्ला ने स्वयं अल्ट्रासाउंड जांच की जिम्मेदारी संभाली है। गुरूवार को मुख्य चिकित्साधिकारी पौड़ी डॉ. शिव मोहन शुक्ला ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पाबों में कुल 32 अल्ट्रासाउंड किए गए। जिसमें 25 गर्भवती महिलाएं भी शामिल रही।

संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने के लिए मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा सीएचसी में मौजूद गर्भवती महिलाओं को संस्थागत प्रसव करने की सलाह देने के साथ ही मातृत्व सुरक्षा हेतु चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। इसके साथ ही मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा सभी एएनएम व आशा कार्यकत्रियों को गर्भवती महिलाओं से संपर्क कर नियमित ट्रैकिंग करने हेतु व प्रसव के दौरान उन्हें समय पर प्रसव केंद्र तक पहुंचाने हेतु निर्देशित किया गया। इस दौरान प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. पंकज सिंह, एएनएम मंजू नेगी, ब्लॉक कार्यक्रम प्रबंधक अरूण पोखरियाल सहित अन्य कर्मी उपस्थित रहे।

वाचनालय की व्यवस्था करवाने की मांग

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : स्व. सरोजनी देवी लोक विकास समिति ने नगर आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर गौरी पुस्तकालय का सही रख-रखाव और वाचनालय की व्यवस्था करवाने की मांग की है। समिति के अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह नेगी ने नगर आयुक्त को सौंपे ज्ञापन में कहा कि पूर्व में नगर पालिका भवन में गौरी पुस्तकालय की स्थापना की गयी थी, जिसमें वाचनालय की भी व्यवस्था थी। जहां पर पाठक एवं छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में आकर पुस्तकों एवं समाचार पत्रों का अध्ययन करते थे, लेकिन वर्तमान में वाचनालय के अभाव में पुस्तकालय महत्वहीन हो गया है। उन्होंने कहा कि मोबाइल के बढ़ते आकर्षण के इस दौर में पुस्तकों के प्रति रूचि पैदान करने के लिए पुस्तकालयों की प्रासंगिकता और भी बढ़ गई है।

तीन ग्राम स्मैक के साथ युवक गिरफ्तार

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जनपद पौड़ी गढ़वाल में अवैध नशे का कारोबार थमने का नाम नहीं ले रहा है। हालांकि पुलिस नशा तस्करों को गिरफ्तार कर जेल भेज रही है। गुरूवार को श्रीनगर पुलिस ने तीन ग्राम स्मैक के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। स्मैक की कीमत 90 हजार रूपये बताई जा रही है।

गुरूवार को क्षेत्राधिकारी श्रीनगर अनुज कुमार के पर्यवेक्षण एवं प्रभारी निरीक्षक श्रीनगर कुलदीप सिंह के नेतृत्व में पुलिस व सीआईयू टीम श्रीनगर के द्वारा संयुक्त चैकिग अभियान चलाया जा रहा था। इस दौरान कलियासौड़ क्षेत्र में संदिग्ध वाहन एवं व्यक्तियों की चोकिंग के दौरान पुलिस टीम ने सतर्क निगरानी एवं प्रभावी कार्यवाही करते हुए शितेज कुमार उर्फ लक्की निवासी श्रीनगर, मूल पता हाफसाबाद, बिहारीपूर, बिजनौर उत्तर प्रदेश को तीन ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया। पूछताछ में अभियुक्त द्वारा बताया गया कि वह स्मैक सेवन का आदी है, बरामद स्मैक सौरभ कुमार निवासी श्रीनगर से खरीदी गई थी। इस संबंध में गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध कोतवाली श्रीनगर में एनडीपीएस एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया है। अभियुक्त के आपराधिक इतिहास की जानकारी जुटाई जा रही है। गिरफ्तारशुदा अभियुक्त को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश कर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। पुलिस टीम द्वारा बरामद स्मैक की खरीद-फरोख्त में संलिप्त अन्य व्यक्तियों के संबंध में भी गहन जानकारी संकलित कर प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जा रही है। पुलिस टीम में उपनिरीक्षक विजय शैलानी, मुख्य आरक्षी प्रेम सिंह रावत, मनोज बमसुवाल, आरक्षी सोयब अहमद, हरीश कुमार आदि शामिल थे।

पेशावर कांड के नायक वीर चंद्र सिंह गढ़वाली को किया याद

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पेशावर कांड की स्मृति में तहसील प्रांगण में स्थित वीर चंद्र सिंह गढ़वाली की प्रतिमा का माल्यार्पण कर उनके अद्वितीय साहस, राष्ट्रभक्ति एवं कर्तव्यनिष्ठा को याद किया। इस दौरान गढ़वाली के योगदान को याद किया और उन्हें श्रद्धांजलि दी। पेशावर कांड 23 अप्रैल 1930 को घटित हुआ था।

इसी दिन वीर चंद्र सिंह गढ़वाली ने पेशावर में अपनी मांगों के लिए प्रदर्शन करने वाले निहत्थे पठानों पर गोली चलाने से इनकार कर दिया था। इतना ही नहीं वीर चंद्र सिंह गढ़वाली ने साम्राज्यवादी अंग्रेजों की जड़ें तक हिलाकर रख दी थीं। गुरूवार को आयोजित कार्यक्रम में पूर्व मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी ने कहा कि वीर चंद्र सिंह गढ़वाली केवल एक सैनिक नहीं बल्कि सच्चे अर्थों में राष्ट्रधर्म का पालन करने वाले महान व्यक्तित्व थे। पूर्व मेयर हेमलता नेगी ने कहा कि वीर चंद्र सिंह गढ़वाली का साहस, त्याग और कर्तव्यनिष्ठा आने वाली पीढ़ियों की मार्गदर्शक है।

पूर्व ब्लॉक प्रमुख गीता नेगी ने कहा कि पेशावर कांड भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की एक ऐतिहासिक घटना है, जिसमें वीर चंद्र सिंह गढ़वाली ने अपने अद्वितीय साहस से इतिहास रचा। महानगर अध्यक्ष मीना बछवाण ने कहा कि गढ़वाली का जीवन संघर्ष, साहस और राष्ट्रप्रेम का प्रतीक है। इस मौके पर संजय मित्तल, सुधा असवाल, धीरेंद्र सिंह बिष्ट, शहनाज शम्सी, देवेंद्र सिंह नेगी, सुदर्शन भंडारी, महावीर सिंह रावत मौजूद रहे।

तीन दिवसीय रोबर्स रेंजर प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार में चल रहे तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आज समापन हुआ।

समापन समारोह के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर डीएस नेगी, प्रोफेसर रमेश सिंह चौहान , प्रोफेसर प्रवीन जोशी रहे । प्रशिक्षण के अंतिम दिन के प्रथम सत्र में महाविद्यालय की रेंजर्स प्रभारी डॉ सुषमा भट्ट थलेड़ी ने प्रतिभाग कर रहे। रोबर्स रेंजर को अनुशासन के साथ प्रशिक्षण लेने तथा कार्यक्रम की समस्त जानकारी से अवगत कराया । तद पश्चात प्रशिक्षक शांति रतूड़ी ने रोबर्स रेंजर को तम्बू निर्माण मंकी ब्रिज गैजेट बनाने की जानकारी दी प्रशिक्षक रूप चंद्र लखेड़ा ने मचान बनाने की जानकारी के साथ ही उन्हें बेडेन पावेल के जीवन चरित्र पर प्रकाश

डाला तथा दोनों प्रशिक्षकों शांति रतूड़ी रूप चंद्र लखेड़ा ने कैम्प से जुड़े अपने अनुभव रोबर्स रेंजर्स के साथ साझा किये । आधारभूत सिद्धांतो से अवगत कराया प्रतिभागियो को रोबर्स रेंजर्स को दीक्षा दी गयी रोबर्स प्रभारी डॉ जूनीश कुमार ने रोबर्स रेंजर्स को शुभकामनायें प्रेसित की जिला आयुक्त रोबर्स रेंजर शांति रतूड़ी ने प्रतिभागियों को बिगनर्स कोर्स तक ही सीमित न रहकर निपुण राष्ट्रपति पुरस्कार तक प्रतिभाग करने को गंभीरता से प्रयास करने की सलाह दी कार्यक्रम में प्राचार्य प्रोफेसर डीएस नेगी प्रोफेसर रमेश सिंह चौहान प्रोफेसर आशा देवी , डॉ सुषमा भट्ट थलेड़ी,डॉ सुरेश आर्य, डॉ नीता भट्ट ,डॉ सुरभि मिश्रा, डॉ जेसी भट्ट, डॉ रंजना सिंह, डॉ प्रियंका अग्रवाल, डॉ ऋचा जैन, डॉ रोशनी असवाल, डॉ नवरत्न सिंह, डॉ संदीप कुमार, डॉ हिमांशु, अरविन्द दुदपुड़ी,राकेश कुमार आदि शामिल थे।कार्यक्रम का संचालन आशीष काला ऐश्वर्या जदली ने सयुंक्त रूप से किया।

युवा वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली के आदर्शों को जीवन में आत्मसात करें : डॉ. रावत

पीठसैण में हुआ पेशावर कांड की स्मृति में 'क्रांति दिवस मेले' का प्रेरणादायक आयोजन

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : थलीसैण क्षेत्र के पीठसैण में गुरूवार को पेशावर कांड की स्मृति में 'क्रांति दिवस मेले' का भव्य एवं प्रेरणादायक आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली जन विकास समिति, पीठसैण द्वारा किया गया, जिसमें क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, युवाओं एवं स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक बड़ी संख्या में सहभागिता की। इस मौके पर मुख्य अतिथि काबीना मंत्री डॉ. धन सिंह

रावत ने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि वे वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करें तथा सत्य, न्याय और राष्ट्रहित के लिए सदैव तत्पर रहें। उन्होंने कहा कि युवा देश का भविष्य हैं और उनकी सकारात्मक ऊर्जा राष्ट्र को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकती है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश के सहकारिता मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने महान स्वतंत्रता सेनानी वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके अद्वितीय साहस, त्याग एवं मानवता के प्रति समर्पण को नमन किया। अपने संबोधन में डॉ. रावत ने कहा कि पेशावर कांड दिवस केवल एक ऐतिहासिक घटना नहीं, बल्कि हमारे गौरवशाली इतिहास, संस्कार, साहस और मानवीय मूल्यों की जीवंत मिसाल है। उन्होंने कहा कि 23 अप्रैल 1930 को वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली द्वारा लिया गया ह्लगढ़वाली, सीज फायरह्व का निर्णय विश्व इतिहास में अद्वितीय उदाहरण है, जिसने यह सिद्ध किया कि सच्चा वीर वही होता है जो अन्याय के विरुद्ध खड़ा होकर मानवता का साथ देता है। डॉ. रावत ने कहा कि राज्य सरकार सहकारिता के माध्यम से गांव-गांव तक विकास की योजनाएं पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार की प्राथमिकता अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक लाभ पहुंचाना है, जिससे समावेशी विकास को बढ़ावा मिले और ग्रामीण अर्थव्यवस्था सुदृढ़ हो। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष कमल रावत, ब्लॉक प्रमुख श्रीमती सुनीता रावत, जिला पंचायत सदस्य अंजलि जोशी सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

गढ़वाल विवि में मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा केंद्र होगा स्थापित

जयन्त प्रतिनिधि।

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय ने विश्वविद्यालय में मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा केन्द्र स्थापित करने की अधिसूचना जारी की है। विश्वविद्यालय की 24वी विद्यापरिषद् की बैठक में मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा केन्द्र के स्थापना की अनुशंसा की गयी थी। इसी क्रम में कार्यपरिषद् की 32वी बैठक में इसका अनुमोदन कर दिया गया है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. वाई.पी. रैवानी ने गुरूवार को इसकी अधिसूचना करते हुए बताया कि उक्त केन्द्र विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (मुक्त एवं दूरस्थ ज्ञान अर्जन कार्यक्रम और ऑनलाइन कार्यक्रम) विनियम 2020 के प्राविधानों के अनुरूप स्थापित किया गया है तथा इन विनियमों में निर्दिष्ट दिशा-निर्देशों और मानकों के अनुरूप कार्य करेगा।

श्री बद्रीनाथ धाम में आने वाले श्रद्धालुओं को नहीं होगी कोई असुविधा : डीएम

डीएम ने लिया बद्रीनाथ यात्रा व्यवस्थाओं का जायजा, श्रद्धालुओं से लिया फीडबैक

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : भगवान श्री बद्रीनाथ के कपाट विधिविधान और वैदिक मन्त्रोंचार के साथ गुरुवार को प्रातः 6 बजकर 15 मिनट पर ग्रीष्मकाल के लिए श्रद्धांलुओं के दर्शनार्थ हेतु खोल दिए गए। इस दौरान हजारों श्रद्धांलुओं ने भगवान बद्री विशाल और अखंड ज्योति के दर्शन किये। डीएम चमोली गौरव कुमार ने कहा कि प्रशासन मुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम में यात्रा को सुखद सुरक्षित और सुविधाजनक बनाने के लिए निरंतर कार्यरत है। उन्होंने आश्वासन दिया कि धाम में देश विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को

किसी भी प्रकार के कोई असुविधा नहीं होगी।

इस दौरान जिलाधिकारी चमोली गौरव कुमार ने भी भगवान बद्री विशाल की पूजा-अर्चना की तथा जनपदवासियों की सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। उनके साथ जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग/बीकेटीसी के मुख्य कार्याधिकारी विशाल मिश्रा एवं पुलिस अधीक्षक चमोली सुरजीत सिंह पंवार भी भगवान बद्री विशाल के दर्शन कर श्रद्धालुओं के सुखद और सुरक्षित यात्रा की कामना की। इस दौरान धाम में आयोजित विशाल भंडारे में जिलाधिकारी गौरव कुमार सहित सभी अधिकारियों ने प्रसाद ग्रहण किया तथा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने भंडारा संचालित कर रही मानव सेवा ईश्वर सेवा उत्थान समिति के सेवा भाव और उत्कृष्ट आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन तीर्थयात्रियों के लिए बड़ी राहत और प्रेरणा का कार्य करते हैं।

श्रीदेव सुमन विवि की 11 मई से शुरू होगी सम सेमेस्टर की परीक्षा

नई टिहरी। श्रीदेव सुमन विवि ने प्रयोगात्मक और परीक्षा से वंचित छात्र–छात्राओं को परीक्षा में शामिल होने का एक बार अंतिम अवसर देने का निर्णय लिया है। विवि की सम सेमेस्टर की परीक्षा 11 मई से 5 जून तक आयोजित की जाएगी। मूल्यांकन का कार्य जून तक पूरा किया जाएगा। प्रवेश के दौरान समर्थ पोर्टल में नामांकन के लिए एक निश्चित तिथि तय करने का निर्णय लिया है। बादशाहीथौल में विवि के कुलपति प्रो. एनके जोशी की अध्यक्षता में हुई 11वीं परीक्षा समिति की बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक में प्री पीएचडी परीक्षा के मूल्यांकन के लिए विषय विशेषज्ञ का न्यूनतम मानदेय पांच सौ रुपये तय किया गया। छात्र–छात्राओं की मांग पर उत्तर पुस्तिकाओं का पुनर्मूल्यांकन शुल्क जमा करने पर परीक्षा समिति ने सहमति जताई है। किसी कारण वश प्रयोगात्मक परीक्षा और शामिल न होने वाले छात्रों को विवि ने राहत देते हुए उन्हें एक बार परीक्षा में शामिल होने का अंतिम अवसर देने का निर्णय लिया है। कुलपति प्रो.जोशी ने कहा कि प्रवेश के दौरान समर्थ पोर्टल पर नामांकन करने के लिए एक निर्धारित तिथि तय की जाएगी। बार–बार नामांकन करने की तिथि नहीं बढ़ाई जाएगी। पूर्व में जिन मूल्यांकन केंद्रों पर उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन में गड़बड़ी की शिकायतें मिली है ।

संपादकीय

श्रद्धा का जयकारा प्रारंभ

उत्तराखंड की विश्व विख्यात चार धाम यात्रा के चारों धाम अब 6 माह के लिए खुल गए हैं। अगले छह महीने तक उत्तराखंड भक्तों के जयकारों से गूंजता रहेगा और यही चार धाम यात्रा उत्तराखंड के लाखों लोगों की आजीविका को भी सुनिश्चित करेगा। भव्य आयोजन के बीच बद्रीनाथ के कपाट भी खुल चुके हैं और इसी के साथ अब हेमकुंड यात्रा को लेकर भी तैयारी पूरी की जा रही है। इस बार की यात्रा इसलिए भी खास कही जा सकती है क्योंकि पश्चिम एशिया में चल रही युद्ध के कारण घरेलू गैस एवं तेल की व्यवस्था में किल्लत के कारण कुछ प्रभाव देखने को मिल सकता है। श्रद्धालुओं का मानना है कि खाद्य पदार्थों में तेजी का असर नजर आने लगा है। हालांकि जिला प्रशासन में एलपीजी गैस की आपूर्ति यात्रा मार्ग पर सुचारू रूप से मुहैया करने की भरसक तैयारी की है। बद्रीनाथ एवं केदारनाथ के कपाट खुलने के साथ ही सोशल मीडिया पर कुछ ऐसे पोस्ट भी वायरल हो रहे हैं जिनमें व्यवस्थाओं को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। राज्य सरकार की ओर से ऐसे समाचारों का खंडन किया गया है और साथ ही भ्रामक पोस्ट डालने वालों के खिलाफ प्राथमिक की भी दर्ज की गई है। यात्रा से पूर्व सरकार ने यात्रियों की सुविधा एवं सुरक्षा को लेकर व्यापक तैयारियां पूरी कर ली थी लेकिन यदि उसके बावजूद भी कुछ अवस्थाएं सामने आ रही है तो प्रशासन को तत्काल इन पर गंभीरता से सुधार करना चाहिए। आने वाले दिनों में श्रद्धालुओं की संख्या निश्चित तौर पर बढ़ने लगेगी और यदि व्यवस्थाओं को चाक चौबंद नहीं किया गया तो ऐसी बातें सोशल मीडिया में सुर्खियां बटोरती ही रहेगी। खास तौर से श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य एवं आवास व पार्किंग को लेकर प्रशासन को काफी सतर्क रहने की जरूरत है और आपात स्थिति में मरीज को तत्काल मेडिकल सहायता उपलब्ध करानी होगी। उत्तराखंड की चार धाम यात्रा से न केवल श्रद्धा का पहलू जुड़ा हुआ है बल्कि यह राजस्व एवं पर्यटन की दृष्टि से भी राज्य के लिए एक विशेष आयोजन है। पिछले कुछ वर्षों से बद्रीनाथ एवं केदारनाथ यात्रा में यात्रियों की संख्या हर वर्ष बढ़ती हुई नजर आई है और उसी के अनुरूप सरकार की ओर से व्यवस्थाएं करने का भी प्रयास किया गया है। इसके तहत यात्रियों की पंजीकरण संख्या को सीमित करना जैसा कदम भी उठाया गया हालांकि इस बार श्रद्धालुओं की संख्या को लेकर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया गया है लेकिन पंजीकरण करना फिर भी अनिवार्य ही होगा। चार धाम का आयोजन न केवल सरकार की जिम्मेदारी है बल्कि दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को भी भक्ति भाव से आकर अपनी यात्रा पूरी करनी चाहिए। वहीं मंदिर समिति को भी चाहिए कि वह श्रद्धालुओं के साथ विनम्र व्यवहार का पालन करें, अति विशिष्ट लोगों को दर्शन करने की प्रवृत्ति से मंदिर समिति को बचना होगा ताकि लंबी कारों पर लगे श्रद्धालुओं के मन में असंतोष घर ना करें।

चिंतन-मनन

अपनेपन का प्रेम असली प्रेम

जब प्रेम बहुत गहरा होता है, तब तुम किसी भी गलतफहमी के लिए पूरी जिम्मेवारी लेते हो। पल भर के लिए ऊपरी तौर से नाराजगी व्यक्त कर सकते हो, परन्तु जब इस नाराजगी को दिल से महसूस नहीं करते, तब तुम एक-दूसरे को अच्छी तरह समझ पाते हो। तब तुम उस अवस्था में हो जहां सभी समस्याएं और मत-भेद मिट जाते हैं और केवल प्रेम झलकता है। प्रायः हम मतभेदों में उलझे रहते हैं क्योंकि अपने वास्तविक स्वभाव से दूर हो गए हैं। प्रेम के नाम पर हम दूसरों को इच्छानुसार चलाना चाहते हैं। यह स्वाभाविक है कि जब हम किसी से प्रेम करते हैं तो हम चाहते हैं कि वे त्रुटिहीन हो। तुम पहाड़ी के ऊपर से जमीन के गड्ढों को नहीं देख सकते। इसी प्रकार, उन्नत चेतना की अवस्था से दूसरों की त्रुटियां नजर नहीं आती। परन्तु जमीन आकर गड्ढों को (दोषों को) देख सकते हो। और गड्ढों को भरना चाहते हो तो उन्हें देखना ही होगा। हवा में रहकर तुम घर नहीं बना सकते। गड्ढों को देखे बिना, उनको भरे बिना, कंकड़-पत्थर हटाए बिना, जमीन को नहीं जोत सकते। इसीलिए जब तुम किसी से प्रेम करते हो और उनमें दोष ही दोष देखते हो तो उनके साथ रहो और गड्ढे भरने में उनकी मदद करो। यही ज्ञान है। तुम किसी को प्यार क्यों करते हो? क्या उनके गुणों के लिए या मित्रता और अपनेपन के कारण? अपनत्व महसूस किए बिना, केवल उनके गुणों के लिए, तुम किसी से प्रेम कर सकते हो! इस प्रकार का प्रेम प्रतिस्पर्धा और ईर्ष्या पैदा करता है। परन्तु जब प्रेम आत्मीयता के कारण होता है, तब ऐसा नहीं होता। जब तुम किसी को उनके गुणों के लिए चाहते हो और जब उनके गुणों में बदलाव आता है, या जब तुम उनके गुणों के आदी हो जाते हो, तुम्हारा प्रेम भी बदल जाता है। परन्तु प्रेम यदि अपनत्व के भाव से है, क्योंकि वे तुम्हारे अपने हैं, तब वह प्रेम जन्म-जन्मान्तरों तक रहता है। लोग कहते हैं, मैं ईश्वर से प्रेम करता हूं क्योंकि वे महान है। और यदि यह पाया जाए कि ईश्वर साधारण हैं, हमारे जैसे ही एक व्यक्ति, तब तुम्हारा प्रेम समाप्त हो जाएगा। यदि तुम ईश्वर से इसलिए प्रेम करते हो क्योंकि वे तुम्हारे अपने हैं, तब वे चाहे जैसे भी हों, चाहे वे रचना करें या विनाश, तुम फिर भी उन्हें प्रेम करते हो। अपनेपन का प्रेम स्वयं के प्रति प्रेम के समान है।

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस और 73वाँ संविधान संशोधन : ग्रामीण लोकतंत्र की सुदृढ़ नींव

सुनील कुमार महला

हमारा देश गांवों का देश है और गाँव स्तर पर भारतीय लोकतंत्र को सशक्त बनाने के उद्देश्य से भारत में प्रतिवर्ष 24 अप्रैल को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस मनाया जाता है। यह दिन इसलिए विशेष महत्व रखता है, क्योंकि 24 अप्रैल 1993 को भारत में 73वाँ संविधान संशोधन अधिनियम लागू हुआ था, जिसके माध्यम से पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक दर्जा प्राप्त हुआ। यहां पाठकों को जानकारी देता चलूं कि यद्यपि यह संशोधन भारतीय संसद द्वारा वर्ष 1992 में पारित किया गया था, परंतु इसे 24 अप्रैल 1993 से प्रभावी किया गया। यही कारण है कि यह तिथि भारतीय ग्रामीण लोकतंत्र के इतिहास में अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है।

वास्तव में, 73वाँ संविधान संशोधन भारतीय संविधान में किया गया एक ऐतिहासिक, नायाब और दूरदर्शी संशोधन था। कहना गलत नहीं होगा कि इस संशोधन ने ग्रामीण स्वशासन की वास्तविक नींव रखी। इस संशोधन के बाद राज्य सरकारों के लिए पंचायती राज व्यवस्था को लागू करना संवैधानिक रूप से अनिवार्य हो गया। इसके माध्यम से संविधान में भाग-क जोड़ा गया, जिसमें पंचायतों से संबंधित प्रावधान सम्मिलित किए गए। साथ ही, इसमें 11वीं अनुसूची भी जोड़ी गई, जिसमें पंचायतों को सौंपे जाने वाले 29 विषयों का उल्लेख किया गया।

इस संशोधन का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय स्वशासन को मजबूत करना, लोकतंत्र को गाँव-गाँव तक पहुँचाना तथा जनता की सीधी भागीदारी सुनिश्चित करना था। इसके अंतर्गत पूरे देश में त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था लागू की गई, जिसमें क्रमशः ग्राम स्तर पर ग्राम पंचायत, मध्यवर्ती/ब्लॉक स्तर पर पंचायत समिति तथा जिला स्तर पर जिला परिषद शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 243-ब के अनुसार प्रत्येक राज्य में इन तीन स्तरों पर पंचायतों के गठन का प्रावधान किया गया। हालांकि, जिन राज्यों की जनसंख्या 20 लाख से कम है, वहाँ मध्यवर्ती (ब्लॉक) स्तर पर पंचायत बनाना अनिवार्य नहीं है। पाठक जानते होंगे कि पंचायतों के सदस्यों के चुनाव प्रत्यक्ष रूप से जनता द्वारा किए जाते हैं। ग्राम, मध्यवर्ती और जिला स्तर के निर्वाचित सदस्यों का चयन सीधे मतदाताओं द्वारा होता है, जबकि मध्यवर्ती एवं जिला स्तर के अध्यक्षों का चुनाव निर्वाचित सदस्यों द्वारा अप्रत्यक्ष रूप से किया जाता है। पंचायत चुनावों के संचालन हेतु प्रत्येक राज्य में राज्य निर्वाचन आयोग की स्थापना का प्रावधान किया गया।

इतना ही नहीं, भारतीय संविधान के अनुच्छेद 243-इ के अनुसार प्रत्येक पंचायत का कार्यकाल 5 वर्ष निर्धारित किया गया है, यदि उसे पूर्व में भंग न किया जाए। इससे पंचायतों को स्थायित्व और निरंतरता प्राप्त हुई।इस संशोधन की सबसे महत्वपूर्ण विशेषताओं में से एक सामाजिक न्याय और समावेशिता है। इसके अंतर्गत अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) तथा महिलाओं के लिए आरक्षण का प्रावधान किया गया। महिलाओं को पंचायतों में प्रतिनिधित्व मिलने से ग्रामीण नेतृत्व में व्यापक परिवर्तन आया और महिला सशक्तीकरण को नई दिशा व उन्नयन मिला। इतना ही नहीं, पंचायतों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए प्रत्येक राज्य में राज्य वित्त आयोग गठित करने का प्रावधान किया गया, जो पंचायतों को वित्तीय संसाधनों के वितरण पर सुझाव देता है।बहुत कम लोग जानते होंगे कि इस संशोधन के तहत अनुच्छेद 243-ड भी जोड़ा गया, जिसके अनुसार पंचायत चुनावों से संबंधित परिसीमन या सीटों के आवंटन को किसी अदालत में चुनौती नहीं दी जा सकती। चुनाव संबंधी विवादों का निपटारा केवल राज्य विधानमंडल द्वारा निर्धारित प्राधिकारी द्वारा किया जाएगा। इससे चुनाव प्रक्रिया में अनावश्यक न्यायिक हस्तक्षेप कम हुआ।एक उल्लेखनीय तथ्य यह भी है कि जहाँ विधायक या सांसद बनने के लिए न्यूनतम आयु 25 वर्ष निर्धारित है, वहीं अनुच्छेद 243-एफ के अंतर्गत पंचायत चुनाव लड़ने के लिए न्यूनतम आयु 21 वर्ष रखी गई है। इससे युवाओं को कम आयु में नेतृत्व और जनसेवा का अवसर प्राप्त हुआ।

बहरहाल, यहां पाठकों को यह भी बताता चलूं कि यह अधिनियम कुछ विशेष क्षेत्रों में स्वतः लागू नहीं होता है इनमें नागालैंड, मेघालय, मिजोरम, अनुसूचित एव जनजातीय क्षेत्र, मणिपुर के पहाड़ी क्षेत्र, तथा पश्चिम बंगाल का दार्जिलिंग जिला (दार्जिलिंग गोरखा हिल काउंसिल क्षेत्र) शामिल हैं। हालांकि, यह बात अलग है कि भारतीय संसद आवश्यकतानुसार अपवादों और संशोधनों के साथ इन क्षेत्रों में भी इसके प्रावधान लागू कर सकती है।

निष्कर्षतः, यहां यह बात कही जा सकती है कि 73वां संविधान संशोधन अधिनियम भारतीय लोकतंत्र(इंडियन डेमोक्रेसी) को जमीनी स्तर तक सुदृढ़ करने वाला ऐतिहासिक कदम सिद्ध हुआ। इसने पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक दर्जा देकर ग्रामीण जनता की भागीदारी सुनिश्चित की, सामाजिक समावेशिता को बढ़ावा दिया तथा गाँवों को अपने विकास के निर्णय लेने का अधिकार प्रदान किया। सरल शब्दों में यह बात कही जा सकती है कि 73 वें संविधान संशोधन ने लोकतंत्र को जमीनी स्तर पर मजबूत कर ग्रामीण विकास में आम जन की भागीदारी सुनिश्चित की है, जिससे भारत प्रतिनिधिक लोकतंत्र से सहभागी लोकतंत्र की ओर बढ़ा है। निस्संदेह यह संशोधन ग्राम स्वराज, सशक्त ग्रामीण भारत और सहभागी लोकतंत्र की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

क्यों सुसाइड कर रहे हैं एनआइटी के होनहार?

मनोज कुमार अग्रवाल

देश के प्रतिष्ठित कुरुक्षेत्र स्थित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) में द्वितीय वर्ष की एक छात्रा अपने छात्रावास के कमरे में मृत पाई गई, जिससे पिछले दो महीनों में परिसर में संदिग्ध छात्र मृत्यु का यह चौथा मामला सामने आया है।एनआईटी कुरुक्षेत्र में एक और छात्रा की आत्महत्या! यह सिर्फ एक घटना नहीं, बल्कि सिस्टम की गंभीर विफलता का संकेत है। एनआइटी में प्रवेश पाने के लिए छात्र छात्राओं द्वारा कठोर परिश्रम कर पढ़ाई कर प्रवेश परीक्षा पास कर तकनीकी शिक्षा लेने का सपना पूरा करने का मौका बिरले छात्रों को मिल पाता है लेकिन जब ऐसे होनहार छात्र छात्राओं द्वारा मौत को गले लगाने का सिलसिला चलता है तो इस संस्थान के माहौल पर भी सवालिया निशान लगता है।

लगातार हो रही ऐसी घटनाएँ बताती हैं कि छात्रों का मानसिक दबाव, संस्थागत संवेदनहीनता और सपोर्ट सिस्टम की कमी अब खतरनाक स्तर पर पहुँच चुकी है।सरकार और प्रशासन कब जागेंगे ?

गुरुवार 16 अप्रैल, 2026 को जब दीक्षा दुबे ने अपने दोस्तों के फोन का जवाब नहीं दिया, तो वे उसके कमरे में पहुँचे और कमरा अंदर से बंद पाया। सूचना मिलते ही पुलिस और फोरेंसिक टीमें दोपहर करीब 3 बजे मौके पर पहुँचीं और दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया तो वह मृत पाई गईं,ह्व उन्होंने बताया। शव को पोस्टमार्टम के लिए एलएनजेपी सिविल अस्पताल भेज दिया गया है। घटना के पीछे का सटीक कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। आगे की कार्यवाही जांच के निष्कर्षों और परिवार के बयानों पर निर्भर करेगी। फरवरी से अब तक एनआईटी कुरुक्षेत्र में यह चौथा मामला दर्ज किया गया है।

आपको बता दें 16 फरवरी को तेलंगाना निवासी अंगोद शिव (19) अपने छात्रावास के कमरे में मृत पाए गए। प्रथम सेमेस्टर के छात्र अंगोद शिव संस्थान में कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग (सीएसई) की डिग्री हासिल कर रहे थे। नूह के एक अन्य छात्र ने 31 मार्च को एनआईटी कुरुक्षेत्र में आत्महत्या कर ली।

तीसरी संदिग्ध मौत की सूचना 8 अप्रैल को मिली, जब हरियाणा के सिरसा निवासी प्रियांशु शर्मा अपने छात्रावास के कमरे में मृत पाए गए। वह सिविल इंजीनियरिंग विभाग में बीटेक के तीसरे वर्ष के छात्र थे। हाल ही में 16 अप्रैल बिहार की रहने वाली 19 वर्षीय बीटेक छात्रा दीक्षा दुबे ने बृहस्पतिवार को कथित तौर आत्महत्या कर ली थी, जिसके बाद यह समिति गठित की गई है।

छात्रा की मृत्यु के बाद परिसर में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। दीक्षा दुबे की मृत्यु पिछले दो महीनों में परिसर में हुई इस तरह की चौथी घटना थी।

इतना ही नहीं 18 अप्रैल शनिवार देर रात करीब 12 बजे कल्पना छात्रावास में एक छात्रा ने आत्महत्या का प्रयास किया लेकिन मौके पर मौजूद अन्य छात्रों ने समय रहते उसे बचा लिया। बताया जा रहा है कि छात्रा ने एक मैसेज में लिखा था।।मेरी जिंदगी का कोई मतलब नहीं। इस घटना के बाद कैंपस में तनाव और बढ़ गया।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कुरुक्षेत्र के कार्यवाहक निदेशक ब्रह्मजीत ने बताया कि प्रशासन ने छात्रों द्वारा उठाई गई कई मांगों को स्वीकार कर लिया है।

इन संदिग्ध मौतों के चलते कैंपस में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र देर रात मुख्य द्वार पर विरोध प्रदर्शन करने के लिए एकत्र हुए।

प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि छात्रावास के कुछ कर्मचारियों और अधिकारियों का व्यवहार संतोषजनक नहीं था और उन्होंने स्थिति से निपटने के तरीके पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने घटना के सामने आने के बाद प्रतिक्रिया में लगने वाले समय पर भी सवाल उठाया।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कुरुक्षेत्र ने परिसर में हाल में छात्रों के आत्महत्या के मामलों की जांच के लिए पांच सदस्यीय समिति का गठन किया है। साथ ही छात्रों की समस्याओं की जांच के लिए तीन अलग-अलग समितियां भी बनाई हैं। जांच समिति इस मुद्दे पर छात्रों, प्रोफेसर, वार्डन और अन्य कर्मचारियों के साथ बातचीत करेगी।

एनआईटी के जनसंपर्क अधिकारी प्रोफेसर ज्ञान भूषण ने रविवार को कहा कि परिसर में हाल में हुई आत्महत्या की घटनाओं की जांच के लिए एक समिति गठित की गई है। समिति की अध्यक्षता छात्र कल्याण विभाग की डीन प्रोफेसर लिली दीवान कर रही हैं और इसमें प्रोफेसर जे.के। कपूर, प्रोफेसर प्रवीण अग्रवाल, डॉ। संदीप सिंघल और डॉ। मनोज सिन्हा शामिल हैं।

पुलिस ने बताया था कि दुबे की कथित आत्महत्या के बाद शुक्रवार रात को बीटेक प्रथम वर्ष की एक अन्य छात्रा ने भी कथित तौर पर आत्महत्या का प्रयास किया था।

मूल रूप से महाराष्ट्र की निवासी छात्रा ने कथित तौर पर धमकी दी और छात्रावास की इमारत से कूदने की कोशिश की, लेकिन उसके सहपाठियों ने उसे रोक लिया।

संस्थान में मौजूदा स्थिति को देखते हुए और सभी छात्रों के सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है कि स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी छात्रों के लिए अगले आदेश तक अवकाश रहेगा। एनआईटी प्रशासन की ओर से जारी एक नोटिस के अनुसार, उन्हें 19 अप्रैल तक अपने छात्रावास खाली करने होंगे। छात्रावासों में रह रहे लगभग 5,300 छात्रों में से 2,500 से अधिक छात्रों ने संस्थान के नोटिस के बाद शनिवार तक अपने कमरे खाली कर दिए। दूरदराज के राज्यों से आने वाले छात्रों के लिए स्थिति विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण रही है।

प्रशासन ने कहा कि प्रायोगिक परीक्षाओं समेत संशोधित परीक्षा कार्यक्रम की सूचना उचित समय पर दी जाएगी। छात्रों को परीक्षा शुरू होने से काफी पहले सूचित कर दिया जाएगा। हालांकि छात्रों का आरोप है कि पहले बनी जांच कमेटी ने भी कोई ठोस कदम नहीं उठाया। कुछ छात्रों ने यह भी कहा कि उन्हें मानसिक दबाव और परेशान किया जा रहा है। उनका दावा है कि एक प्रोफेसर ने यहां तक कह दिया कि ह्लअगर सुसाइड करना है तो कैंपस के बाहर करोह्व इन आरोपों ने मामले को और गंभीर बना दिया है।

इधर, बढ़ते विवाद के बीच एनआईटी प्रशासन ने 17 अप्रैल से 4 मई तक छुट्टियां घोषित कर दी हैं। छात्रों को हॉस्टल खाली करने का नोटिस दिया गया है और कई छात्र अपना सामान पैक कर घर लौटते नजर आ रहे हैं। इस पर भी छात्रों ने नाराजगी जताई है और कहा है कि उन्हें जबरदस्ती घर भेजकर मामले को दबाने की कोशिश की जा रही है।

सवाल उठता है कि एक प्रतिष्ठित उच्च शिक्षा संस्थान में ऐसी क्या गड़बड़ी है कि भविष्य संवारने के लिए आए होनहार छात्र छात्राओं को सुसाइड करने की मजबूर आन पड़ी है? इस के पीछे क्या संस्थान के शिक्षक प्रबंधन प्रशासन की कोई गड़बड़ी जिम्मेदार है या छात्रों के बीच में ही शेरों की खाल में कोई सियार छिपे हुए हैं और छात्र छात्राओं के साथ कोई अनैतिकता या अमानवीयता कर उन्हें सुसाइड करने के लिए मजबूर किया जा रहा है? की बार नशे के सौदागर और साइबर ठगी या निवेश के जाल मे फंसा कर ब्लेक मेल करने वाले गिरोह भी ऐसे वारदातों के पीछे जिम्मेदार हो सकते हैं। क्या वजह है कि सरकार ने एक के बाद एक हो रही सुसाइड की वारदातों को गंभीरता से नहीं लिया आखिर कब तक हमारे उच्च शिक्षा संस्थान होनहार बच्चों के सपनों को रौंद कर उनके जीवन से खिलवाड़ करते रहेंगे जो भी हो इन सुसाइड मामलों की गंभीरता से जांच करानी चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोका जा सके।

ब्रिगेड मैदान की जंग में ममता बनाम अमित शाह की जंग

उमेश चतुर्वेदी

साल 2021 में राज्य में तृणमूल कांग्रेस को 213 सीटें और करीब 44 प्रतिशत वोट मिले थे, जबकि बीजेपी को 38 प्रतिशत वोट के साथ 77 सीटों पर संतोष करना पड़ा था। हालांकि 2016 के विधानसभा चुनावों के मुकाबले देखें तो पार्टी ने तीन सीट और करीब 28 प्रतिशत वोट की तुलना में बड़ी छलांग लगाई।

प्रधानमंत्री रहते अटल बिहारी वाजपेयी ने कोलकाता की यात्रा की थी। उस दौरे पर उन्होंने तत्कालीन रेल मंत्री के कालीघाट स्थित घर का दौरा किया था। तब उन्होंने मंत्री की मां से उलाहना दिया था, आपकी बेटी मुझे बहुत परेशान करती हैं। कहना न होगा कि वह शख्सियत डेढ़ दशक से पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री है। ममता बनर्जी लड़ाका है। धूल से उठकर राजनीतिक आसमान का तारा अगर वे बनी हुई हैं, उसकी वजह उनका सघर्षशील व्यक्तित्व ही है। लेकिन कोलकाता के मैदान में इस बार यह योद्धा फंसा नजर आ रहा है। भारतीय जनता पार्टी जिस तरह उनसे दो-दो हाथ कर रही है, निश्चित तौर पर उसके पीछे नरेंद्र मोदी की अगुआई में बंगाल की धूल में लगातार परिश्रम कर रहे बीजेपी के कार्यकर्ता हैं। आज अगर बंगाली की सियासी लड़ाई आर-पार के दौर में आ चुकी है तो इसके पीछे अमित शाह की रणनीति काम कर रही है।

साल 2021 के विधानसभा चुनाव नतीजे आने के बाद कहा गया था कि बीजेपी चुनाव जीतते-जीतते हार गई है। ममता का संघर्ष बीजेपी की रणनीतियों पर भारी पड़ गया था। पांच साल बाद कोलकाता के रायटर्स बिल्डिंग पर कब्जे को लेकर सेनाएं सज गई हैं। लेकिन इस बार हालात बदले नजर आ रहे हैं। इसकी वजह अमित शाह का चुनाव प्रचार की कमान खुद संभालना है, जिन्होंने 170 सीटें जीतने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय कर रखा है। पिछले विधानसभा चुनाव में पिछड़ने के बावजूद अमित शाह ने राज्य की यात्राएं जारी रखीं और इसके जरिए अपने कार्यकताओं को उत्साहित बनाए रखा। इस बार बीजेपी अगर सत्ता की प्रबल दावेदार के रूप में उभरी है तो इसकी बड़ी वजह बूथ प्रबंधन तो है ही, घुसपैठ और महिला सुरक्षा को मुद्दा बनाना भी है। बंगाल के बारे में कहा जाता है कि वह जो आज सोचता है, पूरा देश उस पर बाद में आगे बढ़ता है। शक्ति पूजा की संस्कृति वाले राज्य में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर ममता के राज में कई बार सवाल उठे। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कालेज में रेजिडेंट डाक्टर से दुष्कर्म और बर्बर हत्या के बाद अंग्रेजों की पहली राजधानी का भद्रलोक उद्वेलित हो उठा। अभी इसकी आंच ठंडी पड़ी नहीं कि कस्बा लॉ कालेज की छात्रा के साथ बलात्कार हुई। इसके पहले संदेशखाली में हुई कथित तौर पर यौन हिंसा और जमीन हड़पने के मामलों से पश्चिम बंगाल का समाज उद्वेलित रहा। अमित शाह के बार-बार के

बंगाल दौरे के चलते बीजेपी के कार्यकताओं ने महिला सुरक्षा के मसले को कभी धीमा नहीं पड़ने दिया। इन्हीं वजहों से महिला सुरक्षा को लेकर तृणमूल कांग्रेस सवालों के घेरे में आ गई। राष्ट्रीय क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो की 2023 की रिपोर्ट भी राज्य में महिलाओं के खिलाफ बढ़ती हिंसा की ही तसदीक करती है, जिसके अनुसार, राज्य में महिलाओं के खिलाफ अपराध के 34,691 मामले दर्ज किए गए और एसिड हमलों में इसका हिस्सा सबसे ज्यादा करीब 27.5 प्रतिशत रहा। बीजेपी को महिला सुरक्षा को बड़ा मुद्दा बनाने में ममता बनर्जी के एक बयान से भी मिला, जिसमें उन्होंने कहा था कि महिलाओं को शाम सात बजे के बाद बाहर नहीं निकलना चाहिए। बीजेपी ने महिला सुरक्षा के मुद्दे पर आरजी कर की पीड़िता की मां मंजू देवनाथ को पनियाहाटा से उम्मीदवार बनाकर एक तरह से राज्य की महिलाओं को संदेश दे दिया है, संदेश यह कि वह उनकी सुरक्षा के लिए संजीदा है। बीजेपी ने महिलाओं को लुभाने के लिए दुर्गा सुरक्षा दस्ते बनाने और नौकरियों में महिलाओं को 33 फीसद आरक्षण देने का भी वादा किया है। इसके साथ ही महिलाओं को मध्य प्रदेश, हरियाणा और महाराष्ट्र की तरह प्रतिमाह तीन हजार रूपए देने का वादा किया है। यहां याद रखना चाहिए कि ममता सरकार हर महीने महिलाओं को डेढ़ हजार रूपए दे रही है।

साल 2021 में राज्य में तृणमूल कांग्रेस को 213 सीटें और करीब 44 प्रतिशत वोट मिले थे, जबकि बीजेपी को 38 प्रतिशत वोट के साथ 77 सीटों पर संतोष करना पड़ा था। हालांकि 2016 के विधानसभा चुनावों के मुकाबले देखें तो पार्टी ने तीन सीट और करीब 28 प्रतिशत वोट की तुलना में बड़ी छलांग लगाई। अमित शाह ने इसी बुनियाद को मजबूत करते हुए आगे बढ़ने की रणनीति बनाई। इसके तहत उन्होंने दो बातों पर जोर दिया। उन्होंने उन गढ़ों को और मजबूत बनाने की रणनीति बनाई, जहां पहले से ही पार्टी मजबूत स्थिति में है। इसके साथ ही उन चुनाव क्षेत्रों में आधार बढ़ाने की कोशिश तेज की, जहां 2021 में वह बहुत कम अंतर से हारी थी। इसके साथ ही अमित शाह ने पार्टी के भीतर की गुटबाजी को भी सुलझाने की कोशिश की। राज्य में पार्टी के अध्यक्ष रहे दिलीप घोष के बारे में माना जा रहा था कि वे नाखुश हैं। अमित शाह ने उनसे मुलाकात करके तृणमूल से आए शुभेंदु अधिकारी से बीच उनके मतभेदों को दूर करने की कोशिश की।

ममता बनर्जी ने पिछली बार बंगाली माटी और मानुष यानी स्थानीय को मुद्दा बनाया था। उन्हें इस मुद्दे से पिछली बार मदद भी मिली। इस बार भी ममता विपक्ष यानी बीजेपी के नेताओं के बाहरी होने का आरोप लगा रही हैं। इसके जवाब स्वरूप अमित शाह ने ऐलान किया है कि अगर पश्चिम बंगाल में पार्टी सत्ता में आई तो राज्य का मुख्यमंत्री ह्यधरती का बेटाह्व यानी स्थानीय व्यक्ति ही बनेगा। पार्टी ने इस बार घुसपैठ को भी बड़ा मुद्दा बनाया है। राज्य में विशेष पुनरीक्षण अभियान के दौरान राज्य में नब्बे लाख वोटरों के नाम हटाने को लेकर ना सिर्फ सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस समेत समूचा गैर बीजेपी दल मुद्दा बना रहे हैं। हालांकि अमित शाह चुनाव आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान यानी एसआईआर के कदम को सही बताया है। बीजेपी यहीं नहीं रूकी है, उसने वादा किया है कि अगर वह सत्ता में आई तो राज्य से अवैध घुसपैठियों की पहचान करेगी और उन्हें बाहर करेगी। इसके साथ ही पार्टी ने सत्ता में आने के पैंतालीस दिनों के अंदर सीमा पर बाड़ लगाने के लिए केंद्र सरकार को जमीन देगी। बीजेपी ने इसके जरिए बांग्लादेश की ओर हो रही पशु तस्करी को रोकने का भी ऐलान किया है।

राज्य में भ्रष्टाचार को भी बड़ा मुद्दा बनाने में बीजेपी कामयाब रही है। इसमें अतीत में हुई भ्रष्टाचार की घटनाओं ने मदद की है। यहां का शिक्षक भर्ती घोटाला रहा, जिसकी सुनवाई करते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट ने 26 हजार नौकरियां रद्द कर दी थी। इसके साथ ही राशन और मिड-डे मील, मनरेगा अ जॉब कार्ड घोटाला भी सुर्खियां बनता रहा है। बीजेपी ने इस बार इसे भी मुद्दा बनाया है। इन मामलों में तृणमूल के बीस से ज्यादा नेताओं को जेल भेजा गया। हालांकि तृणमूल कांग्रेस इसे केंद्र की बदले की कारवाई बताती रही है। यही वजह है कि पार्टी ने दागी नेताओं को टिकट भी दिया है। इसकी वजह से भद्रलोक के बीच तृणमूल को सवालों के घेरे में लाने की पुरजोर कोशिश अमित शाह और उनकी बीजेपी कर रही है। ऐसे ढेरों मामले हैं, जिनकी वजह से बीजेपी सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस को जबरदस्त चुनौती देती नजर आ रही है। इसका मतलब यह नहीं है कि तृणमूल कांग्रेस ने सरेंडर कर दिया है। ममता की अगुआई में पार्टी अब भी पुरजोर तरीके से मैदान में खड़ी है। इस वजह से इस बार भी मुकाबला सीधे तौर पर ममता बनाम बीजेपी ही नजर आ रहा है। हालांकि सही तौर पर कहें तो इस बार मुकाबला ममता बनाम अमित शाह है। इस जंग में अमित शाह सफल होंगे या ममता एक बार फिर उन्हें मात देने में कामयाब रहेंगी, यह तो चार मई को मतगणना के बाद ही पता चल पाएगा।

संक्षिप्त समाचार

टैरिफ रिफंड से भारत को मिल सकते हैं 12 अरब डॉलर, पर सीधे नहीं

अमेरिका, एजेंसी। अमेरिका ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से मनमाने तरीके से वसूले गए टैरिफ की रिफंड प्रक्रिया शुरू कर दी है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने मंगलवार को एक रिपोर्ट में कहा, रिफंड प्रक्रिया के तहत 166 अरब डॉलर से ज्यादा राशि लौटाई जाएगी, जिसमें से करीब 12 अरब डॉलर (1.12 लाख करोड़ रुपये) भारतीय वस्तुओं से संबंधित हैं। यानी रिफंड प्रक्रिया में भारत को 12 अरब डॉलर मिलने की संभावना है, पर सीधे तरीके से नहीं। जीटीआरआई ने कहा, रिफंड की राशि सिर्फ अमेरिकी आयातकों के खाते में जाती है और निर्यातकों का इस पर कोई कानूनी अधिकार नहीं होता। ऐसे में भारतीय निर्यातकों के पास रिफंड का दावा करने का कोई सीधा कानूनी रास्ता नहीं होगा। ऐसे में उन्हें अमेरिकी खरीदारों के साथ सक्रिय रूप से संपर्क करना चाहिए। जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, कोई भी शुल्क वापसी व्यावसायिक बातचीत पर निर्भर करेगी। इसके लिए भारतीय निर्यातकों को अमेरिकी खरीदारों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ना चाहिए। विशेषकर, उन मामलों में जहां पहले की कीमतों में टैरिफ लागत शामिल थी। भारतीय निर्यातक अपने अमेरिकी खरीदारों के साथ रिफंड को आपस में बांटने का सौदा कर सकते हैं, जिससे आयातक का रिफंड भारतीय कंपनी के लिए असली नकदी या कीमतों में छूट में बदल जाता है। कीमतों पर फिर से बातचीत : जहां पिछले साल कॉन्ट्रैक्ट की कीमतों में टैरिफ को शामिल किया गया था, अब जब लागत कम हो गई है, तो भारतीय निर्यातक उन समझौतों पर फिर से बातचीत करने का प्रयास कर सकते हैं। भविष्य के ऑर्डर और प्रतिस्पर्धी बढ़त : भारतीय कंपनियां इस अवसर का इस्तेमाल ज्यादा प्रतिस्पर्धी कीमतों पर नए ऑर्डर के लिए बातचीत करने में कर सकती हैं।

'होर्मुज में अस्थिरता का भारत पर सीधा असर', जर्मनी में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जताई चिंता

बर्लिन, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जर्मनी में कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य में किसी भी तरह की रुकावट भारत के लिए दूर की घटना नहीं है, बल्कि यह सीधा असर डालने वाली वास्तविक स्थिति है। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में 50 दिनों से ज्यादा समय से संघर्ष जारी है और इसका वैश्विक स्तर पर प्रभाव भी पड़ रहा है। राजनाथ सिंह ने जर्मन संसद की रक्षा और सुरक्षा समिति को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आज दुनिया नए सुरक्षा खतरों का सामना कर रही है और तकनीक में बदलाव से स्थिति और जटिल हो गई है। उन्होंने कहा कि बदलते हालात के अनुरूप होने के साथ नया दृष्टिकोण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। रक्षा मंत्री ने भारत और जर्मनी के रक्षा सहयोग को मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के रक्षा उद्योग एक-दूसरे के पूरक हैं। उन्होंने कहा कि भारत जैसे विकासशील देश के लिए ऊर्जा का बड़ा हिस्सा पश्चिम एशिया पर निर्भर है। इसलिए होर्मुज जलडमरूमध्य में कोई भी बाधा सीधे असर डालती है। उन्होंने बताया कि भारत ने इन चुनौतियों से निपटने के लिए सक्रिय रणनीति अपनाई है और समन्वित दृष्टिकोण पर काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जर्मन चांसलर ने रणनीतिक साझेदारी पर जोर दिया है और यूरोपीय संघ के स्तर पर भी भारत के साथ सहयोग बढ़ रहा है। सिंह ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत केवल खरीद कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह सह-निर्माण, सह-विकास और सह-नवाचार का अवसर है।

नासा रोवर की तस्वीरों में मंगल पर उड़ते दिखे कीड़े, फिर छिड़ी जीवन पर बहस

वॉशिंगटन, एजेंसी। मंगल ग्रह पर जीवन की संभावना को लेकर बहस एक बार फिर तेज हो गई है। नासा के रोवरों द्वारा भेजी गई कुछ तस्वीरों में कथित रूप से पंखों वाले कीड़े, छिपकली जैसे जीव और शिकारी जैसे जीवन रूप दिखाई देने के दावों ने वैज्ञानिको का ध्यान खींचा है। हालांकि यह विचार बेहद रोमांचक है कि मंगल की सतह पर कीड़े उड़ रहे हों या धूल के बीच कोई जीव छिपा हो, लेकिन वैज्ञानिक समुदाय का बड़ा हिस्सा इन दावों को लेकर काफी सतर्क और संशयपूर्ण है। विशेषज्ञों का कहना है कि मंगल सौरमंडल के सबसे अधिक अध्ययन किए गए ग्रहों में से एक है और अब तक वहां किसी जटिल जीव के अस्तित्व का ठोस प्रमाण नहीं मिला है। हाल के दावे मुख्य रूप से नासा के मार्स रोवर, विशेषकर क्यूरियोसिटी रोवर द्वारा ली गई तस्वीरों की व्याख्या से जुड़े हैं। कीट विज्ञानी विलियम रोमोसर ने सार्वजनिक रूप से उपलब्ध रोवर छवियों का अध्ययन करते हुए दावा किया कि इनमें कीड़ों जैसे और सरीसृपों जैसे आकार दिखाई देते हैं। उन्होंने अपनी प्रस्तुति एविडेंस ऑफ एक्सटेंट इंसेक्ट-लाइक ऑर्गेनिज्म्स ऑन मार्स और उसके सप्लीमेंटल मैटेरियल में तर्क दिया कि कुछ आकृतियां पंख, पंखों की मोड़ संरचना और व्यवस्थित पैरों जैसी बनावट दिखाती हैं। रोमोसर का कहना था कि मंगल पर जीवन था और अब भी है।

जर्मनी यूरोप में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार, अपनी पहली यात्रा पर बोले राजनाथ सिंह

जर्मनी, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अपने आधिकारिक दौरे पर जर्मनी पहुंचे, जहां उन्होंने बर्लिन में भारतीय समुदाय के एक कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने भारत-जर्मनी संबंधों, भारतीय प्रवासी समुदाय की भूमिका, आर्थिक सहयोग और सांस्कृतिक जुड़ाव पर विस्तार से बात की। रक्षा मंत्री ने कार्यक्रम के बाद सोशल मीडिया पर कहा कि बर्लिन में भारतीय समुदाय के सदस्यों से बातचीत कर उन्हें बेहद खुशी हुई। उन्होंने भारतीय प्रवासी समुदाय को भारत और जर्मनी के बीच लिविंग ब्रिज बताया और कहा कि हाल के वर्षों में यह समुदाय एक मजबूत शक्ति के रूप में उभरा है। उन्होंने कहा कि बातचीत के दौरान उन्होंने भारत की तेज आर्थिक प्रगति और तकनीकी विकास को रेखांकित किया, जिसमें इंफ्रास्ट्रक्चर, स्टार्टअप्स, अंतरिक्ष और डिजिटल इनोवेशन जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

भारत में 2000 से अधिक जर्मन कंपनियां सक्रिय : अपने संबोधन में रक्षा मंत्री ने कहा कि पिछले सात दशकों में भारत और जर्मनी के संबंध हर क्षेत्र में मजबूत हुए हैं। आज जर्मनी यूरोप में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बन चुका है। उन्होंने कहा कि भारत में 2,000 से अधिक जर्मन कंपनियां सक्रिय हैं और जर्मनी की अग्रणी कंपनियां भारत के औद्योगिक विकास व मेक इन इंडिया अभियान को गति दे रही हैं। दूसरी ओर, कई भारतीय कंपनियां भी जर्मनी में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज करा रही हैं।

जर्मनी में भारतीय की संख्या 3.7 लाख है : उन्होंने कहा कि भारत और जर्मनी के राजनीतिक व कूटनीतिक संबंधों के द्वार भले ही सरकारों के हाथ में हों, लेकिन दोनों देशों के रिश्तों की असली मजबूती लोगों के आपसी जुड़ाव से तय होती है। उन्होंने भारतीय समुदाय से कहा कि इस पुल को मजबूत बनाने में उनकी भूमिका बेहद अहम है। राजनाथ सिंह ने बताया कि जर्मनी में भारतीयों की संख्या 3.7 लाख है और यह लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि भारतीय समुदाय की उपलब्धियों और योगदान ने जर्मनी के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

रक्षा मंत्री की पहली आधिकरिक यात्रा : रक्षा मंत्री ने कहा कि यह उनकी जर्मनी की पहली आधिकारिक यात्रा है और वह वहां के रक्षा मंत्री के निमंत्रण पर पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि यह अपने आप में एक उपलब्धि है कि समय के साथ भारत और जर्मनी के रिश्ते लगातार मजबूत हुए हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2026 भारत और जर्मनी के लिए विशेष है, क्योंकि इस वर्ष दोनों देशों के औपचारिक राजनयिक संबंधों के 75 वर्ष पूरे हो गए हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के रिश्ते पूरी तरह लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित हैं।

रवीन्द्रनाथ टैगोर को दी श्रद्धांजली : उन्होंने आगे कहा कि भारत और जर्मनी केवल राजनीतिक और रणनीतिक संबंध ही साझा नहीं करते, बल्कि कला और संस्कृति के क्षेत्र में भी दोनों देशों के बीच गहरा उत्साह और जुड़ाव है। राजनाथ सिंह ने बताया कि उन्हें हम्बोल्ट विश्वविद्यालय जाने का अवसर मिला, जहां उन्होंने रवीन्द्रनाथ टैगोर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए।

कार्यक्रम के दौरान दिखे हल्के-फुल्के पल : कार्यक्रम के दौरान रक्षा मंत्री ने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा कि यह उनकी जर्मनी की पहली यात्रा है, जबकि वह अमेरिका सात से आठ बार जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद वह दो बार अमेरिका जा चुके हैं। इस पर श्रोताओं के हंसने पर उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा कि उन्हें समझ नहीं आया कि लोग क्यों हंस रहे हैं, जबकि वह तो सभी से मिलकर प्रसन्न हैं। राजनाथ सिंह ने जर्मनी की वैश्विक प्रतिष्ठा और विश्वसनीयता की सराहना करते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय में जर्मनी का एक अलग सम्मान है। उन्होंने कहा कि जर्मनी की इस सफलता में वहां के मूल निवासियों का बड़ा योगदान है, लेकिन भारतीय प्रवासी समुदाय ने भी इसमें अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि इस सच्चाई से कोई इनकार नहीं कर सकता।

अमेरिकी नौसेना के सबसे आधुनिक विमानवाहक पोत पर संकट! भविष्य की योजना पर उठे सवाल

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी नौसेना ने अपने सबसे हाई-टेक और महंगे युद्धपोत फोर्ड-क्लास एयरक्राफ्ट कैरियर की डिजाइन और लागत की व्यापक समीक्षा शुरू कर दी है। इस कदम ने इन आधुनिक विमानवाहक पोतों के भविष्य पर सवाल खड़े कर दिए हैं। नौसेना सचिव जॉन फेलन ने साफ किया कि यह समीक्षा व्यावहारिक और जरूरी है, जिसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि इन जहाजों पर खर्च और तकनीक भविष्य की जरूरतों के अनुरूप है या नहीं। जब उनसे पूछा गया कि क्या इस समीक्षा के बाद फोर्ड-क्लास के भविष्य के जहाज रद्द हो सकते हैं, तो उन्होंने सीधे इंकार नहीं किया। उन्होंने कहा 'अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगी, लेकिन विमानवाहक पोत हमारी रणनीति का अहम हिस्सा बने रहेंगे।' राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लंबे समय से इन जहाजों की तकनीक, खासकर मैग्नेटिक कैटापल्ट सिस्टम की आलोचना करते रहे हैं। उनका दावा था कि यह तकनीक भरोसेमंद नहीं है। दुनिया का सबसे बड़ा विमानवाहक पोत यूएसएस गेराल्ड आर. फोर्ड जून 2025 से 300 दिनों से अधिक समय तक तैनात रहा और कई अहम सैन्य अभियानों में शामिल हुआ। हालांकि, इतनी लंबी तैनाती के दौरान तकनीकी और संचालन से जुड़े कुछ मुद्दे भी सामने आए, जिससे इसकी क्षमता और लागत को लेकर बहस तेज हो गई है।

अमेरिकी सेना में बदलाव: अब सैनिकों के लिए फ्लू वैक्सीन अनिवार्य नहीं, धार्मिक स्वतंत्रता का दिया गया हवाला

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी रक्षा विभाग ने अपनी स्वास्थ्य नीति में बड़ा बदलाव करते हुए सैनिकों के लिए फ्लू वैक्सीन को अब अनिवार्य नहीं रखा है। इस फैसले के बाद अब अमेरिकी सैनिक अपनी इच्छा और धार्मिक आस्था के आधार पर वैक्सीन लेने या न लेने का निर्णय ले सकेंगे। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो में यह बात कही।

उन्होंने कहा कि अमेरिकी सैनिक फ्लू वैक्सीन लेने के लिए स्वतंत्र हैं। लेकिन उन्हें इसके लिए मजबूर नहीं किया जाएगा। उनका शरीर, आस्था और दृढ़ विश्वास पर समझौता नहीं किया जा सकता। हालांकि, सैन्य सेवाओं को वैक्सीन की अनिवार्यता जारी रखने का अनुरोध करने की अनुमति है। इसके लिए उन्हें 15 दिन का समय दिया गया है। अमेरिकी सेना में टीकाकरण कार्यक्रम अमेरिकी क्रांति के समय से चले आ रहे हैं। लेकिन कोरोना वायरस महामारी के दौरान यह एक विवादास्पद राजनीतिक मुद्दा बन गया था। साल 2021 में कोविड-19 वैक्सीन अनिवार्य की गई थी। इसे मानने से इन्कार करने पर 8,400 से अधिक सैनिकों को सेना से बाहर कर दिया गया। हजारों अन्य ने धार्मिक और चिकित्सा छूट मांगी थी। कांग्रेस ने इस आदेश को रद्द करने पर सहमति व्यक्त की। पेंटागन ने जनवरी 2023 में इस आदेश को वापस ले लिया। तब तक

नौसेना, वायु सेना और मरीन कॉर्प्स के करीब 99 फीसदी सैनिकों ने वैक्सीन लगवा ली थी। ट्रंप प्रशासन ने कोविड-19 वैक्सीन से इन्कार करने वाले सैनिकों को वापस सेवा में लाने की नीति बनाई। इसमें उन्हें पिछली तनख्वाह के साथ वापस लाने का प्रावधान था। हालांकि, बहुत कम सैनिकों ने इस नई नीति का लाभ उठाया है। पेंटागन ने मार्च में बताया कि 153 सैनिकों को बहाल किया गया है। हेगसेथ की टीम ने पिछले कई महीनों से इन सैनिकों को व्यक्तिगत रूप से उजागर किया है। फ्लू वैक्सीन आदेश को ऐसे समय में हटाया गया है जब फ्लू का मौसम गंभीर रहा है। जन स्वास्थ्य विशेषज्ञ छह महीने और उससे अधिक उम्र के सभी लोगों को वार्षिक इन्फ्लूएंजा वैक्सीन की सलाह देते हैं। ट्रंप प्रशासन बच्चों के लिए भी कुछ वैक्सीन की सिफारिशों को कम कर रहा है। कांग्रेस रिसर्च सर्विस की 2021 की रिपोर्ट में आठ अनिवार्य वैक्सीन सूचीबद्ध थीं। इनमें फ्लू, पोलियो, टिटनेस, खसरा और हेपेटाइटिस ए व बी शामिल थे।

जहाज टोस्का की रिहाई के लिए यूएन पहुंचा ईरान, अमेरिका के खिलाफ की शिकायत; बिना शर्त छोड़ने की रखी मांग

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। ईरान और अमेरिका के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ता हुआ नजर आ रहा है। ईरान ने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) से अपील की है कि वह अमेरिका पर दबाव डाले ताकि ईरान के एक व्यावसायिक जहाज टोस्का और उसके चालक दल को तुरंत रिहा किया जा सके। ईरान के संयुक्त राष्ट्र में राजदूत अमीर सईद इरावानी ने इस मुद्दे को लेकर संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस और सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष को एक पत्र लिखा है। इस पत्र में उन्होंने अमेरिका के इस कदम पर गंभीर चिंता जताई है। पूरे मामले को ऐसे समझिए कि ईरान का कहना है कि उसका एक व्यापारिक जहाज टोस्का को अमेरिकी बलों ने ओमान सागर में, ईरान के तट के पास पकड़ लिया। यह घटना एक दिन पहले हुई बताई जा रही है। राजदूत इरावानी के मुताबिक, यह कार्रवाई जबरदस्ती और धमकी के साथ की गई और जहाज के कर्मचारियों और उनके परिवारों की जान को खतरे में डाला गया। उन्होंने इस घटना को गैरकानूनी और शत्रुतापूर्ण बताया। अब इस मामले में ईरान का आरोप है कि अमेरिका की यह कार्रवाई अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ है। ईरान ने दावा किया है कि यह एक तरह से समुद्री डकैती जैसा व्यवहार है। इससे दुनिया के अहम समुद्री रास्तों की सुरक्षा को खतरा पैदा होता है।

इरावानी ने कहा कि इस तरह की घटनाएं क्षेत्र और दुनिया की शांति को बिगाड़ सकती हैं। इसके साथ ही ईरान ने यह भी दावा किया कि यह घटना उस संघर्षविराम का उल्लंघन है, जिसकी घोषणा अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 7 अप्रैल को की थी। ऐसे में अब ईरान ने संयुक्त राष्ट्र से मांग की है कि अमेरिका की इस कार्रवाई की कड़ी निंदा की जाए और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। इतना ही नहीं मामले में ईरान का यह भी कहना है कि जहाज, उसके कर्मचारियों और उनके परिवारों को तुरंत और बिना शर्त रिहा किया जाए।

यूएस दौरे पर भारतीय सेना प्रमुखः द्विपक्षीय सैन्य संबंध मजबूत करने की कवायद, मुक्त और समृद्ध हिंद-प्रशांत पर जोर

अमेरिका, एजेंसी। अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने आज जनरल उपेंद्र द्विवेदी का इंडिया हाउस में स्वागत किया। यह मुलाकात जनरल द्विवेदी के वॉशिंगटन डीसी में प्रस्तावित आधिकारिक कार्यक्रमों से पहले हुई। अमेरिका स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि भारतीय नौसेना प्रमुख और वायुसेना प्रमुख की हालिया यात्राओं के बाद सेना प्रमुख का यह दौरा भारत और अमेरिका के बीच लगातार बढ़ रहे उच्चस्तरीय सैन्य आदान-प्रदान को आगे बढ़ाता है। दूतावास ने कहा कि यह यात्रा दोनों देशों के रक्षा संबंधों को और मजबूत करेगी, जो व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी का प्रमुख स्तंभ है, और मुक्त, खुले व समृद्ध इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के साझा लक्ष्य को आगे बढ़ाएगी।

इससे पहले 21 अप्रैल को जनरल द्विवेदी ने होनोलूलू में जनरल रोनाल्ड पी. क्लार्क और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की थी। बैठक में भारत-अमेरिका रक्षा सहयोग को मजबूत करने तथा इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और स्थिरता के साझा विजन को आगे बढ़ाने पर चर्चा हुई।

द्विवेदी को मिला गार्ड ऑफ ऑनर का सम्मान : फोर्ट शाफ्टर स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डे पर पहुंचने पर जनरल द्विवेदी को औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद उन्होंने ओहू द्वीप का हवाई दौरा किया, जहां उन्हें प्रशिक्षण व्यवस्था, सैन्य संरचना और मल्टी-डोमेन ऑपरेशनल तैयारियों की जानकारी दी गई। भारतीय सेना के अतिरिक्त जनसंपर्क महानिदेशालय ने कहा कि सेना प्रमुख की यह यात्रा दोनों देशों के बीच सामरिक विश्वास और रक्षा सहयोग को नई दिशा देने वाली है।

भारत और अमेरिकी वायुसेना प्रमुखों की हुई थी वार्ता : इस महीने की शुरुआत में भारत और अमेरिका ने वायुसेना प्रमुखों के बीच हुई उच्चस्तरीय वार्ता में भी रणनीतिक रक्षा साझेदारी दोहराई थी। 8 अप्रैल को एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने अमेरिका का आधिकारिक दौरा किया था। इस दौरान उनका जॉइंट बेस एनाकोस्टिया-बोलिंग में पूर्ण सैन्य सम्मान के साथ स्वागत किया गया। बाद में एयर चीफ मार्शल सिंह ने पेंटागन से ट्रॉय मिंक और जनरल केनेथ विल्सबैक में मुलाकात की। वार्ता के दौरान इंटरऑपरेबिलिटी, संयुक्त प्रशिक्षण, क्षेत्रीय प्रतिरोधक क्षमता और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में सुरक्षा सहयोग पर जोर दिया गया।

अमेरिकी वायुसेना नेतृत्व ने कहा कि भारत के साथ रक्षा साझेदारी वॉशिंगटन की रणनीतिक प्राथमिकताओं में केंद्रीय स्थान रखती है। जनरल विल्सबाख ने बहुपक्षीय सैन्य अभ्यासों में भारत की सक्रिय भूमिका और नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे सहयोग का विस्तार क्षेत्रीय सुरक्षा और संतुलन मजबूत करने में अहम होगा।

ईरानी सेना की ताकत अब भी मजबूत', पेंटागन रिपोर्ट में खुलासा; ट्रंप-हेगसेथ के दावों पर उठे सवाल

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी रक्षा विभाग (पेंटागन) की खुफिया शाखा की एक नई रिपोर्ट ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हलचल मचा दी है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ईरान की सैन्य क्षमता अभी भी मुख्य रूप से मजबूत बनी हुई है, जिससे अमेरिकी नेतृत्व के हालिया बयानों पर सवाल खड़े हो गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, डोनाल्ड ट्रंप और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने पहले दावा किया था कि हालिया संघर्षों के बाद ईरान की सेना को भारी नुकसान हुआ है और उसकी ताकत काफी कमजोर हो चुकी है। लेकिन पेंटागन की खुफिया रिपोर्ट इन दावों से पूरी तरह असहमत नजर आ रही है। ट्रंप ने बढ़ाया युद्ध विराम,

पाकिस्तान की अपील का दिया हवाला इस आंतरिक खुफिया आकलन के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ युद्ध विराम को और बढ़ाने की घोषणा की है। उन्होंने इस निर्णय का कारण पाकिस्तानी नेतृत्व द्वारा एक नियोजित सैन्य हमले में देरी के लिए की गई सीधी अपील को बताया। यह घोषणा पिछले समय-सीमा समाप्त होने से कुछ घंटे पहले सार्वजनिक की गई।

हालांकि, इस घोषणा का तेहरान से तत्काल विरोध हुआ। ईरान के संसद अध्यक्ष के एक सलाहकार, महदी मोहाम्मदी ने अमेरिकी कदम को खारिज करते हुए कहा कि हारने वाला पक्ष शर्तें तय नहीं कर सकता। उन्होंने तर्क दिया कि यह विस्तार ईरानी सरकार के लिए कुछ भी मायने नहीं रखता और अमेरिकी सेना के खिलाफ सैन्य वृद्धि का आह्वान किया। एक्स पर एक पोस्ट में, मोहाम्मदी ने कहा कि ट्रंप द्वारा युद्ध विराम का विस्तार कुछ भी मायने नहीं रखता क्योंकि हारने वाला पक्ष शर्तें तय नहीं कर सकता। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि घेराबंदी जारी रखना बमबारी से अलग नहीं है और इसका जवाब सैन्य रूप से दिया जाना चाहिए। बीते दिनों दोनों देशों के बीच इस्लामाबाद में हुई 21 घंटे की लंबी बातचीत के बाद एक दीर्घकालिक समझौते को सुरक्षित करने का पिछला प्रयास बिना किसी सफलता के समाप्त हो गया था, जिससे तनाव और बढ़ गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरान की सैन्य शक्ति अभी भी पश्चिम एशिया में एक महत्वपूर्ण और प्रभावशाली स्थिति बनाए हुए है। उसके सैन्य ढांचे को पूरी तरह कमजोर नहीं किया जा सका है।

युद्ध विराम विस्तार पर ट्रंप के दावे पर ईरान का जवाब क्या, पाक में शांति वार्ता कहां तक पहुंची?

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव एक बार फिर विस्फोटक मोड़ पर पहुंच गया है, जहां कूटनीति की धागे लगातार उलझते जा रहे हैं। युद्ध विराम को लेकर बनी नाजुक सहमति अब डगमगाने लगी है और दोनों देशों के बीच भरोसे की खाई और गहरी होती दिख रही है। इसी बीच बड़ा राजनीतिक उलटफेर तब सामने आया है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के युद्ध विराम को बढ़ाने के एलान के कुछ ही समय बाद ईरान ने अमेरिका की शर्तों को सिरे से खारिज कर दिया है। ईरान के सरकारी प्रसारक आईआरआईबी के अनुसार, तेहरान ने साफ कर दिया है कि वह किसी भी दबाव, शर्त या धमकी के आधार पर बातचीत नहीं करेगा। हालांकि इसके बावजूद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि युद्ध विराम को आगे बढ़ाया जा रहा है। पाकिस्तान में शांति वार्ता की अटकलों के बीच ईरान का यह दो टूक अंदाज न सिर्फ कूटनीतिक टकराव को तेज करता है, बल्कि पहले से तनावग्रस्त पश्चिम एशिया की स्थिति को और अधिक विस्फोटक बना देता है।

ईरान की दो टूक और ट्रंप का दावा समझिए : बता दें कि ईरान की तरफ से ट्रंप के बयान पर आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन शुरुआती संकेतों में ईरान ने अमेरिकी दावों पर शक जताया है और कहा है कि उसने संघर्षविराम बढ़ाने की कोई मांग नहीं की। आईआरआईबी की रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरान ने अमेरिका की बातचीत की शर्तों को स्वीकार नहीं

किया है। ट्रंप ने एकतरफा तरीके से युद्ध विराम को बढ़ाया है। दूसरी ओर मामले में युद्ध विराम को बढ़ाने का एलान करते हुए इससे पहले ट्रंप ने कहा था कि उन्होंने यह फैसला इसलिए लिया क्योंकि ईरान की सरकार अंदर से बंटी हुई है। इसलिए उसे एक साथ मिलकर प्रस्ताव तैयार करने का समय दिया जाना चाहिए। ट्रंप के अनुसार, यह निर्णय पाकिस्तान के सेना प्रमुख सैयद आसिम मुनीर और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के अनुरोध के बाद लिया गया।

ट्रंप ने अपने एलान में क्या कहा था : बता दें कि इससे पहले ट्रंप ने दावा किया था कि अमेरिका ने ईरान पर हमला रोकने का फैसला किया है। जब तक ईरान एक एकजुट प्रस्ताव नहीं देता, तब तक संघर्षविराम जारी रहेगा। ट्रंप ने यह भी कहा कि अमेरिकी सेना अपनी तैयारी बनाए रखेगी।

अभी क्या है युद्ध विराम की स्थिति : यह संघर्षविराम इस महीने की शुरुआत में बातचीत के लिए शुरू किया गया था, लेकिन दोनों देशों के बीच भरोसा कमजोर बना हुआ है। स्थिति अभी भी अस्थिर है। इस बीच रिपोर्ट में यह कहा गया है कि अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की पाकिस्तान यात्रा फिलहाल रोक दी गई है, क्योंकि ईरान ने अमेरिकी प्रस्तावों का कोई जवाब नहीं दिया है।

वे इज्जत बचाना चाह रहे.., ईरान और उसके नेताओं के खात्मे तक डील असंभव'; ट्रंप का इशारा क्या?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच टकराव अब कूटनीति की पतली डोर पर झूल रहा है, जहां शांति के प्रयासों के बीच युद्ध का साया गहराता जा रहा है। ऐसे में अब एक बार फिर ईरान को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सख्त रुख ने वैश्विक चिंता को सातवें आसमान पर पहुंचा दिया है। उन्होंने कहा कि होर्मुज को लेकर ईरान सिर्फ इज्जत बचाने का खेल खेल रहा है। अपने बयान में ट्रंप ने साफ-साफ कहा कि ईरान वास्तव में होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद नहीं करना चाहता, बल्कि उसे खुला रखना चाहता है। उनके मुताबिक, ऐसा इसलिए है क्योंकि ईरान इस रास्ते से हर दिन लगभग 500 मिलियन डॉलर (करीब 4,000 करोड़ रुपये) की कमाई करता है। ट्रंप ने ये बातें अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर पोस्ट में कही। जहां उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि ईरान केवल दिखावे के लिए यह कह रहा है कि वह इस जलडमरूमध्य को बंद करना चाहता है।

होर्मुज को लेकर फिर किया बड़ा दावा : अपने पोस्ट में एक बार फिर ट्रंप ने होर्मुज को लेकर बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि असल में अमेरिका ने इस रास्ते को पूरी तरह से ब्लॉक (बंद) कर रखा है, इसलिए ईरान अपनी इज्जत बचाने के लिए ऐसी बातें कर रहा है। ट्रंप के अनुसार, कुछ लोगों ने उनसे संपर्क कर बताया कि ईरान तुरंत इस रास्ते को खोलना चाहता है। यानी, ईरान खुद भी समझता है कि यह रास्ता बंद रहने से उसे भारी आर्थिक नुकसान हो रहा है।

ईरान को फिर ट्रंप की दो टूक, इशारा क्या : अपने पोस्ट में ट्रंप ने एक बार फिर बड़ा दावा करते हुए कहा कि अभी चार दिन पहले कुछ लोग उनके पास आए और बताया कि ईरान चाहता है कि होर्मुज को तुरंत खोल दिया जाए। ट्रंप ने आगे कहा कि अगर अमेरिका इस रास्ते को खोल देता है, तो फिर ईरान के साथ किसी भी तरह की बातचीत या समझौता संभव नहीं रहेगा। उन्होंने बेहद कड़े शब्दों में दो टूक अंदाज

में कहा कि ऐसी स्थिति में तब तक कोई डील नहीं हो सकती, जब तक ईरान और उसके नेताओं के खिलाफ पूरी तरह सख्त कार्रवाई न की जाए। इस बात को ऐसे समझिए कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य वैश्विक चिंता का केंद्र बन गई है। यह संकरा समुद्री रास्ता फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी से जोड़ता है और दुनिया के सबसे बड़े तेल ट्रांजिट मार्गों में गिना जाता है। अनुमान है कि वैश्विक तेल आपूर्ति का बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से गुजरता है, जिससे एशिया, यूरोप और अन्य देशों की ऊर्जा जरूरतें पूरी होती हैं। ऐसे में अगर यह जलडमरूमध्य किसी भी कारण से बंद होती है, तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की सप्लाई अचानक घट सकती है। इसका सीधा असर पेट्रोल-डीजल की कीमतों, महंगाई और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। भारत जैसे आयात पर निर्भर देशों के लिए स्थिति और गंभीर हो सकती है। यही वजह है कि होर्मुज सिर्फ एक समुद्री रास्ता नहीं, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा माना जाता है। यहां पैदा होने वाला कोई भी संकट पूरी दुनिया में आर्थिक अस्थिरता और रणनीतिक तनाव को बढ़ा सकता है।

धूम्रपान न करने वाले कम उम्र के लोगों में भी बढ़ रहा फेफड़ों का कैंसर, रिसर्च में चौंकाने वाला दावा : वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के शोधकर्ताओं ने पाया है कि 50 वर्ष से कम उम्र के ऐसे लोगों में भी फेफड़ों के कैंसर के मामले बढ़ रहे हैं, जिन्होंने कभी धूम्रपान नहीं किया। अध्ययन में विशेष रूप से यह भी सामने आया कि युवा धूम्रपान न करने वाली महिलाओं में यह जोखिम पुरुषों की तुलना में अधिक देखा गया। यूएससी नॉरिस कॉम्प्रिहेंसिव कैंसर सेंटर और केक मेडिसिन ऑफ यूएससी के वैज्ञानिकों द्वारा किए गए इस शोध को अमेरिकन एसोसिएशन फॉर कैंसर रिसर्च की वार्षिक बैठक में प्रस्तुत किया गया। शोधकर्ताओं का कहना है कि यह प्रवृत्ति फेफड़ों के कैंसर के बदलते स्वरूप की ओर संकेत करती है और इसके पीछे पर्यावरणीय कारणों की गहराई से जांच की जरूरत है। अध्ययन में लगभग 187 ऐसे मरीजों का विश्लेषण किया गया।

जांघों में खुजली क्यों होती है?

गर्मियों में पसीना बढ़ने के साथ शरीर में खुजली की समस्या आम हो जाती है। खासकर जांघों के बीच होने वाली खुजली कई बार असहज स्थिति पैदा कर देती है। अक्सर लोग इसे साधारण समस्या समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन कई मामलों में यह शरीर के अंदर की कमी या इंफेक्शन का संकेत भी हो सकती है। इसलिए इसका सही कारण समझना बेहद जरूरी है।

जांघों में खुजली के मुख्य कारण

जांघों में खुजली कई वजहों से हो सकती है। सबसे आम कारण ज्यादा पसीना आना है, जिससे त्वचा में नमी बनी रहती है और बैक्टीरिया या फंगस पनपने लगते हैं। इसके अलावा फंगल इंफेक्शन भी एक बड़ी वजह है, जो खासकर गर्म और नम जगहों पर जल्दी फैलता है। टाइट कपड़े पहनने से त्वचा पर रगड़ होती है, जिससे जलन और खुजली बढ़ जाती है। अगर अंडरवियर समय पर नहीं बदला जाए या साफ-सफाई का ध्यान न रखा जाए, तो भी यह समस्या बढ़ सकती है। साथ ही, शरीर में जरूरी पोषक तत्वों की कमी भी खुजली का कारण बन सकती है।

किस विटामिन की कमी से होती है खुजली?

एक्सपर्ट्स के अनुसार, जांघों में खुजली का एक अहम कारण विटामिन क्की कमी हो सकता है। खासतौर पर विटामिन क्ब्2, क्ब्6 और क्ब्12 की कमी से त्वचा ड्राई और संवेदनशील हो जाती है। जब त्वचा में नमी कम हो जाती है, तो उसमें खुजली, जलन और रूखापन बढ़ने लगता है। इसलिए शरीर में इन विटामिन्स का संतुलन बनाए रखना जरूरी है, ताकि त्वचा स्वस्थ बनी रहे।

आयुर्वेद के अनुसार कारण

आयुर्वेद में खुजली को 'कंडू' कहा जाता है। इसके अनुसार यह समस्या शरीर में पित्त और कफ दोष के असंतुलन की वजह से होती है। जब हम ज्यादा तला-भुना, मसालेदार या मीठा खाना खाते हैं, तो यह असंतुलन और बढ़ जाता है। इसका असर त्वचा पर दिखने लगता है और खुजली की समस्या बढ़ सकती है। इसलिए संतुलित और हल्का भोजन करना फायदेमंद होता है।

खुजली से राहत पाने के आसान उपाय

खुजली से राहत पाने के लिए कुछ आसान घरेलू उपाय अपनाए जा सकते हैं। नहाने के पानी में नीम के पत्ते उबालकर मिलाने से त्वचा के बैक्टीरिया खत्म होते हैं और खुजली में आराम मिलता है। सही खानपान भी बहुत जरूरी है। डाइट में विटामिन से भरपूर फल और हरी सब्जियां शामिल करें, ताकि शरीर की इम्युनिटी मजबूत रहे। नारियल तेल और एलोवेरा जेल को मिलाकर लगाने से त्वचा को ठंडक मिलती है और खुजली कम होती है। इसके साथ ही हमेशा साफ और ढीले कपड़े पहनें, रोज अंडरवियर बदलें और शरीर को सूखा रखने की कोशिश करें, ताकि इंफेक्शन का खतरा कम हो सके।

कब डॉक्टर से सलाह लें?

अगर खुजली लंबे समय तक बनी रहती है या बहुत ज्यादा बढ़ जाती है, तो इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। ऐसी स्थिति में डॉक्टर से तुरंत सलाह लेना जरूरी है, ताकि सही कारण का पता लगाकर समय पर इलाज किया जा सके।

हर दिन तिल खाने से मिलेंगे ये फायदे, दांत और मसूड़े भी रहेंगे मजबूत

आयुर्वेद में तिल को हमेशा से ही एक 'पोषण का खजाना' माना गया है। ये छोटे-छोटे बीज दिखने में भले ही साधारण लगें, लेकिन इनके अंदर सेहत के लिए कई बड़े फायदे छिपे होते हैं। खासकर दांत, मसूड़े और हड्डियों की मजबूती के लिए तिल बेहद उपयोगी माना जाता है।

दांत और मसूड़ों को बनाता है मजबूत

तिल में भरपूर मात्रा में कैल्शियम पाया जाता है, जो दांतों की मजबूती के लिए जरूरी होता है। नियमित रूप से तिल का सेवन करने से दांतों की जड़ें मजबूत होती हैं और मसूड़ों की कमजोरी दूर होती है। इसके अलावा इसमें मौजूद फॉस्फोरस दांतों की संरचना को मजबूत बनाता है, जिससे दांत लंबे समय तक स्वस्थ रहते हैं।

हड्डियों के लिए भी फायदेमंद

तिल सिर्फ दांतों ही नहीं, बल्कि हड्डियों के लिए भी बहुत लाभकारी है। इसमें मौजूद कैल्शियम, मैग्नीशियम और जिंक हड्डियों को मजबूत बनाते हैं और उम्र बढ़ने के साथ होने वाली कमजोरी को कम करते हैं।

खून की कमी और इम्युनिटी में मददगार

वहीं जिंक शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्युनिटी) को बढ़ाता है, जिससे शरीर कई बीमारियों से बचा रहता है।तिल में आयरन भी पाया जाता है, जो शरीर में खून की कमी (एनीमिया) को दूर करने में मदद करता है।

दिल की सेहत के लिए भी अच्छा

तिल में मौजूद हेल्दी फैट्स और एंटीऑक्सीडेंट्स खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करते हैं। इससे दिल की सेहत बेहतर रहती है और हार्ट से जुड़ी समस्याओं का खतरा कम हो सकता है।

पाचन तंत्र को करता है मजबूत

तिल में मौजूद फाइबर पाचन तंत्र को बेहतर बनाने में मदद करता है। यह कब्ज जैसी समस्याओं को कम करता है और पेट को साफ रखने में सहायक होता है।

त्वचा और बालों के लिए भी लाभकारी

तिल के एंटीऑक्सीडेंट्स त्वचा को निखार देने और बालों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। यही वजह है कि कई स्किन और हेयर केयर प्रोडक्ट्स में भी तिल का उपयोग किया जाता है। छोटे दिखने वाले तिल के बीज वास्तव में सेहत का बड़ा खजाना हैं। इन्हें संतुलित मात्रा में अपने दैनिक आहार में शामिल करके शरीर को कई तरह के फायदे मिल सकते हैं।

बार-बार जम्हाई आना हो सकता है गंभीर बीमारी का संकेत

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में जम्हाई आना एक आम बात मानी जाती है। अक्सर लोग इसे नींद की कमी, थकान या बोरियत से जोड़कर नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कई बार यही साधारण सी लगने वाली जम्हाई शरीर के अंदर छिपी किसी गंभीर समस्या का संकेत भी हो सकती है? अगर आपको बिना किसी स्पष्ट वजह के बार-बार जम्हाई आने लगे, तो यह सिर्फ थकान नहीं बल्कि शरीर के अंदर चल रही गड़बड़ी का इशारा हो सकता है। आइए जानते हैं इसके पीछे छिपे कारण और कब आपको सतर्क हो जाना चाहिए।

दिमाग से जुड़ी समस्याओं का संकेत

लगातार और अनियंत्रित जम्हाई कई बार न्यूरोलॉजिकल यानी दिमाग से जुड़ी बीमारियों से जुड़ी हो सकती है। यह स्थिति मिर्गी, आघात या ब्रेन में चोट जैसी समस्याओं से संबंधित हो सकती है। कुछ मामलों में यह फ्रंटल लोब सीजर का हिस्सा भी हो सकती है, जिसमें दिमाग का एक हिस्सा असामान्य रूप से सक्रिय हो जाता है। ऐसे में शरीर बार-बार जम्हाई लेने लगता है क्योंकि दिमाग के सामान्य कार्य प्रभावित होने लगते हैं।

ऑटोनॉमिक नर्वस सिस्टम में गड़बड़ी

जम्हाई का संबंध सिर्फ दिमाग से ही नहीं, बल्कि शरीर के स्वतंत्र तंत्रिका प्रणाली से भी होता है। यह सिस्टम दिल की धड़कन, ब्लड प्रेशर और पाचन जैसी प्रक्रियाओं को नियंत्रित करता है। जब इसमें असंतुलन आता है, तो बार-बार जम्हाई आ सकती है। रिसर्च के अनुसार, जम्हाई के दौरान शरीर का पैरासिम्पेथेटिक सिस्टम अधिक सक्रिय हो जाता है, जिससे शरीर रिलैक्स मोड में चला जाता है।

दिमाग के तापमान से जुड़ा संबंध

कुछ वैज्ञानिक मानते हैं कि जम्हाई का संबंध दिमाग के तापमान को नियंत्रित करने से भी होता है। जब दिमाग गर्म होने लगता है, तो जम्हाई के जरिए ठंडी हवा अंदर जाती है, जिससे दिमाग को ठंडा करने में मदद मिलती है। हालांकि, यह सिद्धांत अभी भी शोध का विषय है।

कब सतर्क होना जरूरी है?

हर बार जम्हाई आना किसी बीमारी का संकेत नहीं होता।

अक्सर इसके पीछे ये सामान्य कारण हो सकते हैं

नींद की कमी होना।

ज्यादा काम या थकान

बोरियत या मानसिक थकावट

लेकिन अगर आपको ये लक्षण दिखाई दें, तो तुरंत सावधान हो जाएं

बिना वजह बार-बार जम्हाई आना

चक्कर आना

कमजोरी महसूस होना

ध्यान लगाने में परेशानी

सोचने-समझने में बदलाव

ऐसी स्थिति में तुरंत डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है।

क्यों जरूरी है समय पर जांच?

अगर जम्हाई किसी गंभीर समस्या का संकेत है, तो समय रहते जांच और इलाज बहुत जरूरी हो जाता है। शुरुआत में ही ध्यान देने से बड़ी बीमारियों से बचा जा सकता है और स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखा जा सकता है। जम्हाई आना एक सामान्य प्रक्रिया है, लेकिन जब यह बार-बार और बिना कारण होने लगे, तो इसे हल्के में लेना सही नहीं है। शरीर अक्सर छोटे-छोटे संकेतों के जरिए हमें बड़ी समस्याओं के बारे में पहले ही चेतावनी देता है। इसलिए अपनी सेहत को नजरअंदाज न करें और किसी भी असामान्य लक्षण को समय रहते समझकर सही कदम उठाएं।

गले के कैंसर की शुरुआत किन वजहों से होती है?

5 कारण जरूर जानें

गले का कैंसर एक गंभीर बीमारी है जो धीरे-धीरे विकसित होती है। शुरुआत में इसके लक्षण सामान्य गले की समस्या जैसे लगते हैं, इसलिए लोग अक्सर इन्हें नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन अगर समय रहते इसके संकेत पहचान लिए जाएं, तो इलाज आसान हो सकता है और बीमारी को गंभीर होने से रोका जा सकता है।

गले में कैंसर कैसे शुरू होता है?

गले का कैंसर तब शुरू होता है जब गले की कोशिकाएं असामान्य तरीके से बढ़ने लगती हैं। यह स्थिति लंबे समय तक गले में जलन, संक्रमण या लगातार नुकसान की वजह से विकसित हो सकती है। शुरुआत में यह समस्या साधारण इंफेक्शन जैसी लगती है, लेकिन धीरे-धीरे गंभीर रूप ले सकती है।

लगातार गले में खराश रहना

अगर गले में खराश या दर्द 2-3 हफ्ते से ज्यादा समय तक बना रहे, तो इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। आमतौर पर लोग इसे सामान्य सर्दी-खांसी समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन यह शुरुआती संकेत हो सकता है।

आवाज में बदलाव आना

गले के कैंसर की शुरुआत में आवाज भारी या बदल जाती है। यह बदलाव लंबे समय तक बना रहता है और दवा लेने के बाद भी ठीक नहीं होता। अगर आवाज लगातार बदल रही हो, तो डॉक्टर से जांच कराना जरूरी है।

गर्दन या गले में गांठ बनना

गले या गर्दन में किसी भी तरह की सूजन या गांठ का बनना चिंता का विषय हो सकता है। अगर यह गांठ समय के साथ कम न हो और लगातार बनी रहे, तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

खांसी में खून आना

अगर खांसी के दौरान खून आने लगे, तो यह एक गंभीर संकेत हो सकता है। गले में दर्द के साथ खून आना सामान्य बात नहीं है और तुरंत मेडिकल जांच की जरूरत होती है।

गले में लगातार जलन या असहजता

गले में लंबे समय तक जलन, खिंचाव या कुछ अटका हुआ महसूस होना भी शुरुआती लक्षणों में शामिल हो सकता है। यह समस्या लगातार बनी रहे तो डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है।

किन बातों का ध्यान रखना जरूरी है?

गले के कैंसर के शुरुआती लक्षण अक्सर सामान्य बीमारियों जैसे लगते हैं, इसलिए लोग इन्हें नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन अगर कोई भी लक्षण लंबे समय तक बना रहे, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। गले का कैंसर धीरे-धीरे बढ़ने वाली बीमारी है, लेकिन इसके शुरुआती संकेतों को पहचानकर समय पर इलाज शुरू किया जा सकता है। लगातार गले में परेशानी, आवाज में बदलाव या गांठ जैसे लक्षणों को कभी भी नजरअंदाज न करें और तुरंत विशेषज्ञ से जांच करवाएं।

सिगरेट की कश कहीं ले न ले आपकी जान, एक्सीडेंट और हार्ट अटैक से ज्यादा स्मोकिंग से मर रहे लोग

धूम्रपान वास्तव में बहुत हानिकारक है। यह बात ज्यादातर लोग जानते हैं। यहां तक ??कि धूम्रपान करने वाले भी मानते हैं कि धूम्रपान स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। लेकिन ज्यादातर लोग यह नहीं जानते कि यह कितना नुकसानदायक है। हर साल धूम्रपान से मरने वालों की संख्या शराब, मादक पदार्थों के सेवन, कार दुर्घटनाओं, आत्महत्याओं और हत्याओं से होने वाली कुल मौतों की संख्या से कहीं अधिक है। डॉक्टरों और स्वास्थ्य संगठनों के अनुसार, इसके सेवन से हर साल लाखों लोगों की जान चली जाती है। इसके बावजूद, बीड़ी, सिगरेट, गुटखा और खैनी जैसी आदतें कई देशों में आम बनी हुई हैं।

सिगरेट क्यों है इतना खतरनाक-सिगरेट में निकोटिन और कई जहरीले रसायन होते हैं जो शरीर के लगभग हर अंग को नुकसान पहुंचाते हैं। यह धीरे-धीरे शरीर को अंदर से कमजोर करता है और कई गंभीर बीमारियों का कारण बनता है। सिगरेट के सेवन से फेफड़ों का कैंसर, मुंह का कैंसर, गले का कैंसर और अन्य कई प्रकार के कैंसर होने का खतरा बहुत बढ़ जाता है। यह ब्लड वेसल्स को नुकसान पहुंचाता है, जिससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। सिगरेट से क्रॉनिक ब्रोंकाइटिस और सीओपीडी जैसी गंभीर सांस की बीमारियां हो सकती हैं, जिससे सांस लेना मुश्किल हो जाता है। मुंह में संक्रमण, दांतों का पीला पड़ना और मसूड़ों की बीमारी भी तंबाकू का बड़ा असर है।

पैसिव स्मोकिंग भी है खतरनाक - सिर्फ सिगरेट पीने वाला ही नहीं, बल्कि उसके आसपास रहने वाले लोग भी सेकेंड हैंड स्मोक के कारण प्रभावित होते हैं। बच्चों और गर्भवती महिलाओं पर इसका असर और भी गंभीर हो सकता है। सिगरेट छोड़ना आसान नहीं होता, लेकिन संभव जरूर है। इसके लिए काउंसलिंग और मेडिकल सहायता, निकोटिन रिप्लेसमेंट थेरेपी, परिवार और समाज का समर्थन बहुत मददगार हो सकता है।

एक नजर

केदारनाथ में श्रद्धालु की मौत पर प्रशासन ने रखा अपना पक्ष

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ धाम में हुई एक श्रद्धालु की मृत्यु के मामले में वायरल हुए वीडियो पर जिला प्रशासन ने अपना पक्ष रखा है। प्रशासन ने कहा कि अपनी ओर से त्वरित कार्रवाई करते हुए शव को जिला अस्पताल पहुंचाया गया था। बुधवार सुबह केदारनाथ धाम में गुजरात के 69 वर्षीय श्रद्धालु दिलीप भाई मनु माली की अचानक तबीयत बिगड़ गई थी। परिजन उन्हें केदारनाथ स्थित स्वास्थ्य केंद्र ले गए जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित किया। परिजनों ने प्रशासन से शव को हेलिकॉप्टर से जिला अस्पताल भेजने की मांग की। मगर शव ले जाने में देरी होने पर परिवारजनों ने जिला प्रशासन पर उन्हें नजर अंदाज करने के आरोप लगाए। इस पर प्रशासन ने अपना पक्ष रखा है। एसडीएम ऊखीमठ अनिल रावत ने कहा कि 22 अप्रैल को सुबह 6:30 बजे पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना मिली कि केदारनाथ में व्हाइट हाउस के पास एक व्यक्ति अचेत अवस्था में पड़ा है। सूचना मिलते ही वाईएमएफ की टीम ने तुरंत उसे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र केदारनाथ पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद प्रशासन ने संवेदनशीलता दिखाते हुए शव को हेलिपैड तक पहुंचाया। उस समय हेलिकॉप्टर सेवा बाधित थी लेकिन जैसे ही सेवा शुरू हुई शव को जामू हेलिपैड भेजा गया और वहां से जिला अस्पताल रुद्रप्रयाग लाया गया। उन्होंने कहा कि पूरी प्रक्रिया में त्वरित कार्रवाई और मानवीय दृष्टिकोण अपनाया गया।

मंगोली चारी में 51.99 लाख से बनेगा पशु चिकित्सालय भवन

रुद्रप्रयाग। नगर पंचायत ऊखीमठ के ओंकारेश्वर वार्ड स्थित मंगोली चारी में जल्द 51.99 लाख रुपये की लागत से राजकीय पशु चिकित्सालय भवन का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए बृहस्पतिवार को नए भवन का शिलान्यास किया गया। केदारनाथ विधायक आशा नौटियाल ने पूजा–अर्चना कर निर्माण कार्य का शुभारंभ कराया। भवन पशुपालन विभाग की जिला योजना के तहत बनाया जाएगा। विधायक आशा नौटियाल ने कहा कि नए भवन के निर्माण से क्षेत्र के पशुपालकों को बेहतर और आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं मिलेंगी। इससे पशुधन के स्वास्थ्य में सुधार होगा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी आशीष रावत ने बताया कि यहां एक नाली जमीन पर पांच कक्ष एक लॉबी, दो बाथरूम, पशुओं के उपचार के लिए ट्रेविस तथा पशुओं को चिकित्सालय तक लाने के लिए रास्ते का निर्माण किया जाएगा। इस दौरान ऊखीमठ नगर पंचायत अध्यक्ष कुब्जा धर्मवाण मौजूद रहीं। कार्यक्रम में मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. आशीष रावत, अधिशासी अभियंता डॉ. मीनल गुलाटी, सहायक अभियंता सुशील तिवारी आदि मौजूद थे।

घर–घर पहुंचकर समझाया संस्थागत प्रसव का महत्व

रुद्रप्रयाग। जनपद में शत–प्रतिशत संस्थागत प्रसव सुनिश्चित करने के लिए स्वास्थ्य विभाग की ओर से घर–घर जाकर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। टीमों की ओर से गर्भवती और उनके परिजनों को अस्पताल में प्रसव के फायदे समझाए जा रहे हैं। बृहस्पतिवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राम प्रकाश के निर्देशन में स्वास्थ्य टीमों ने अप्रैल माह में संभावित प्रसव वाली 226 गर्भवती महिलाओं से संपर्क किया। वहीं मई माह की 215 गर्भवतियों से भी संपर्क किया जा रहा है। जिला स्तरीय टीम ने अगस्त्यमुनि ब्लॉक के गंधारी, दुर्गाधार, तड़ाग, तिलणी, जखोली ब्लॉक के जवाड़ी और ऊखीमठ ब्लॉक के मुनकटिया क्षेत्रों में घर–घर जाकर जानकारी दी। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सीमा टेकचंदानी ने बताया कि अस्पताल में प्रसव से मां और शिशु दोनों सुरक्षित रहते हैं और आपातस्थिति में तुरंत इलाज संभव होता है। साथ ही टीमें जन्म योजना, निःशुल्क 108 सेवा, खुशियों की सवारी, ईजा–बोई शगुन योजना, जननी सुरक्षा योजना और अन्य सुविधाओं की जानकारी भी दे रही हैं।

शिविर में पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

रुद्रप्रयाग। विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर राजकीय इंटर कॉलेज कोठगी में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों और स्थानीय लोगों को पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन, स्वच्छता, जैव विविधता और प्राकृतिक संसाधनों के संतुलित उपयोग की जानकारी दी गई। इस दौरान पेंटिंग और निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। वहीं विद्यालय परिसर में पौधरोपण किया गया और सभी को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई गई। साथ ही लोगों को उनके विधिक अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव पायल सिंह ने कहा कि पृथ्वी का संरक्षण प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है और सभी को जल, ऊर्जा संरक्षण और स्वच्छता को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। उन्होंने सभी को पर्यावरण से जुड़े कानूनों की जानकारी और उनका पालन करने को कहा।

महाभिषेक पूजा कर भोग अर्पित किया

चमोली। जिलासू में मां चंडिका देवी के नौ दिवसीय बन्याथ में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। छठे दिन सीरा बटाई और यज्ञ पुरुष के विवाह की प्रक्रियाएं हुईं। मंदिर समिति ने महाभिषेक पूजाएं कर भोग प्रसाद अर्पित किया। महायज्ञ में दुर्गा सप्तशती मंत्रों से आहुतियां दी गईं। ब्रह्म गुरुओं और ऐरवालों ने वाद्य यंत्रों से ब्रह्म निशान जागृत किया। पश्चाओं ने देव नृत्य कर भक्तों को आशीर्वाद दिया। 27 गांवों के ग्रामीणों ने सीरा निर्माण और यज्ञ पुरुष का विवाह संपन्न कराया।

जिला पंचायत सदस्य दौलत सिंह और उपाध्यक्ष लक्ष्मण खत्री ने अनुष्ठान में भाग लिया। उन्होंने कहा कि इन आयोजनों से हमारी पौराणिक संस्कृति और विरासत जीवंत है। मंदिर समिति अध्यक्ष दिलवर सिंह चौहान और सचिव ईश्वर राणा आदि मौजूद रहे।

सरकार जनता के द्वार कार्यक्रम में सड़क के मुद्दे उठे

चमोली। ब्लॉक नारायणबगड़ के ग्राम पंचायत जुनेर में सरकार जनता के द्वार कार्यक्रम आयोजित किया गया। निवर्तमान प्रधान नरेंद्र भंडारी की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में ग्रामीणों ने अधिकारियों के समक्ष समस्याएं रखीं। ग्रामीणों ने परखाल–जुनेर मार्ग का चौड़ीकरण और परखाल–जुनेर–धुलेट मार्ग के डामरीकरण की मांग उठाई। ग्रामीणों ने राजकीय उच्चतर प्राथमिक विद्यालय जुनेर के भवन निर्माण में देरी पर भी शिकायत की। कहा गया कि वर्ष 2025 की आपदा के बाद जुनेर में भूस्खलन सर्वेक्षण के बावजूद बचाव कार्य शुरू नहीं हुए हैं।

ग्राम धुलेट में जल संस्थान की ओर से पेयजल लाइन बिछाने के बाद भी पानी की आपूर्ति सुचारु न होने से संकट बना है। आपदा से क्षतिग्रस्त पातालपानी लाइन से भी पानी नहीं आ रहा है।

बदरीनाथ हाईवे : चटवापीपल पुल से वाहनों की आवाजाही शुरू

चमोली। चारधाम यात्रा शुरू होते ही बदरीनाथ हाईवे पर बना चटवापीपल पुल वाहनों की आवाजाही के लिए शुरू हो गया है। इससे यहां यातायात सुगम हो गया है। साथ ही बरसात में होने वाले भूस्खलन और सड़क बंद सहित जाम की समस्या से छुटकारा मिल जाएगा। बदरीनाथ यात्रा मार्ग पर कर्णप्रयाग और गौचर के मध्य चटवापीपल के पास गदेरे में लगातार दो वर्षों से भूस्खलन हो रहा था। बरसात के दौरान यहां कई बार सड़क बंद रहती है। सड़क संकरी होने और मलबा होने के कारण दलदल भी हो जाती थी जिससे जाम लगता था। बीते एक साल से एनएचआईडीसीएल यहां पुल निर्माण कर रहा था। अब चारधाम यात्रा शुरू होने के साथ ही चटवापीपल पुल भी वाहनों के लिए खोल दिया गया है। अब पुल पर वाहन फर्राटा भरने लगे हैं। टू लेन पुल बनने से अब यहां जाम की समस्या से निजात मिल गई है। स्थानीय सुनील नैनवाल का कहना है कि इस पुल से चारधाम यात्रा ही नहीं बल्कि रोजमर्रा के आवागमन करने वालों को भी लाभ मिलेगा। वहीं एनएचआईडीसीएल के प्रबंधक अंकित सिंह का कहना है कि पुल का निर्माण पूरा हो चुका है। भार क्षमता मापन के बाद वाहन यहां गुजरने लगे हैं। साथ ही हाईवे जहां जहां खराब है वहां भी ठीक करने के लिए युद्धस्तर पर काम किया जा रहा है।

कमेड़ा और उमट्टा में दिक्कतः बदरीनाथ हाईवे पर कमेड़ा एवं उमट्टा में अभी दिक्कत बनी है। यहां भूस्खलन से समस्या बनी है। कमेड़ा में सिंगल लेन में यातायात चल रहा है। हालांकि एनएचआईडीसीएल यहां युद्धस्तर पर सुधारीकरण कार्य कर रहा है।

हंगामें के बाद 100 से अधिक सिलिंडर बांटे

चमोली। इंडेन रसोई गैस सिलिंडरों की समय पर आपूर्ति न होने से नाराज उपभोक्ताओं ने सिमली स्थित इंडेन रसोई गैस कार्यालय में जमकर हंगामा किया। डीएसी कोड आने के बावजूद केवल 20 उपभोक्ताओं को ही सिलिंडर दिए गए जबकि गोदाम में सिलिंडर की गाड़ी थी। उपभोक्ताओं के हंगामे के बाद 100 से अधिक लोगों को सिलिंडर दिए गए। बृहस्पतिवार को इंडेन गैस एजेंसी के गोदाम से सिलिंडर लेने के लिए उपभोक्ताओं की सुबह से ही लाइन गई। पुष्कर रावत, आशीष नौटियाल और कैलाश आदि ने बताया कि डीएसी कोड जारी होने के बाद भी एजेंसी की ओर से केवल 20 लोगों को सिलिंडर दिए गए जबकि कार्यालय परिसर में सिलिंडरों से भरा ट्रक खड़ा था। फिर भी अन्य लोगों को मना कर दिया गया। कर्मियों ने ठेकेदार की ओर से सिलिंडरों की गिनती न होने की बात कही। इससे आक्रोशित उपभोक्ताओं ने प्रबंधन के खिलाफ हंगामा किया। तब जाकर एजेंसी की ओर से 100 से अधिक उपभोक्ताओं को सिलिंडर दिए गए। इंडेन गैस एजेंसी सिमली के प्रबंधक रजनी थपलियाल ने कहा कि सिलिंडर का ट्रक देर से आने के कारण उपभोक्ताओं को परेशानी हुई। ट्रक आने के बाद मानकों के अनुरूप सिलिंडर वितरित किए गए।

हाईटेक शौचालय बनाया, पानी का कनेक्शन लेना भूले

उत्तरकाशी। नगर के रामलीला मैदान में बना हाईटेक शौचालय का संचालन दो दिन से बंद है। पानी का कनेक्शन नहीं होने के कारण जल संस्थान ने पानी की आपूर्ति बंद कर दी है।

चारधाम यात्रियों सहित स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रामलीला मैदान में जनवरी में नगरपालिका बाड़ाहाट की ओर से हाईटेक शौचालय का निर्माण किया गया था। गत तीन माह से इसमें पानी की आपूर्ति अस्थायी रूप से हो रही थी। जल संस्थान की ओर से अब इसकी अस्थायी व्यवस्था को बंद कर दिया गया है लेकिन पालिका की ओर से तीन माह से पानी के कनेक्शन के लिए कोई कार्रवाई नहीं की गई।

गंगोत्री धाम और मार्कण्डेय पुरी मुखबा में धूमधाम से मनाया गंगा का जन्मोत्सव

उत्तरकाशी। गंगा के जन्मोत्सव गंगा सप्तमी पर्व पर गंगोत्री धाम और मार्कण्डेय पुरी मुखबा गांव में धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान गंगोत्री धाम में मां गंगा की विशेष पूजा–अर्चना के साथ मां गंगा की मूर्ति का शृंगार किया गया।

इसके बाद अब दिवाली लक्ष्मी पूजन तक गंगोत्री में श्रद्धालु मां गंगा के शृंगार दर्शन कर सकेंगे। वहीं मार्कण्डेय पुरी मुखबा में दीपदान, विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान के साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बृहस्पतिवार को गंगा सप्तमी पर गंगोत्री धाम मंदिर में सुबह से ही मां गांगा की विशेष पूजा अर्चना शुरू हो गई थी। ब्रह्म मुहूर्त पर गंगा के निर्वाण दर्शन करने के बाद तीर्थ पुरोहितों ने दुग्धाभिषेक, जलाभिषेक, फल, शृंगार चढ़ाने के बाद गंगा स्तुति, सहस्त्रनाम पाठ, गंगा लहरी पाठ व श्री शुक्त पाठ के बाद मंगल आरती की। इसके बाद धाम में मौजूद सभी तीर्थ पुरोहितों ने मां गंगा के शृंगार दर्शन किए। मंदिर में शृंगार दर्शन के बाद तीर्थ पुरोहितों, गंगा सभा व मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने मां गंगा से देश की खुशहाली की कामना की। गंगोत्री धाम के तीर्थ पुरोहित राजेश सेमवाल ने बताया कि अक्षय तृतीय से पहले मां गंगा के निर्वाण दर्शन हुए थे लेकिन गंगा सप्तमी से लक्ष्मी पूजन तक शृंगार दर्शन होंगे। वहीं, मार्कण्डेय पुरी मखबा गांव में श्री गंगाजी सेवा ट्रस्ट की ओर से 11 हजार दीपदान किया गया। साथ ही धराली आपदा में दिव्यंगत लोगों व विश्व शांति के लिए हवन यज्ञ किया गया। वहीं, टकनौर क्षेत्र की महिला मंगल दल के साथ ही विभिन्न सांस्कृतिक दलों की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई। इस दौरान समाज में विभिन्न उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित किया गया। इस मौके पर अशोक सेमवाल, लोकेंद्र बिष्ट, हर्ष रावत, सीओ रविकांत सेमवाल आदि मौजूद रहे।

बनचौरा मार्ग पर गिरा चीड़ का जलता पेड़, आवाजाही बाधित

उत्तरकाशी। धरासू रेंज के अंतर्गत चिन्यालीसौड़ बनचौरा मोटर मार्ग पर कादला बैंड के पास बृहस्पतिवार सुबह एक चीड़ का जलता हुआ पेड़ सड़क पर गिर गया जिससे यातायात करीब आधा घंटे बाधित हो गया। जंगल में आग लगी होने के कारण पेड़ गिरा है। सूचना मिलते ही लोनिवि की जेसीबी और फायर सर्विस की टीम मौके पर पहुंची। टीम की ओर से पहले पेड़ में लगी आग को बुझाया गया। फिर पेड़ को काटकर सड़क से हटाया गया।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969
PRGI NO. 35469/79

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे ड्राईविंग लाईसेंस संख्या-UK-1520120018471 में मेरा नाम MOHSAIN KHAN अंकित हो गया है, जो कि गलत है, जबकि मेरा सही व वास्तविक नाम MOHSIN KHAN है, जो कि मेरे आधार कार्ड में अंकित है। अतः मेरे ड्राईविंग लाईसेंस संख्या UK-1520120018471 में मेरा सही व वास्तविक नाम MOHSIN KHAN दर्ज किया जाय।

मोहिसन खान पुत्र अब्दुल समी निवासी वार्ड नं. 10, प्रजापति नगर, लकड़ी पड़ाव, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।
(0503/21)

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे ड्राईविंग लाईसेंस संख्या-UK-1520120019702 में मेरे पिता का नाम नारायण सिंह दर्ज है, जो कि गलत है, जबकि मेरे पिताजी का सही व वास्तविक नाम बलदेव सिंह नेगी है। अतः मेरे उक्त संख्या-UK-1520120019702 में मेरे पिताजी का सही व वास्तविक नाम बलदेव सिंह नेगी अंकित किया जाये।

महाबीर सिंह पुत्र बलदेव सिंह नेगी निवासी ग्राम सतपुलीसैण, पोस्ट सतपुली, तहसील सतपुली, जिला पौडी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।
(0504/21)

जर्जर सड़कों के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन, गड्ढों में पौधारोपण कर जताया विरोध

अल्मोड़ा। शहर की खराब सड़कों और गहरे गड्ढों के विरोध में पूर्वी पोखरखाली में एनटीडी मार्ग पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने अनोखे तरीके से गड्ढों में पौधारोपण कर शासन–प्रशासन का ध्यान समस्या की ओर खींचने का प्रयास किया। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि सड़क की स्थिति बेहद खराब हो चुकी है, जिससे आम लोगों का आवागमन प्रभावित हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं और स्कूली बच्चों, बुजुर्गों तथा वाहन चालकों के लिए खतरा बना हुआ है, लेकिन इसके बावजूद भी संबंधित विभाग कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर रहा है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही सड़कों की मरम्मत नहीं की गई तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के कार्यालय में ताला लगाने जैसी कार्रवाई भी की जाएगी। कार्यकर्ताओं ने शासन–प्रशासन से तत्काल सड़कों की मरम्मत और गड्ढों को भरने की मांग की, ताकि लोगों को राहत मिल सके। प्रदर्शन में भूपेंद्र भोज, तारा जोशी, वैभव पांडेय, अरविंद सिंह रौतेला, दीप सिंह डांगी, पूरन रौतेला, संजय दुर्गापाल, गीता मेहरा, शरद शाह, टिटू पंत, किरण आर्य, विशाल कनवाल, गौरव जोशी, सतीश पांडेय, मुकेश कुमार, विकास कुमार, विनोद वैष्णव, भैरव गोस्वामी, मदन सिंह डांगी, परितोष जोशी, हेम सासी, अनूप भारती, ऋतिक नयाल, प्रदीप कुमार, इसरार अहमद, गुंजन सिंह चमियाल, कार्तिक शाह, मुकेश नेगी, सुशील शाह, अशोक गुरुरानी, कुणाल, दीपक कुमार, तारा तिवारी, विशाल सिंह बिष्ट और अंबीराम सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/चतुर्थ द्वारा निम्नलिखित ई टेन्डर संख्या जिनके बन्द होने की तिथि व समय प्रत्येक के सामने अंकित है। जो उसी दिन 16:00 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। निम्नलिखित टेन्डर संख्या के अर्न्तगत आमंत्रित किये जाते हैं। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होगा। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या	18-DRM-MB-26-27 Date 22.04.2026
कार्य का नाम	Repair to gate lodge, road surface, height gauge and other miscellaneous work related to standardization of LCs in the section of ADEN/HPU.
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक	19.05.2026
टेन्डर क्लोसिंग समय	16:00 Hrs.
अनुमानित लागत	79,97,870.75
धरोहर राशि	1,60,000.00
कार्य पूर्ण करने की अवधि	06 माह
बिडिंग आरंभ तिथि	05.05.2026

टेन्डर नं.: Sr. DEN-IV/Publication/25-26 दिनांक: 23.04.2026 1349/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

ग्रामीणों ने लगाई सुरक्षित भवन की गुहार

उत्तरकाशी(। मोरी विकासखंड के दूरस्थ गांव ढाटमीर में राजकीय प्राथमिक विद्यालय के बीस छात्र–छात्राएं और दो शिक्षक डर के साए में पढ़ने को मजबूर हैं। विद्यालय के दोनों ओर बरसाती गदेरे होने के कारण अनहोनी का खतरा बना रहता है। बरसात के मौसम में कई बार विद्यालय में पानी घुस जाता है, जिससे स्थिति और भी भयावह हो जाती है। स्थानीय निवासी राजपाल रावत और कमली देवी ने बताया कि विद्यालय भवन में स्थान कम है। ग्रामीणों ने लंबे समय से विद्यालय को जूनियर हाईस्कूल के भवन में स्थानांतरित करने की मांग की है। जूनियर हाईस्कूल का भवन गांव के बीच में एक सुरक्षित स्थान पर स्थित है। वर्तमान में जूनियर हाईस्कूल ढाटमीर में शिक्षकों की तैनाती नहीं है। इस कारण वहां पढ़ने वाले एक छात्र को राजकीय प्राथमिक विद्यालय में भेजा गया है। ग्रामीणों का कहना है कि शिक्षा विभाग ने अभी तक इस संबंध में कोई कार्रवाई नहीं की है। उन्होंने मांग की है कि यदि जूनियर हाईस्कूल दोबारा संचालित नहीं हो सकता, तो प्राथमिक विद्यालय को उसका लाभ दिया जाए। इस मामले पर शिक्षा विभाग के अधिकारियों से फोन पर संपर्क नहीं हो पाया है। अनहोनी का खतराः राजकीय प्राथमिक विद्यालय ढाटमीर के दोनों ओर बरसाती गदेरे हैं। इन गदेरों के कारण विद्यालय में लगातार अनहोनी का खतरा बना रहता है। बरसात के दिनों में विद्यालय परिसर में पानी भर जाता है। इससे छात्रों और शिक्षकों को असुरक्षित माहौल में पढ़ाई करनी पड़ती है। ग्रामीणों ने इस गंभीर समस्या पर चिंता व्यक्त की है।

ग्रामीणों की मांगः स्थानीय ग्रामीणों ने कई बार विद्यालय को जूनियर हाईस्कूल में स्थानांतरित करने की मांग की है। उनका तर्क है कि जूनियर हाईस्कूल का भवन गांव के मध्य में सुरक्षित स्थान पर है। वर्तमान में जूनियर हाईस्कूल में कोई शिक्षक नहीं है, जिससे उसका एक छात्र प्राथमिक विद्यालय में पढ़ रहा है। ग्रामीणों ने शिक्षा विभाग से इस पर तत्काल कार्रवाई करने की अपील की है। वे चाहते हैं कि प्राथमिक विद्यालय को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट किया जाए।

व्यस्त मार्ग पर जंग लगा बिजली का खंभा बना खतरा

उत्तरकाशी। नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड संख्या छह में कुमोला सड़क पर एक जर्जर बिजली का खंभा स्थानीय लोगों के लिए खतरा बन गया है। आरा मशीन के पास खड़ा यह खंभा नीचे से जंग लगकर खोखला हो चुका है और कभी भी गिर सकता है। संबंधित विभाग की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई न होने से लोगों में आक्रोश बढ़ रहा है। व्यापार मंडल अध्यक्ष अंकित पंवार और स्थानीय निवासी रवींद्र रावत ने बताया कि कुमोला सड़क पुरोला की सबसे व्यस्त सड़कों में से एक है। इस मार्ग से प्रतिदिन स्कूल बसें, बच्चे और उपजिला चिकित्सालय जाने वाले मरीज व एंबुलेंस गुजरते हैं। यह रामा सिराई और कमल सिराई गांवों को जोड़ने वाला प्रमुख संपर्क मार्ग भी है, जिससे दिनभर भारी आवाजाही रहती है। ऐसी स्थिति में जर्जर खंभे का खड़ा रहना किसी बड़ी दुर्घटना को न्योता दे रहा है।

स्थानीय लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो किसी भी अनहोनी की जिम्मेदारी संबंधित विभाग की होगी। वहीं, अवर अभियंता विद्युत सुनील कुमार शाह ने कहा कि मामला उनके संज्ञान में नहीं था। उन्होंने आश्वासन दिया कि अब जल्द ही खंभे की मरम्मत या उसे बदलने की कार्रवाई की जाएगी।

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि०
(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)
कॉरपोरेट आइडिन्टीटी संख्या : U40109UP2001SG025867/2358
कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, कोटद्वार

निविदा सूचना

विद्युत वितरण खण्ड, कोटद्वार के अन्तर्गत निम्न वर्णित कार्यों के निष्पादन हेतु अनुभवी, उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रदत्त विद्युत ठेकेदारी 'ए' श्रेणी लाईसेन्स प्राप्त (आयकर, जी0एस0टी0 व ई0पी0एफ0 में पंजीकृत) एवं पंजीकृत ठेकेदारों से मुहरबन्द निविदाएं दो भागों में (प्रथम भाग में धरोहर धनराशि तथा द्वितीय भाग में दरें जो कि निविदा खुलने की तिथि से कम से कम 6 माह के लिए वैध हो) दिनांक 13.05.2026 के 13.00 बजे तक आमन्त्रित की जाती है जो कि उसी दिन 15.00 बजे उपस्थित निविदादाताओं के सम्मुख अधोहस्ताक्षरकर्ता अथवा उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा सार्वजनिक रूप से खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र किसी भी कार्य दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से दिनांक 12.05.2026 को 13.00 बजे तक प्रति निविदा के नकद भुगतान करके प्राप्त किए जा सकते हैं। धरोहर धनराशि किसी भी बैंक/डाकघर की एफडीआर/सीडीआर/राष्ट्रीय बचत पत्र के रूप में अधोहस्ताक्षरकर्ता के पक्ष में बंधक होनी चाहिए। बिना धरोहर धनराशि के निविदा भाग दो नहीं खोली जायेगी। यदि निविदा खुलने के दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहता है तो अगले कार्य दिवस को निविदा खोली जायेगी। अधोहस्ताक्षरकर्ता को यह अधिकार है कि वह बिना कारण बताए समस्त अथवा किसी भी निविदा को निरस्त कर सकते हैं।

निविदा संख्या	निविदा प्रपत्र क्रय राशि (जीएसटी अतिरिक्त)	कार्य का विवरण	धरोहर धनराशि (रू0)
01/2026–27	रू0 100/–	वि०वि० उपखण्ड प्रथम, कोटद्वार के ग्राम लक्ष्मपुर एवं उमरावपुर में सोलर प्लांट के लाइन निर्माण का कार्य।	3000.00
02/2026–27	रू0 250/–	वि०वि० उपखण्ड प्रथम, कोटद्वार के 33/11 केवी सबस्टेशन बलभद्रपुर में क्षतिग्रस्त लाइन को बदलने एवं मरम्मत का कार्य।	20000.00
03/2026–27	रू0 250/–	वि०वि० उपखण्ड प्रथम, कोटद्वार के 33/11 केवी सबस्टेशन गिवईस्त्रोत में क्षतिग्रस्त लाइन को बदलने एवं मरम्मत का कार्य।	18000.00
04/2026–27	रू0 250/–	वि०वि० उपखण्ड द्वितीय, कोटद्वार के 33/11 केवी सबस्टेशन दुगड्डा में पॉवर परिवर्तक की क्षमता वृद्धि का कार्य।	20000.00
05/2026–27	रू0 500/–	वि०वि० उपखण्ड द्वितीय, कोटद्वार के 33/11 केवी सबस्टेशन कस्याली के अधीन 11 केवी फीडर का विभाजन का कार्य।	21500.00
06/2026–27	रू0 500/–	वि०वि० उपखण्ड द्वितीय, कोटद्वार के 33/11 केवी सबस्टेशन बिजनी बडी में परिवर्तक की क्षमतावद्धि (25 से 63 केवीए एवं 63 से केवीए) का कार्य।	25500.00

पत्रांक : 1037/विविखको/टी–6
दिनांक : 23.04.2026

अधिशासी अभियन्ता,
विद्युत वितरण खण्ड, कोटद्वार

विद्युत बिलों के 24x7 आनलाईन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जायें
"राष्ट्र हित में बिजली बचाएं" (Customer Care Toll Free no. 1800 419 0405)

आईपीएल में आज होगा आरसीबी और टाइटंस का मुकाबला

बेंगलुरु (एजेंसी)। यहां के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में शुक्रवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का मुकाबला गुजरात टाइटन्स से होगा। आरसीबी का लक्ष्य घरेलू मैदान पर इस मैच को जीतकर प्लेऑफ के लिए अपने कदम बढ़ाना रहेगा। आरसीबी ने अब तक 6 मे से 4 मैच जीते हैं जिससे उसके 8 अंक हैं और टीम अंकतालिका में तीसरे नंबर पर है। इस सत्र में उसने सनराइजर्स हैदराबाद और चेन्नई सुपर किंग्स को आसानी से हराया, राजस्थान रॉयल्स से उसे हार मिली। इसके बाद मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जायंट्स से वह जीती पर पिछले मैच में दिल्ली कैपिटल्स से हार गयी। आरसीबी के पास अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली भी हैं। टीम की कप्तानी रजत पाटीदार कर रहे हैं। गेंदबाजी भी टीम की अच्छी है। उसके पास भुवनेश्वर कुमार जैसा गेंदबाज है। वहीं दूसरी ओर गुजरात का प्रदर्शन मिला-जुला रहा है। उसने 6 में से 3 मैच जीते हैं, इससे उसके 6 अंक हैं और वह छठे स्थान पर है। उसे शुरुआत में पंजाब किंग्स और राजस्थान रॉयल्स से हार का सामना करना पड़ा जबकि दिल्ली कैपिटल्स और लखनऊ सुपर जायंट्स व कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ उसे जीत मिली पर मुंबई इंडियंस से हार मिली। टीम के पास कप्तानी शुभमन गिल के अलावा साई सुदर्शन जैसा बल्लेबाज है। वहीं टीम के पास कई अच्छे गेंदबाज हैं जिनमें कैगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा हैं। आंकडों पर नजर डालें तो दोनो के बीच 6 मुकाबले हुए हैं जिसमें से दोनो ने ही 3-3 जीते हैं।

टीम इस प्रकार है

आरसीबी:- रजत पाटीदार (कप्तान), विराट कोहली, फिल साल्ट, देवदत्त पडिक्कल, टिम डेविड, जितेश शर्मा, रोमारियो शेफर्ड, क्रुणाल पंड्या, भुवनेश्वर कुमार, जैकब डफी और सुयश शर्मा।

गुजरात टाइटन्स:- शुभमन गिल (कप्तान), साई सुदर्शन, जोस बटलर, ग्लेन फिलिप्स, वाशिंगटन सुंदर, शाहरुख खान, राहुल तेवतिया, राशिद खान, कैगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा।

अफगानिस्तान के खिलाफ मिल सकता है अकिब सहित कई युवा खिलाड़ियों को अवसर

मुम्बई (एजेंसी)। घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर रहे जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज अकिब नबी,हर्ष दुबे, गुरनूर बराड़ सहित युवा खिलाड़ियों को जून में अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले एकमात्र क्रिकेट टेस्ट मैच में अवसर मिल सकता है। इसका कारण है कि चयनकर्ता भारतीय टीम के आगे के व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम को देखते हुए। इस मैच के लिए अनुभवी खिलाड़ियों को आराम देना चाहते हैं। ऐस में घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करने वाले कई युवा खिलाड़ियों को राष्ट्रीय टीम में जगह मिल सकती है।

रिपोर्टों के अनुसार, जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज अकिब नबी, जिन्होंने रणजी ट्रॉफी में प्रभावशाली प्रदर्शन किया है, विदर्भ के बाएं हाथ के स्पिनर हर्ष दुबे, राजस्थान के बाएं हाथ के स्पिनर मानव सूथार और पंजाब के तेज गेंदबाज गुरनूर बराड़ को इस टेस्ट टीम में शामिल किया जा सकता है। इसके अलावा, देवदत्त पडिक्कल और नितीश कुमार रेड्डी को भी इस एकमात्र टेस्ट के लिए मौका मिलने की संभावना है। रेड्डी की तेज गेंदबाजी में हाल में आये सुधार को चयनकर्ताओं इस मैच में आजमाना चाहेंगे।

यह एकमात्र टेस्ट मैच वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के दायरे में नहीं आता है, जिसके कारण चयनकर्ता और टीम प्रबंधन अपने मुख्य खिलाड़ियों को आराम देना चाहते हैं। आगामी सत्र भारतीय टीम के लिए काफी चुनौतीपूर्ण है, जिसमें डब्ल्यूटीसी 2025-27 के दूसरे हाफ और वनडे वर्ल्ड कप 2027 की तैयारियां शामिल हैं। ऐसे में, जसप्रीत बुमराह, शुभमन गिल, केएल राहुल और रवींद्र जडेजा जैसे दिग्गजों को आराम दिए जाने की प्रबल संभावना है ताकि वे आगे के महत्वपूर्ण मैचों के लिए फिट रह सकें।

जहीर बोले, पहले टी20 टीम में जगह पक्की करने पर ध्यान दें श्रेयस

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में पंजाब किंग्स की कप्तानी कर रहे बल्लेबाज श्रेयस अय्यर के सितारे इस समय बुलंद हैं। उनका बल्ला जमकर चल रहा है। वहीं टीम लगातार जीत के साथ ही आईपीएल अंकतालिका में नंबर एक पर बनी हुई है। ऐसे में प्रशंसकों की ओर से ये मांग हो रही है कि श्रेयस को टी20 प्रारुप में भी भारतीय टीम की कप्तानी देनी चाहिये। हैं। वहीं पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज जहीर खान ने कहा है कि श्रेयस को फिलहाल कप्तानी के बारे में सोचने की जगह पर पहले भारतीय टीम में अपनी जगह पक्की करने पर ध्यान देना चाहिए। जहीर के अनुसार, पहले टीम में जगह बनाना जरूरी है, कप्तानी अपने आप आ सकती है।

जहीर ने अय्यर को अपने व्यक्तिगत प्रदर्शन पर निरंतर ध्यान बनाए रखने की सलाह दी। उनके अनुसार, अगर अय्यर लगातार बेहतरीन प्रदर्शन करते रहते हैं और टीम में अपनी स्थिति को मजबूत करते हैं, तो भविष्य में कप्तानी के लिए वह एक स्वाभाविक और मजबूत दावेदार बन जाएंगे। इसका कारण है कि निरंतरता ही सफलता की कुंजी है और व्यक्तिगत प्रदर्शन का उच्च स्तर बनाए रखना किसी भी बड़े अवसर का मार्ग प्रशस्त करता है। जहीर ने इस युवा बल्लेबाज की सराहना करते हुए माना है कि उन्होंने अपनी टीम के लिए लगातार रन बनाए हैं और टीम की सफलता में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अय्यर ने पिछले सत्र में भी 600 से अधिक रन बनाये थे।

वहीं इस सत्र में अब तक के 6 मैचों में उन्होंने 200 से अधिक रन बनाये हैं1 अय्यर सिर्फ अपनी बल्लेबाजी के साथ हीकुशल कप्तानी से भी लगातार छाये हुए हैं। वह आईपीएल इतिहास के उन चुनिंदा कप्तानों में से एक हैं जिन्होंने तीन अलग-अलग टीमों को फाइनल तक पहुंचाया है। ऐसे में कई लोग उन्हें भविष्य के भारतीय कप्तान के रूप में भी देख रहे हैं, जो उनकी ऑलराउंड क्षमता का परिचायक है। हालांकि, यह राह आसान नहीं है, क्योंकि सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय टीम ने हाल के दिनों में प्रभावशाली सफलताएं हासिल की हैं, जिससे टी20 प्रारूप में कप्तानी के लिए प्रतिस्पर्धा बेहद कड़ी हो गई है।

वोल्वार्ट की शतकीय पारी से दक्षिण अफ्रीका ने भारत को नौ विकेट से रौंद श्रृंखला में बनाई अजेय बढ़त

जोहानिसबर्ग (एजेंसी)। कप्तान लौरा वोल्वार्ट (53 गेंदों में 115 रन) की आतिशी शतकीय पारी और पहले विकेट के लिए सुने लुस (42 गेंदों में नाबाद 64 रन) के साथ उनकी 92 गेंदों में 183 रन की साझेदारी के बूते दक्षिण अफ्रीका ने पांच मैचों की महिला टी20 श्रृंखला के तीसरे मुकाबले को 21 गेंद शेष रहते नौ विकेट से जीतकर श्रृंखला में 3-0 की अजेय बढ़त बना ली।

भारत ने कप्तान हरमनप्रीत कौर (66) और सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा (64) के अर्धशतकों तथा दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 42 गेंदों में 73 रन की साझेदारी की बदौलत चार विकेट पर 192 रन बनाए थे, लेकिन वोल्वार्ट की ताबड़तोड़ पारी ने इस बड़े स्कोर को भी बौना साबित कर दिया।

दक्षिण अफ्रीका ने 16.3 ओवर में एक विकेट पर 193 रन बनाकर लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत के खिलाफ अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज की। यह महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट इतिहास में लक्ष्य का पीछा करते हुए तीसरी सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले वेस्ट इंडीज और इंग्लैंड ने क्रमशः 2023 और 2018 में ऑस्ट्रेलिया और भारत के खिलाफ 212 और 198 रन के लक्ष्य हासिल किए थे।

इस श्रृंखला में शानदार फॉर्म में चल रही वोल्वार्ट ने पहले दो मैचों में 51 और 54 रन बनाए थे। दक्षिण अफ्रीका की कप्तान को चौथे ओवर में 31 रन के निजी स्कोर पर स्मृति मंधाना ने कैच टपकाकर जीवनदान दिया। वोल्वार्ट को 85 रन के स्कोर पर दूसरा जीवनदान हरमनप्रीत ने कैच छोड़कर दिया। उन्होंने इन जीवनदानों का फायदा उठाते हुए अपनी पारी में 14 चौके और पांच छक्के जड़े और टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना सर्वोच्च स्कोर बनाया।

टी20 अंतरराष्ट्रीय में यह वोल्वार्ट का तीसरा शतक है। इसके साथ ही उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 17 शतकों के साथ भारत की स्मृति मंधाना और ऑस्ट्रेलिया की मेग लैनिंग की बराबरी कर ली। लुस ने भी छह चौकों और दो छक्कों की मदद से उनका अच्छा साथ दिया।

भारत के लिए श्रेयंका पाटिल ने वोल्वार्ट को आउट कर एकमात्र सफलता हासिल की लेकिन अन्य सभी गेंदबाजों ने काफी रन लुटाये। श्रृंखला में 0-2 से पीछे चल रही भारतीय टीम के लिए यह मुकाबला महत्वपूर्ण था और बल्लेबाजों ने जिम्मेदारी को बखूबी निभाया। शेफाली वर्मा ने आठ चौकों और दो छक्कों की मदद से लगातार दूसरा अर्धशतक जड़ा, जबकि हरमनप्रीत ने 38 गेंदों में सात चौकों और तीन छक्कों की मदद से 66 रन की तेज पारी खेली।

लक्ष्य का पीछा करते हुए वोल्वार्ट ने पहली ही गेंद पर रेणुका सिंह के खिलाफ चौका जड़कर अपने तेवर दिखाए। उन्होंने दूसरे ओवर में काश्वी गौतम के खिलाफ तीन चौके लगाए। आक्रामक रवैये के साथ उन्होंने तीसरे ओवर में रेणुका के खिलाफ पारी का पहला छक्का जड़ा और फिर पांचवें ओवर में लगातार गेंदों पर एक छक्का और दो चौके जड़कर 18 रन बटोरे। उन्होंने अरुंधति रेड्डी के खिलाफ चौके के साथ 23 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। यह इस प्रारूप में दक्षिण अफ्रीका की महिला खिलाड़ी का सबसे तेज अर्धशतक है।

दक्षिण अफ्रीका ने पावरप्ले में बिना किसी नुकसान के 72 रन बना लिए। अब तक एक छोर से संभलकर खेल रहीं लुस ने श्रेयंका पाटिल के खिलाफ छक्का और शेफाली वर्मा के खिलाफ चौका लगाकर रनगति को बरकरार रखा। टीम ने नौवें ओवर में ही 100 रन पूरे कर लिए। वोल्वार्ट ने 12वें ओवर में दीप्ति के खिलाफ अपनी पारी का तीसरा छक्का जड़ा, जबकि लुस ने श्रेयंका के खिलाफ दो चौकों के साथ दबदबा बनाए रखा। वोल्वार्ट ने 14वें ओवर में दीप्ति के खिलाफ शुरुआती दो गेंदों पर छक्का और चौका लगाने के बाद पांचवीं गेंद पर चौके के साथ 47 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। इसी ओवर में लुस ने एक रन लेकर अपना अर्धशतक पूरा किया। वोल्वार्ट शतक पूरा करने के बाद श्रेयंका की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में आउट हुईं, लेकिन तब तक टीम की जीत लगभग तय हो चुकी थी। इससे पहले शेफाली ने स्मृति मंधाना के साथ पहले विकेट के लिए 68 रन जोड़कर भारत को मजबूत शुरुआत दिलाई।

पूरन का विकेट लेते ही जडेजा ने अनोखे अंदाज में मनाया जश्न

लखनऊ । रविंद्र जडेजा के ऑलराउंड प्रदर्शन से राजस्थान रॉयल्स ने यहां हुए मुकाबले में लखनऊ सुपरजायंट्स को 40 रनों से हरा दिया । इस मैच में जडेजा ने 29 गेंदों पर 43 रन बनाने के बाद गेंदबाी के दौरान निकोलस पूरन का महत्वपूर्ण विकेट लेकर अपनी टीम की जीत तय कर दी । पूरन को आउट करने के बाद जडेजा का जश्न मनाने का अंदाज सोशल मीडिया पर छाया हुआ है । पूरन लखनऊ के सबसे अच्छे बल्लेबाज में से एक हैं । ऐसे में उनके आउट होते ही सुपरजायंट्स की बल्लेबाजी ढ़ह गयी । पूरन को आउट करने के बाद जडेजा ने जेब में हाथ डालकर ये दिखाने का प्रयास किस कि मैच में अब उनको ही जीत मिलेगी । इसका कारण है कि पूरन क्रीज पर जमने लगे थे पर उनके आउट होते ही राजस्थान की जीत पक्की हो गई । पूरन 25 गेंद में 22 रन बनाकर पेवेलियन लौटे । इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए राजस्थान रॉयल्स का शीर्ष क्रम असफल रहा । इसी कारण टीम 20 ओवर के खेल में 159 रन ही बना पाई । इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए लखनऊ की टीम 120 रन ही बना पायी । सिर्फ 160 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी लखनऊ की शुरुआत अच्छी नहीं रही । आयुष बडोनी, कप्तान ऋषभ पंत और एडेन मार्करम शून्य पर ही पेवेलियन लौट गये । केवल मिचेल मार्श ने ही 55 रन बनाये ।

सीनियर टीम से विश्वकप खेलना है वैभव का सपना

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में राजस्थान रॉयल्स की ओर से शानदार प्रदर्शन कर रहे 15 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का लक्ष्य सीनियर टीम से विश्कप खेलना है । वैभव ने पिछले माह अपना 15वां जन्मदिन मनाया और इसी के साथ वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने के लिए योग्य हो गए हैं । उन्हें आईपीएल के बाद जून में आयरलैंड के खिलाफ आईपीएल के बाद खेली जाने वाली सीरीज में चयनकर्ता अवसर दे सकते हैं । वैभव का कहना है कि उन्हें आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी पसंद है । उनका कहना है कि वह हावी होकर खेलना चाहते हैं जिससे कि जब तक वो मैदान पर रहें विरोधी टीम पर दबाव बना रहे । उनका लक्ष्य प्रभावशाली प्रदर्शन कर मैच जीतना है । इसलिए जब तक वह क्रीज पर रहेंगे, तब तक वह दबदबा बनाए रखेंगे और उन्हें भरोसा है कि इस प्रकार से मैच विपक्षी टीम से छीन लेंगे । उन्होंने कहा कि अभी मुझे सीनियर टीम से विश्वप कप खेलना है । हर खिलाड़ी का सपना होता है कि वह सीनियरों के लिए खेले और देश के जीत दिलाए । मेरा भी यही लक्ष्य है ।' अब तक वैभव ने आईपीएल 2026 में छह पारियों में 246 रन बनाए हैं. जिसमें दो अर्धशतक और 78 रन की सर्वश्रेष्ठ पारी शामिल है । उनका औसत 41 है और स्ट्राइक रेट 236.54 है । कुल मिलाकर आईपीएल में उन्होंने 13 मैचों में 498 रन बनाए हैं, औसत 38.30 और स्ट्राइक रेट 220.35 है । इसमें एक शतक और तीन अर्धशतक के साथ 101 रन की व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ पारी भी शामिल है !

विश्व कप फुटबॉल में ईरान की जगह इटली को शामिल करें : जम्पोली

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक विशेष दूत पाओलो जम्पोली ने विश्व फुटबॉल की शीर्ष संस्था (फीफा) से कहा है कि वह जून में होने वाले विश्व कप में ईरान की जगह इटली को शामिल करें। माना जा रहा है कि हाल में जिस प्रकार से इटली के साथ अमेरिका के संबंध खराब हुए हैं। उसको देखते हुए ही जम्पोली ने इस प्रकार का बयान दिया है जिससे की इटली सरकार की नाराजगी दूर हो सके।

जम्पोली ने कहा कि उन्होंने ट्रंप और फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो दोनों को सुझाव दिया है कि विश्व कप में ईरान की जगह पर इटली को अवसर दिया जाना चाहिये क्योंकि वह कई बार विजेता रही है। जम्पोली ने कहा, मैं इटली का रहने वाला हूं, और अमेरिका में होने वाले टूर्नामेंट में इटली की राष्ट्रीय टीम को देखते हुए देखना चाहता हूं। इटली ने चार विश्व कप खिताब जीते हैं और ऐसे में वह इस टूर्नामेंट में शामिल के लिए ईरान से कहीं बेहतर और योग्य है, इसके साथ ही उसका रिकार्ड भी काफी अच्छा है।

फीफा हालांकि इटली को शामिल नहीं कर सकता है, क्योंकि वह विश्व कप के लिए क्वालीफाई नहीं कर पायी है। इटली प्ले-ऑफ में बोस्निया और हर्जेगोविना से पेनल्टी शूटआउट में हारकर विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने में असफल रही थी। यह किसी पूर्व विश्व चैंपियन के लिए एक अजीब स्थिति है।

वहीं ईरान ने लगातार चौथी बार विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया है पर जिस प्रकार से उसका अमेरिका और इजरालय से संघर्ष चल रहा है। उसको देखते हुए उसके संयुक्त रुप से अमेरिका और मैक्सिको और कनाडा में होने वाले विश्वकप में खेलने की उम्मीद नहीं है। ईरान ने और युद्ध शुरू होने के बाद से ही फीफा से अपनी टीम के तीन ग्रुप मैचों को अमेरिका से हटाकर मेक्सिको में स्थानांतरित करने का अनुरोध भी किया था जिससे ठुकरा दिया गया है। इससे पहले, जब फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ट्रंप से मिले थे, तो उन्होंने कहा था कि ईरान को 2026 विश्व कप में हिस्सा लेने के लिए रोका नहीं जाएगा। दूसरी ओर ईरान के खेल मंत्री अहमद डोनयामाली ने कहा थ किया कि अमेरिका और इजरायल द्वारा देश पर हवाई हमलों के बाद ईरान 2026 विश्व कप में हिस्सा नहीं ले सकता।इसके बाद ट्रंप ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा था कि ईरान टीम का विश्व कप में स्वागत है पर उनकी सुरक्षा की गारंटी नीं दी जा सकती। विश्व कप 11 जून से 19 जुलाई तक अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में खेला जाएगा।

अभिषेक में हैं खास प्रतिभा : पुजारा

मुंबई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व टेस्ट बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से खेल रहे बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की जमकर प्रशंसा की है । पुजारा का मानना है कि अभिषेक में एक अलग तरह की प्रतिभा है जो उन्हें खास बनाती है । साथ ही कहा कि जिस प्रकार से उन्होंने अब तक के मैचों में बल्लेबाजी की है । उससे ये साबित होता है । दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ भी अभिषेक ने जिस प्रकार से बल्लेबाजी की उससे सभी हैरान हैं । पुजारा ने कहा कि अभिषेक अपने खेल से टीम को जीत दिलाते हैं । पुजारा ने अभिषेक के दूसरे आईपीएल शतक और इस सत्र के उनके पहले शतक की जमकर तारीफ की । पुजारा ने कहा कि यह बल्लेबाज़ किस आसानी और सहजता से बड़े स्कोर खड़ा करता है । उन्होंने कहा, अभिषेक ने शानदार पारी खेली और अपना दूसरा आईपीएल शतक और इस सत्र का पहला शतक बनाया । वह शतक बनाना आसान बना देते हैं । पुजारा ने कहा कि अभिषेक का योगदान टीम के बेहद महत्वपूर्ण रहा है । उन्होंने कहा कि उनके प्रदर्शन अक्सर टीम के लिए जीत की राह बनाते हैं, क्योंकि वह बल्लेबाजी क्रम में सबसे ऊपर रहकर खेल पर गहरा प्रभाव डालते हैं । पुजारा ने अभिषेक की स्वाभाविक क्षमता और लगातार बेहतरीन प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि जब वह किसी मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ अपनी पूरी लय में होते हैं, तो उनकी क्लास साफ दिखाई देती है । उन्होंने कहा, जब वह इस तरह का प्रदर्शन करते हैं, तो उनकी क्लास हर किसी को साफ दिखाई देती है । बहुत कम बल्लेबाजों में अभिषेक जैसी प्रतिभा और क्लास होती है ।

'जब मैं बैटिंग कर रहा था, तो यह इतना आसान नहीं था', लखनऊ के खिलाफ मैच जिताऊ पारी पर बोले जडेजा

लखनऊ (उत्तर प्रदेश)(एजेंसी)। लखनऊ सुपर जायंट्स को इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में लगातार चौथी हार का सामना करना पड़ा जबकि राजस्थान रॉयल्स 40 रनों की जीत के साथ फिर से जीत की राह पर लौट आई। राजस्थान के ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने अपनी बैटिंग के तरीके, लखनऊ की पिच पर धीमी बॉलिंग करने और अपने पूरे ओवर क्यों नहीं फेंके इस सब पर बात की।

रवींद्र जडेजा ने शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन किया जिसमें 29 गेंदों में तेजी से 43 रन बनाए और एक अहम विकेट लिया। वहीं जोफ्रा आर्चर और नांद्रे बर्गर की तेज गेंदबाजी की जोड़ी की अगुवाई में अनुशासित बॉलिंग प्रदर्शन ने राजस्थान रॉयल्स को बुधवार को रस्त्र के खिलाफ 40 रनों की जीत के साथ अपनी लगातार दो हार का सिलसिला तोड़ने में मदद की। अपनी बैटिंग के बारे में बात करते हुए जडेजा ने कहा, 'जब मैं बैटिंग कर रहा था, तो यह इतना आसान नहीं था। LSG के पास बेहतरीन तेज गेंदबाज हैं, जो तेज गति और सही जगहों पर बॉलिंग कर रहे थे। यह लाल मिट्टी वाली पिच थी, इसलिए इसमें उछाल था, और गेंद में सीम भी मिल रही थी।'

जडेजा ने कहा, 'हमारे विकेट लगातार गिर रहे थे और हम कोई साझेदारी नहीं बना पा रहे थे। इसलिए डोनोवन और मैंने पारी को आखिर तक ले जाने के बारे में बात की। लेकिन टी20 क्रिकेट में एक अच्छा स्कोर बनाने के लिए आपको बीच-बीच में जोखिम उठाते रहना पड़ता है। बदकिस्मती से, वह गलत समय पर आउट हो गए। मैं बस ओवरों का हिसाब लगा रहा था और मुझे पता था कि आखिरी ओवर शायद मयंक यादव फेंकेंगे।'

उन्होंने कहा, 'मैं बस उनकी गति का फायदा उठाना चाहता था, क्योंकि लेग-साइड की बाउंड्री छोटी थी और मिड-ऑफ और मिड-ऑन दोनों ही ऊपर थे। उनकी तीन गेंदें शॉर्ट थीं, और उन्होंने एक फुल गेंद फेंककर मुझे चकमा देने की कोशिश की, लेकिन किस्मत से, मैं उस पर भी चौका लगाने में कामयाब रहा। हमें वे 20 रन मिल गए, और एक टीम के तौर पर, जब आपके गेंदबाज़ों के पास बचाव के लिए कुछ अतिरिक्त रन होते हैं, तो आपका आत्मविश्वास बढ़ जाता है।'

पहले बैटिंग करने के लिए कहे जाने पर रूरू ने जडेजा की 29 गेंदों में खेली गई 43 रनों की जुझारू पारी और शुभम दुबे की 19 रनों की तेज पारी की बदौलत 159/6 का स्कोर बनाया। एक छोटे स्कोर का बचाव करते हुए RR ने मेजबान टीम को 18 ओवर के अंदर 119 रनों पर ऑल आउट कर दिया और मैच 40 रनों से जीत लिया। जडेजा ने निकोलस पूरन का अहम विकेट भी लिया।

लखनऊ की उस पिच पर धीमी गेंदबाजी करने के बारे में इस ऑलराउंडर ने कहा, 'जब मैं दिग्विजय राठी के खिलाफ बैटिंग कर रहा था, तो उनकी कुछ गेंदें पिच पर रुककर आ रही थीं। इसलिए, मैंने सोचा कि अगर मैं इस पिच पर धीमी गेंदबाजी करूं, तो मुझे भी कुछ मदद मिल सकती है। मैं मिच मार्श या पूरन, किसी को भी तेज गेंदबाजी नहीं देना चाहता था, क्योंकि वे बड़े हिटर हैं और बड़े शॉट लगाने के लिए जाने जाते हैं। इसलिए, मैंने धीमी गेंदबाजी की, लेकिन मैं अपनी गति में बदलाव भी करना चाहता था, ताकि मैं आसानी से पढ़ा न जा सकूं। अगर वे एक या दो छक्के लगा देते, तो पहले से बना सारा दबाव खत्म हो जाता, जिससे जीत के लिए जरूरी रनों का अंतर कम हो जाता।'

पिच सीम गेंदबाजों की मदद कर रही थी, क्योंकि नांद्रे बर्गर (27/2), जोफ्रा आर्चर (20/3) और बृजेश शर्मा (18/2) ने कसी हुई गेंदबाजी की और LSG की बैटिंग लाइनअप को तहस-नहस कर दिया। जडेजा ने इस मैच में अपने चार ओवरों का कोटा पूरा किया जबकि पिछले कुछ मैचों में वे ऐसा नहीं कर पाए थे।

पिछले मैच में KKR के खिलाफ शानदार गेंदबाजी (तीन ओवरों में 8/2) करने के बावजूद वे उस मैच में अपने चार ओवर पूरे नहीं कर पाए थे। पिछले कुछ मैचों में अपने ओवरों का कोटा पूरा न कर पाने के बारे में उन्होंने कहा, 'जब मैं मैदान पर आता हूं, तो मैं अपना निजी अहंकार होटल के कमरे में ही छोड़ आता हूं।'

जडेजा ने कहा, 'मैं बस इस बारे में सोचता हूं कि टीम मुझसे जिस भी तरह का योगदान चाहती है, मैं उसे पूरा करूं। जब बैटिंग की बात आती है, तो मैं इस मैच में पारी को आखिर तक ले जाना चाहता था, क्योंकि अगर मैं 17वें या 18वें ओवर में कोई गलत शॉट खेलकर आउट हो जाता, तो हम 159 रन तक नहीं पहुंच पाते और शायद 20-25 रन पीछे रह जाते। ऐसे में LSG के लिए छोटे टारगेट का पीछा करना आसान हो सकता था। टी20 क्रिकेट में हर पिच, हर स्थिति और हर मैच का माहौल अलग होता है, इसलिए आपको उसी के हिसाब से खुद को ढालना पड़ता है। अगर किसी दिन टीम को लगता है कि किसी खास बैटर के खिलाफ मेरा मैच-अप नेगेटिव है, तो मैं उस बात को समझता हूं। हो सकता है कि यह काम कर जाए, या हो सकता है कि न करे; यह तो खेल का ही एक हिस्सा है।'

राजस्थान अभी पॉइंट्स टेबल में दूसरे स्थान पर है जिसके 7 मैचों में 10 पॉइंट्स हैं। अपने अगले मैच में शनिवार को उनका मुकाबला सनराइजर्स हैदराबाद से होगा।

आर्चर रॉयल्य की ओर से सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बने, चहल का रिकार्ड तोड़ा

लखनऊ (ईएमएस) । इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर आईपीएल में सबसे अधिक विकेट लेने वाले राजस्थान रॉयल्स के गेंदबाज बन गये हैं । आर्चर ने इसी के साथ ही युजवेंद्र चहल को पीछे छोड़ा। चहल अभी तक रॉयल्स के सबसे अधिक 66 विकेट लिए थे पर अब ऑचर के नाम 68 विकेट हो गये हैं । आर्चर ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ यहां के इकाना इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में दूसरा विकेट विकेट लेते ही ये उपलब्धि अपने नाम की है । आईपीएल में कुल मिलाकर आर्चर के नाम 70 विकेट हैं । उन्होंने कुछ मैच मुंबई इंडियंस के लिए भी खेले हैं । इससे पहले उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के लिए मैच खेले थे । रॉयल्स के लिए तीसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाद सिद्धार्थ त्रिवेदी काफी कम चर्चित हैं । साल 2008 से साल 2013 के बीच उन्होंने खेला था । वहीं ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ऑलराउंडर शेन वॉटसन ने राजस्थान रॉयल्स के लिए 61 विकेट निकाले हैं । वे इस टीम के लिए सबसे ज्यादा आईपीएल विकेट लेने वाले चौथे गेंदबाज हैं । वहीं दिवंगत शेन वार्न ने रॉयल्स की ओर से 57 विकेट लिए हैं और वह पांचवे नंबर पर हैं ।